शौर्य न्यूज इंडिया

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

सोच वही, ऊर्जा नई...

www.shauryanewsindia.co.in

मूल्य : 5/-
7 अप्रैल से 13 अप्रैल, 2025
वर्ष - 3, अंक - 51

बनारस, चंदौली, आजमगढ़, जौनपुर, मीरजापुर, सोनभद्र, सिंगरौली, राजगढ़, भदोही, बलिया, मऊ, प्रयागराज, देवरिया, मथुरा, अयोध्या, आगरा, महोबा, बांदा, मुरादाबाद, बहराइच और गोरखपुर से प्रसारित

पेज 5
बॉलीवुड के आइकन थे मनोज

पेज 5
हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस हैं रश्मिका

वक्फ कानून के खिलाफ रोड पर उतरे मुस्लिम

बिल को वापस लेने के लगे नारे, पोस्टर लहराए, यूपी में बिल का समर्थन करने पर नमाजी को पीटा

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन बिल के संसद से पास होने के खिलाफ देश में विरोध प्रदर्शन हो रहा है। जुमे की नमाज के बाद पश्चिम बंगाल, गुजरात, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक, असम में मुस्लिमों ने सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया। इसमें महिला-बच्चे भी शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में पुलिस हाई अलर्ट पर है। फ्लैग मार्च जारी है। लखनऊ में दरगाहों और मस्जिदों की ड्रोन से निगरानी की जा रही है। यूपी अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अशफाक सैफी को वक्फ संशोधन बिल का समर्थन करने पर जान से मारने की धमकी मिली। उनके बहनोई को पीटा गया। गुजरात के अहमदाबाद में सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग सड़कों पर जुटे। उनके पोस्टर-बैनर पर वक्फ बिल वापस लो, रिजेक्ट यूसीसी लिखा

था। लोगों ने बांह पर काली पट्टे बांधी हुई थी। भीड़ ने तानाशाही नहीं चलेगी के नारे लगाए। पुलिस ने 50 लोगों को हिरासत में लिया। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में पार्क सर्कस क्रासिंग में हजारों लोग सड़कों पर जमा हुए। यहां भी वक्फ बिल रिजेक्ट के बैनर-पोस्टर लिए लोग विरोध कर रहे हैं। कोलकाता में कई जगहों पर विरोध हो रहा है। लोगों ने वक्फ बिल के विरोध की तख्तियां जलाईं। रांची में भी हंगामा हो रहा है। लोगों ने कहा कि वक्फ बिल देश के लिए सही नहीं है, मुस्लिमों के लिए सही नहीं है। बिहार में भी बिल के विरोध में लोग सड़कों पर हैं। तमिलनाडु में एक्टर विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम के कार्यकर्ताओं ने बिल का विरोध किया। गुजरात के अहमदाबाद शहर में सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम सड़कों पर एकत्र हुए। विरोध प्रदर्शन कर रहे लोग वक्फ बिल वापस लो, रिजेक्ट यूसीसी लिखे पोस्टर-बैनर अपने हाथों में ले रखे थे। वहीं अनेक लोगों ने विरोध स्वरुप बांह पर काली पट्टी बांध रखी थी। यहां विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों ने तानाशाही नहीं चलेगी के नारे लगाए। बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस ने लोगों को बल पूर्वक खदेड़ दिया और करीब 50 लोगों को हिरासत में ले लिया। बिहार में भी वक्फ बिल के विरोध में लोग सड़कों पर उतरे हुए हैं। यहां तमिलनाडु में अभिनेता विजय की सियासी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम ने भी विरोध प्रदर्शन किया है। वक्फ बिल के खिलाफ रांची में भी हंगामा देखने को मिला है। विरोध कर रहे लोगों का कहना है कि वक्फ बिल मस्लिम समुदाय के साथ ही देश के लिए भी सही नहीं है।

शोक : नहीं रहे भारत कुमार

मुंबई। हिन्दी सिनेमा के मशहूर अभिनेता मनोज कुमार का 87 साल की उम्र में शुक्रवार को निधन हो गया। वह विशेष रूप से अपनी देशभक्ति फिल्मों के लिए जाने जाते थे। उन्हें भारत कुमार के नाम से भी जाना जाता था। उपकार, पूरब-पश्चिम, क्रांति, रोटी-कपड़ा और मकान उनकी बेहद कामयाब फिल्में रहीं। मनोज कुमार के बेटे कुणाल गोस्वामी ने बताया, उन्हें लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां थीं। यह भगवान की कृपा है कि उन्हें आखिरी समय में ज्यादा परेशानी नहीं हुई, शांतिपूर्वक उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

उनका अंतिम संस्कार शनिवार की सुबह 11 बजे मुंबई के पवनहंस श्मशान घाट पर हुआ। मनोज कुमार काफी समय से लिवर सिरोसिस से जूझ रहे थे। उनकी हालत बिगड़ने के बाद उन्हें 21 फरवरी 2025 को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मनोज कुमार को 7 फिल्म फेयर पुरस्कार मिले थे। पहला फिल्म फेयर 1968 में फिल्म उपकार के लिए मिला था। उपकार ने बेस्ट फिल्म, बेस्ट डायरेक्टर, बेस्ट स्टोरी और बेस्ट डायलॉग के लिए चार फिल्म फेयर जीते। 1992 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया। 2016 में उन्हें दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से नवाजा गया। मनोज कुमार के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत सिनेमा के दिग्गजों द्वारा संवेदना व्यक्त करने पर

बॉलीवुड में शोक

अभिनेता मनोज कुमार का 87 साल की उम्र में निधन, कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे शनिवार को किया गया अंतिम संस्कार

कुणाल ने कहा कि मैं पीएम मोदी का आभार जताना चाहता हूं कि उन्होंने अपना प्रेम दिखाया।

अभिनेता मनोज कुमार के निधन से बॉलीवुड में शोक की लहर है। फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने इसे फिल्म के लिए बड़ी क्षति बताया तो गीतकार मनोज मुंतशिर ने अपने गीतों की प्रेरणा बताया। वहीं, निर्माता-निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उनके जैसे देशभक्ति कलाकार मरा नहीं करते।

जजों की नियुक्ति पर फिर चुप्पी

नई दिल्ली। जजों की नियुक्ति के लिए वर्तमान कॉलेजियम प्रणाली को खत्म करने के लिए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) विधेयक फिर से लाने के मुद्दे पर सरकार ने चुप्पी साध ली है। कानून मंत्रालय से एक प्रश्न में पूछा गया था कि क्या सरकार जजों की नियुक्ति के लिए वर्तमान कॉलेजियम प्रणाली को खत्म करने के लिए एनजेएसी विधेयक फिर से लाने पर विचार करेगी? इस सवाल के लिखित जवाब में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि अब निरस्त हो चुके कानून की क्या विशेषताएं थीं, लेकिन वह इस बात पर चुप रहे कि क्या सरकार एनजेएसी विधेयक लाने पर विचार करेगी। अपने लिखित जवाब में मेघवाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्टों के जजों की नियुक्ति की कॉलेजियम प्रणाली को अधिक व्यापक, पारदर्शी, जवाबदेह नियुक्ति तंत्र से बदलने और प्रणाली में ज्यादा निष्पक्षता लाने के लिए, संविधान अधिनियम, 2014 और राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम, 2014 लाए गए थे। उन्होंने कहा कि ये कानून 13 अप्रैल, 2015 को लागू हुए और दोनों कानूनों को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई थी, जिसने बाद में उन्हें असंवैधानिक और अमान्य घोषित कर दिया। कानून मंत्री ने बताया कि कानूनों के लागू होने से पहले से चल रही मौजूदा कॉलेजियम प्रणाली को प्रभावी घोषित कर दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार और सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम प्रक्रियाओं के ज्ञापन को अद्यतन करने के लिए किस तरह संपर्क में हैं। यह ज्ञापन वह नियमावली है जो सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालय के जजों की नियुक्ति, पदोन्नति और स्थानांतरण के बारे में मार्गदर्शन देती है। एनजेएसी हाल में फिर चर्चा में आया जब दिल्ली हाईकोर्ट के एक जज के आधिकारिक आवास पर आग लगने के बाद कथित तौर पर नोटों की आधी जली हुई गड्डियां मिली थीं।

लोक सभा अनिश्चित समय के लिए स्थगित

नई दिल्ली। लोकसभा में सत्तापक्ष और विपक्ष के हंगामे के बाद स्पीकर ने कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस समेत विपक्ष के कुछ सदस्य खड़े होकर नारेबाजी करने लगे और कुछ सदस्य सदन के बीचोंबीच आ गए। वहीं दूसरी तरह बीजेपी के निशिकांत दुबे समेत समेत सत्तापक्ष के भी सदस्य अपने स्थान पर खड़े होकर सोनिया गांधी माफी मांगों के नारे लगाने लगे। इस दौरान सत्ता पक्षा कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की टिप्पणी को लेकर विरोध जता रहे थे। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने प्रश्नकाल चलाने की कोशिश की लेकिन दोनों तरफ से नारेबाजी होती रही। बिरला सदस्यों को अपने स्थान पर जाने का आग्रह करते हुए कहते रहे कि प्रश्नकाल अहम समय होता है।

गूगल मैप फिर बना मौत की वजह, दो युवतियों की गई जान

लखनऊ। फिर गूगल मैप के बताए हुए रास्ते पर जाने से बड़ा सड़क हादसा हुआ है। कार में कुल 4 लोग सवार थे, इसमें दो युवतियों की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि कार सवार गूगल मैप के बताए हुए रास्ते से वापस लौट रहे थे। पिछले साल नवंबर महीने में बरेली में तीन लोगों की मौत हो गई थी। मुरादाबाद जिले में गुरुवार की देर रात गलत साइड आ रही कार में कंटेनर ने जोरदार टक्कर मार दी थी। बताया जा रहा है कि नैनीताल से लौटते वक्त कार सवारों ने गूगल मैप का सहारा लिया था। कार में दो लड़के और दो लड़कियां सवार थे। ये सभी नैनिताल से रोहतक वापस लौट रहे थे। तभी कार चालक ने गूगल मैप के जरिए दिल्ली जाने के प्रयास में मुरादाबाद बायपास की तरफ मोड़ दिया। कार के

मुड़ते वक्त सामने से आ रहे कंटेनर ने कार को टक्कर मार दी। इससे पहले भी गूगल मैप की वजह से कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। इसी साल मार्च महीने में ग्रेटर नोएडा में गूगल मैप के सहारे जा रहे स्टेशन मास्टर की कार 30 फीट गहरे नाले में जा गिरी थी। इस हादसे में स्टेशन मास्टर भारत भाटी की मौत हो गई थी। भारत भाटी शादी समारोह में जा रहे थे। तभी केंद्रीय विहार-2 सोसायटी के सामने से निकलने के बाद आगे जाकर रास्ता खत्म हो गया था। आगे नाला होने की वजह से उनकी कार उस नाले में जा गिरी थी। बड़ी मशक्कत के बाद उन्हें निकाला गया था। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था।

नेपाल में कांपी धरती भूकंप की तीव्रता 5.5 रही, सहम उठे लोग

नेपाल। नेपाल में रिक्टर पैमाने पर 5.5 तीव्रता का भूकंप आया है। जानकारी के मुताबिक, इसका असर उत्तर भारत में भी दिखा है, जहां हल्के झटके महसूस किए गए है। भूकंप का केंद्र जमीन से 20 किमी नीचे थे। फिलहाल भूकंप के चलते किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। इससे पहले बंगाल की खाड़ी में 4.2 तीव्रता के झटके महसूस किए गए थे। बताते हैं कि नेपाल में जिस समय यह भूकंप आया, लोग आमदिन की तरह अपने कामकाज में व्यस्त थे। धरती हिलते ही लोग घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। घरों में पंखे आदि झूमने लगे थे। थाईलैंड और मांयामार में भूकंप की बड़ी त्रासदी के बाद एशिया के देशों में भूकंप का खतरा बना हुआ है।

रेलवे को मिले 18 हजार करोड़

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल और सूचना-प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय कैबिनेट में हुए फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रेल मंत्रालय की 4 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इनकी कुल लागत 18,658 करोड़ रुपये है। महाराष्ट्र, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के 15 जिलों को कवर करने वाली परियोजनाओं से भारतीय रेलवे का मौजूदा नेटवर्क करीब 1247 किलोमीटर बढ़ जाएगा। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने बताया कि परियोजनाओं में संबलपुर-जरापदा तीसरी और चौथी लाइन, झारसुगुड़ा-सासन तीसरी और चौथी लाइन, खरसिया-नया रायपुर-परमलकासा पांचवीं व छठी लाइन और गोंदिया-बल्हारशाह दोहरीकरण शामिल हैं। मंत्री वैष्णव ने बताया कि रेलवे लाइन विस्तार से गतिशीलता में सुधार होगा। इससे भारतीय रेलवे के लिए बेहतर दक्षता और सेवा विश्वसनीयता उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव रेल परिचालन को सुगम बनाएंगे और भीड़भाड़ को कम करेंगे।

रेल मंत्री ने बताया कि 19 नए स्टेशनों का भी निर्माण किया जाएगा। स्टेशनों के निर्माण से महाराष्ट्र में गढ़चिरौली और छत्तीसगढ़ में राजनांदगांव तक कनेक्टिविटी बढ़ जाएगी। उन्होंने बताया कि कनेक्टिविटी बढ़ने से लगभग 3350 गांवों और लगभग 47.25 लाख लोगों तक लाभ पहुंचेगा। रेल मंत्री के अनुसार, परियोजनाओं के चलते खरसिया-नया रायपुर-परमलकासा बलौदा बाजार जैसे नए क्षेत्र सीधे रेल कनेक्टिविटी से जुड़ सकेंगे। इसका लाभ यह होगा कि इस क्षेत्र में सीमेंट संयंत्रों सहित नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की संभावनाएं पैदा होंगी। ये मार्ग कृषि उत्पादों, उर्वरक, कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट, चूना पत्थर जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक हैं। क्षमता वृद्धि के चलते 88.77 मिलियन टन प्रति वर्ष की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी।

'इतना भारी टैक्स लगाउंगा कभी सपने में नहीं देखा होगा'

दवा कंपनियों को ट्रंप की धमकी, शेयर टूटे

मुंबई। 3 अप्रैल को खुशी मना रहे भारतीय दवा कंपनियों के शेयर के लिए अगला दिन ब्लैक फ्राइडे साबित हुआ। अरबिंदो फार्मा, आईपीसीए लैबोरेटरीज, ल्यूपिन जैसी फार्मा कंपनियों के शेयर 5 फीसदी तक गिर गए। 2 अप्रैल की रात को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की। लेकिन फार्मा कंपनियों को ट्रंप ने टैरिफ की कड़वी दवा से दूर रखा। इस कारण 3 अप्रैल को भारतीय शेयर बाजार जहां पूरा बाजार लाल रंग में रंगा था तभी फार्मा कंपनियां बढ़िया प्रदर्शन करती दिखीं। एक दिन बाद ट्रंप ने कहा कि फार्मा सेक्टर पर भी भारी टैरिफ लगाएंगे। इतना भारी कि आज तक देखा नहीं गया होगा। ट्रंप

के यह कहते ही शेयर बाजार में पूरा फार्मा सेक्टर गिर गया। करीब 10:50 बजे तक निफ्टी फार्मा इंडेक्स में लगभग 5 फीसदी तक की गिरावट देखने को मिली। शुक्रवार को ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए फार्मा कंपनियों पर बम फोड़ दिया। उन्होंने कहा, फार्मा टैरिफ इतने बड़े होने वाले हैं कि आपने पहले कभी नहीं देख है। जल्द ही इसकी घोषणा होगी, ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अभी इसकी समीक्षा चल रही है। इसके पहले 2 अप्रैल को रोज गार्डन में हुए कार्यक्रम में इसकी चर्चा नहीं हुई थी, लेकिन अब साफ हो गया कि यह छूट सिर्फ अस्थायी थी। ट्रंप प्रशासन अब फार्मा और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों की पड़ताल में जुटे है। इसके लिए वे 1962 के ट्रेड एक्सपेंशन एक्ट की धारा 232 का सहारा ले रहे हैं। यह धारा अमेरिकी सरकार को अधिकार देती है कि अगर कोई आयातित सामान राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनता है, तब उस पर रोक सकता है या टैक्स लगा सकता है। अब सवाल यह है कि टैरिफ लगने से क्या होगा? ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि फार्मा कंपनियां इस बढ़ी हुई लागत को बीमा कंपनियों या ग्राहकों पर डालने की कोशिश होगी। लेकिन अगर मरीजों तक यह बोझ नहीं पहुंचा, तब सप्लाई चेन (दवा बनाने से लेकर बेचने तक का पूरा नेटवर्क) को नुकसान उठाना पड़ेगा। फर्म का मानना है कि पूरा टैरिफ ग्राहकों पर डालना आसान नहीं होगा। वहीं, फर्म का कहना है कि भारत अमेरिका से करीब 6,400 करोड़ रुपये (800 मिलियन डालर) की दवाएं आयात करता है, जबकि अमेरिका को 69,600 करोड़ रुपये (8.7 बिलियन डालर) की दवाएं निर्यात करता है। अगर भारत अमेरिका से आने वाली दवाओं पर आयात शुल्क हटा दे, तब कुछ राहत मिल सकती है।

व्रती महिलाओं ने सूर्य को दिया अर्घ्य

चंचल सिंह

डीडीयू नगर। लोक आस्था का महापर्व चैती छठ पर गुरुवार को व्रती महिलाओं ने सरोवर तटों पर पहुंच कर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। इसके पहले गीत गाते हुए महिलाएं सरोवर तटों पर पहुंची। इस दौरान कांच ही कांच के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए, मार बो रे सुगवा धनुष से, सुगा जइहें मुरछाए आदि गीतों से सरोवर तट गुलजार रहे। चार दिवसीय चैती छठ की शुरूआत मंगलवार को नहाय खाए के साथ हुई थी।

व्रतियों ने निराजल व्रत रखकर शाम को घाट की पूजा की और दीपदान किया। इसके बाद घर में बखीर तैयार कर इसका भोग लगाया और जल ग्रहण किया। इसके साथ 36 घंटे के उपवास की शुरूआत की। वहीं बृहस्पतिवार को दिन भर शाम को अस्ताचल गामी सूर्य को अर्घ्य देने की तैयारी की। घरों में गुड़ और आटे का ठेकुआ आदि तैयार की। वहीं बाजार से विभिन्न प्रकार के फल मंगाए। दोपहर बाद सूप और दउरी में फल, पकवान, पूजन सामग्री आदि सजाए। इसके बाद नए कपड़े पहन कर सरोवर तटों पर पहुंचे। नगर के मालगोदाम पोखरा, मानसरोवर तालाब, दामोदरदास पोखरा आदि स्थानों पर व्रती परिवार के साथ गीत गाते हुए पहुंचे।

यहां घाट पर कलश स्थापित किया, विधि विधान से पूजा की और कमर भर पानी में पहुंच कर सूर्य के अस्त होने का इंतजार किया। जैसे ही सूर्य अस्त होने लगे व्रतियों ने दूध और जल से अर्घ्य दिया। उदयाचल सूर्य को अर्घ्य देकर चार दिवसीय व्रत का समापन किया जाएगा। वहीं छठ व्रत के मद्देनजर सरोवर तटों पर और घरों में छठी मइया के गीत गुंजते रहे।

स्कूल चलो अभियान के तहत निकाली रैली

नौगढ़। सबको शिक्षा, सबको ज्ञान कार्यक्रम के अन्तर्गत गुरुवार को स्कूल चलो अभियान रैली का आयोजन गुरुवार को न्याय पंचायत संकुल केंद्र नौगढ़ से किया गया। जिसका शुभारंभ थानाध्यक्ष कृपेन्द्र प्रताप सिंह व खण्ड शिक्षा अधिकारी लालमणि राम ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर के किया। वहीं प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक भी वितरित किया गया। थानाध्यक्ष कृपेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि सभी शिक्षकों का नैतिक दायित्व है कि अभिभावकों को प्रेरित कर के सभी बच्चों का स्कूलों में नामांकन अवश्य कराएं। शिक्षा के साथ साथ खेलकूद भी जरूरी है, जिससे बच्चों का समुचित शारीरिक मानसिक व सामाजिक विकास हो सके। स्कूल चलो अभियान को सफल बनाने की अपील करके अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने के लिए शिक्षकों से कहा। खण्ड शिक्षा अधिकारी लालमणि राम ने बताया कि शिक्षा को काफी सुलभ बनाए जाने में सरकार निरंतर पहल कर रही है।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकें: डीएम

चंदौली। जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा अभियान की समीक्षा बैठक बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इस दौरान जिले में सड़क दुर्घटनाओं की वर्तमान स्थिति, सुरक्षा उपायों और भविष्य की कार्ययोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। डीएम ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं और यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने सड़क सुरक्षा अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने और जनपद में नो हेलमेट, नो फ्यूल अभियान में तेजी लाने का निर्देश दिया। इस दौरान डीएम ने कहा कि सड़कों के स्पॉट्स की पहचान एवं सुधार, सड़क दुर्घटनाओं के हॉटस्पॉट चिह्नित किए जाएं।

इन स्थलों पर आवश्यक सुरक्षा उपाय जैसे स्पीड ब्रेकर, साइन बोर्ड, स्ट्रीट लाइट आदि लगाए जाएं।लोक निर्माण विभाग और अन्य संबंधित विभाग मिलकर मरम्मत कार्य को प्राथमिकता दें।हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सघन अभियान चलाया जाए। नो-हेलमेट, ओवरस्पीडिंग, नशे की हालत में वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई हो। नो हेलमेट,नो फ्यूल अभियान में तेजी लाई जाए। सार्वजनिक स्थलों और मुख्य चौराहों पर यातायात पुलिस की तैनाती बढ़ाई जाए। सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन, पुलिस, परिवहन विभाग और नागरिकों को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि सुरक्षित यातायात व्यवस्था केवल नियमों के पालन से ही संभव है, इसलिए आमजन को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

उन्होंने सभी अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे दिए गए निर्देशों का गंभीरता से पालन करें और सड़क सुरक्षा अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करें। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी डा. वाई के राय, अधिशासी अभियंता (पीडब्ल्यूडी) राजेश कुमार, आरटीओ सर्वेश गौतम, डीएफओ दिलीप श्रीवास्तव, सीओ सदर, खनन अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

हत्यारोपी को चौबीस घंटे में दबोचा

धानापुर। कस्बा धानापुर में बीते बुधवार को एक युवक का शव मिला था, जिसकी पहचान इरफान पुत्र स्वर्गीय मुमताज निवासी कस्बा धानापुर थाना धानापुर जनपद चन्दौली के रूप में हुई। घटना के सम्बन्ध में पीड़ित पक्ष की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस कार्यवाही में जुटी थी। थानाध्यक्ष महेश कुमार सिंह के नेतृत्व में मुकदमा उपरोक्त में हत्या जैसी संगीन घटना में शामिल अभियुक्तगण की तलाश की जा रही थी कि जरिये मुखबिर सूचना मिली कि मुकदमें में हत्या का आरोपित व्यक्ति कहीं भागने की फिराक में है जो इस समय बस स्टैण्ड के आगे पुलिया के पास साधन का इन्तजार कर रहा है कि मुखबिर की उक्त सूचना पर एक व्यक्ति को धानापुर बस स्टैण्ड के पास पुलिया से पकड़ लिया गया। पकड़े गये व्यक्ति की पहचान रियाजुद्दीन उर्फ शिवानी पुत्र समीम हासमी निवासी कस्बा धानापुर थाना धानापुर जनपद चन्दौली तथा उम्र करीब 22 वर्ष के रुप में हुई।

पूछताछ के दौरान अभियुक्त रियाजुद्दीन उर्फ शिवानी उपरोक्त द्वारा बताया गया कि मैं इद्दन हासमी पुत्र मुन्ना हासमी व प्रमोद पुत्र लहुहजारे तथा इरफान पुत्र स्व० मुमताज के साथ मित्रवत व्यवहार में बौरहवा बाबा मन्दिर वाली सड़क पर मुकुन्द लाल रस्तोगी के मकान के पीछे वाले खाली मैदान में बैठकर गप्प सड़ाका कर रहे थे, कुछ लोग अगल-बगल भी बैठकर आपस में बातचीत भी कर रहे थे। देर होने पर आसपास के सभी लोग अपने-अपने घर को चले गये मैं बार-बार इरफान को चलने हेतु कहा तो मुझसे उलझने लगा इद्दन हासमी व प्रमोद भी वहां से चले गये, इरफान मुझसे गाली गलौज करने लगा तथा मुझे मारने लगा। तब मैंने गुस्से में उसे कई घूसा मुंह व शरीर पर मार दिया जिससे वह जमीन पर गिर गया और इसके बाद तुरन्त वहां से चला गया। मुझे जानकारी मिली कि इरफान की मौत हो गयी है।

वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर अलर्ट

डीडीयू नगर। वक्फ संशोधन विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश कर दिया गया। इसे देखते हुए डीडीयू नगर समेत आस पास के इलाको में पुलिस हाई अलर्ट पर है। दूसरे दिन गुरुवार को कोतवाली पुलिस पूरी तरह अलर्ट रही। बुधवार की सुबह मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में पुलिस ने गश्त किया था। आबादी वाले संवेदनशील इलाकों की निगरानी पुलिस के स्तर से बढ़ाई गई। नगर सहित आस पास के क्षेत्रों में दंगा नियंत्रण कानून लागू कर दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए करीब 50 संवेदनशील स्थानों को चिह्नित किया गया। जहां पुलिस और पीएसी बल को दंगा नियंत्रक उपकरणों से लैस कर तैनात कर दिया गया। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के कसाब महाल, मुस्लिम महाल, इस्लामपुर, अलीनगर, दुलहीपुर को सबसे अधिक संवेदनशील मानते हुए यहां 16 प्रमुख पॉइंट चिह्नित किए गए हैं। जहां पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई है। पुलिस प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एसपी आदित्य लांग्हे ने बताया कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। बताया कि संवेदनशील और अति संवेदनशील इलाकों में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। साथ ही आम जनता से शांति बनाए रखने की अपील की गई है। उन्होंने साफ किया कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत प्रशासन को देने की अपील की है। वक्फ संशोधन विधेयक बिल को देखते हुए नगर के सभी संवेदनशिल एरिया में बुधवार को सीओ आशुतोष , कोतवाल विजय बहादुर सिंह, कुड़ा बाजार चौकी प्रभारी मनोज तिवारी, रेलवे चौकी प्रभारी अजय कुमार,एस आई सुभाष राम अलीनगर थाना प्रभारी विनोद मिश्रा सहित पीएससी के जवान क्षेत्र में भ्रमण करते रहें। इस दौरान लोगो को समझाते दिखाई दीए।

छूटे सामान को आरपीएफ ने यात्री को सुपुर्द किया

डीडीयू नगर। डीडीयू रेल मंडल के डेहरी आन सोन स्टेशन पर ट्रेन में सफर के दौरान एक यात्री का बैग छूट गया। जिसे सूचना पर आरपीएफ कर्मियों ने बरामद किया। यात्री शुभम कुमार, पिता रामप्रवेश प्रसाद, निवासी रौंदा, थाना गुरारू, जिला गया, (बिहार) पोस्ट पर उपस्थित हुए व उक्त बरामद सामान के बाबत बताया। बाद उचित सत्यापन व जांच पड़ताल सुपुर्दगीनामा तैयार करते हुए फोटोग्राफी कर उक्त थैला सामान सहित सही-सही हालत में यात्री को सुपुर्द किया गया उक्त सामान के अनुमानित कीमत 5000 रुपए है।

संक्षेप समाचार...

राइट कर्मनाशा नहर में बेवजह बहाया जा रहा पानी

इलिया। लतीफशाह बांध से निकली राइट कर्मनाशा नहर से बेवजह पानी बहाया जा रहा है। जबकि इस वक्त फसलों की कटाई हो रही है। ऐसे समय में बेवजह पानी को बहाए जाने से धान की बीज डालने के वक्त सिंचाई का गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। गेहूं की तीसरी सिंचाई के लिए 17 दिन तक नहर को चलाए जाने के बाद 11 मार्च से बंद कर दिया गया था। उस वक्त सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया था कि बेन राजवाहा में काम होना है इसलिए नहर को बंद कर दिया गया है। अब वह जुलाई माह में धान की रोपाई के वक्त खुलेगी। बुधवार की रात में ही नहर को मछली मारने के लिए ठेकेदारों से मिलकर खोल दिया गया। नहर खुलने पर किसान विकास मंच के नेता रामअवध सिंह ने अधिशासी अभियंता को फोन करके नहर खोलने का कारण पूछा। लेकिन उन्होंने नहर खुलने के बाबत कोई भी जानकारी न होने की बात कही। और जेई को निर्देश देकर तत्काल नहर बंद कराया। किसान नेता ने आरोप लगाया है कि हर वर्ष गर्मी के मौसम में विभागीय अधिकारी व कर्मचारी मछली ठेकेदारों से मिलकर बांध के गेट को खोलकर अनायास पानी बहाते हैं जिससे आगे बारिश न होने पर धान की नर्सरी के लिए किसानों को भारी जिल्लत झेलनी पड़ती है।

मुगलसराय व चंदौली एकादश के बीच गया खेला मैच

चंदौली। कीनाराम क्रिकेट क्लब की ओर से गुरुवार को पालिटेक्निक कालेज के मैदान में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें टारगेट स्पोर्टिंग क्लब मुगलसराय और चंदौली एकादश के बीच मैच खेला गया। 12-12 ओवर के मैच में पहले टास जीतकर मुगलसराय की टीम ने 12 ओवर में 115 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में उतरी चंदौली एकादश की टीम 75 रन पर ही सिमट गई।

कोठी घाट में धूमधाम से मनी गुह्य राज निषाद जयंती

नौगढ़। भगवान श्रीरामचंद्र के बाल सखा गुह्य राज निषाद जयन्ती समारोह का आयोजन बुधवार को कोठी घाट पर काफी धूमधाम से मनाया गया। जिसमें वक्ताओं ने गुहराज निषाद के जीवन चरित्र पर सविस्तार प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुजीत कुमार उर्फ सुड्डू सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष भगवानदास अग्रहरि व निषाद पार्टी युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष हंसलाल निषाद ने संयुक्त रूप से गुह्य राज निषाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर के कार्यक्रम का शुभारंभ किया। निषाद पार्टी युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष हंसलाल निषाद ने कहा कि त्रेतायुग में प्रभु श्रीरामचन्द्र व गुहराज निषाद की मित्रता का अनुसरण कलयुग में भी जारी है। अयोध्या के महाराजा दशरथ के निर्देश पर प्रभु श्री रामचंद्र को 14 वर्षों के लिए वनवास जाते समय निषादराज ने उनकी मदद किया था।रावण राज की समाप्ति पर प्रभु ने अपने दिए गए वचन का पालन करके सच्ची मित्रता का बोध कराया। युवा नेता ने समाज की एकजुटता पर बल देते हुए राजनीति में भागीदारी व बच्चों को शिक्षित किए जाने की अपील किया। रात्रि में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बिरहा सम्राट राम जन्म जाबाज के नेतृत्व में गायक अखिलेश भारद्वाज संजना चौधरी जितेन्द्र कुमार आदि ने गीत संगीत के माध्यम से समाज की एकता पर बल दिया।

सकलडीहा में स्कंदमाता की सजी झांकी

सकलडीहा। कस्बा के काली माता मंदिर अन्य विभिन्न देवी मंदिरों पर स्कंदमाता की आकर्षक झांकी सजायी गयी थी। शाम को माता का पट खुलते ही भक्त जयकारा लगाते हुए दर्शन पूजन किया। इस दौरान मंदिर के पुजारी की ओर से मां दुर्गा की आरती पढ़ी गयी। इस मौके पर देवी मंदिरों में दर्शन पूजन करने वालों का तांता लगा रहा। कस्बा के काली माता मंदिर,नागेपुर में दुर्गा मंदिर सम्मे माता मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरों पर सुबह शाम वासंतिक नवरात्र में व्रती महिलायें पूजा अर्चना में जुटी हुई है। देवी मां को प्रसाद चढ़ाने के लिये सुबह से लोगों की भीड़ लगी रहती है। कस्बा के काली मंदिर पर स्कंद माता की झांकी सजायी गयी थी। इस दौरान मां के जयकारा के साथ लोगों ने दर्शन पूजन किया। मंदिर के पुजारी विनय चौबे ने बताया कि मां के नवरूपों का दर्शन पूजन से सार संकट दूर होते है। घर में खुशहाली होती है। इस मौके पर दिलीप मिश्रा, रामजनम चौबे, नागेन्द्र यादव,सुनील सिंह, प्रधान सुरेन्द्र यादव, सत्यप्रकाश, अनिल सेठ, प्रधान मंजू वर्मा, व्यापार मंडल अध्यक्ष केके सोनी, अशोक कुमार, प्रधान रीता देवी, राजेश सेठ सहित अन्य मौजूद रहे।

चैत्र नवरात्रि: विधि-विधान से पूजी गई मां कात्यायिनी

डीडीयू नगर। आदि शक्ति के उपासना का पर्व वासंतिक नवरात्र में बृहस्पतिवार को माता के छठें स्वरूप मां कात्यायिनी की पूजा अर्चना की गई। भक्तों ने देवी मंदिरों पर पहुंच कर विधि विधान से मां कात्यायनी की पूजा अर्चना की। वहीं घरों में पुरोहितों को बुलाकर पूजा कर अभीष्ट की कामना की। मंदिरों पर दिन भर माता के जयकारे गूंजे। वहीं शाम के वक्त महिलाओं ने मंदिरों पर पहुंच कर भजन कीर्तन प्रस्तुत किया। वासंतिक नवरात्र में घरों में कलश स्थापित कर माता का आहवान किया गया है। नवरात्र में बृहस्पतिवार को माता के छठें स्वरूप मां कात्यायनी की पूजा अर्चना की गई। वहीं घरों दुर्गा सप्तशती, दुर्गा चालीसा, मां विंध्यवासिनी चालीसा आदि का पाठ किया गया। वहीं नगर के जीटी रोड स्थित प्राचीन काली मंदिर, गल्ला मंडी स्थित दुर्गा मंदिर, नई सड़ी स्थित आदि शक्ति मंदिर, बड़ी शीतला माता, रविनगर, काली महाल, शाहकुटी, चतुर्भुजपुर, अलीनगर, आरपीएफ कॉलोनी, गया कॉलोनी सहित अन्य देवी मंदिरों पर सुबह से ही दर्शन पूजन के लिए भक्तों के कतार लगी।

स्कूल चलो अभियान के तहतद निकली रैली

चहनियां। कंपोजिट विद्यालय हृदयपुर में स्कूल चलो अभियान के तहत रैली निकाली गई। रैली को प्रधानाध्यापक वीरेंद्र सिंह यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सभी बच्चे कतारबद्ध होकर स्लोगन लिखी तख्तियों को लेकर भ्रमण किया और लोगों को शिक्षा के महत्व के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया। गांव के विभिन्न गलियों में घूमते हुए सबको यह संदेश दिया कि विद्यालय में बच्चों का नामांकन जरूर करवा दे। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक वीरेंद्र यादव ने बताया कि स्कूल चलो अभियान का प्रथम चरण, नामांकन और अभिभावक अभिमुखीकरण 1 से 15 अप्रैल तक संचालित किया जा रहा है। अभियान में विद्यालय के शिक्षक नंद कुमार शर्मा, बृजेश कुमार मिश्रा, लक्ष्मीकांत त्रिपाठी, पूजा सिंह, रूबी सिंह ,ममता रानी गुप्ता, गौतम लाल, उमा चौबे, उमेश, राम भजन राम, सुशीला देवी, विजय राज रवि, रसोईया तारा देवी, पिंकी रानी, सुंदरी, केवल देवी सहित सभी बच्चों ने प्रतिभाग किया।

चुनाव में शेर पैनल हुआ विजयी

डीडीयू नगर। पूर्व मध्य रेल प्लांट डिपो इंस्टीट्यूट कार्यकारिणी समिति चुनाव में शेर पैनल जीत हासिल की है। बृहस्पतिवार को प्लांट डिपो इंजीनियरिंग कारखाना स्थित सभा कक्ष में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई मतगणना में शेर पैनल के सभी प्रत्याशी विजई घोषित किए गए। वहीं चुनाव में रेल के चक्का के सभी प्रत्याशी पराजित हुए। मतगणना के बाद पूर्व मध्य रेल प्लांट डिपो इंस्टीट्यूट कार्यकारिणी के लिए शेर पैनल के रविंद्र कुमार, उपाध्यक्ष और विकास मिश्रा सचिव विजेता घोषित किए गए। जीत की घोषणा होते ही समर्थकों में जश्न का माहौल हो गया। प्लांट डिपो इंस्टीट्यूट कार्यकारिणी समिति के एक उपाध्यक्ष, एक सचिव एक संयुक्त सचिव, एक कोषाध्यक्ष, तीन सदस्य पदों के लिए हुए। कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना में शेर पैनल से उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी रविंद्र कुमार 323 मत मिले सचिव पद के प्रत्याशी विकास मिश्रा को 323 संयुक्त सचिव पद के प्रत्याशी धनेश कुमार को 323 कोषाध्यक्ष पद पर अशोक कुमार को 323 सदस्य पद के प्रत्याशी नरेश सिंह 323 मत विनोद कुमार एवं श्रीकांत सिंह 323 मत प्राप्त हुए।वही गुलाब के सीढ़ी पैनल से उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी रोशन कुमार कुमार 263, सचिव पद प्रत्याशी सुल्तान अहमद को 263 ,संयुक्त सचिव प्रत्याशी रोहित तिर्की को 263 मत ,कोषाध्यक्ष पद के धर्मेंद्र सिंह को 263, सदस्य पद प्रत्याशी क्रमशः गोपाल कुमार को263 मत, अरविन्द कुमार अमनको 263 मत, रामजी यादव को 263 मत मिले। 28 मत क्रास पड़े। इसके पहले बृहस्पतिवार को सुबह 08 बजे से सायंकाल 17 बजे तक मतदान केंद्र 01 (पीड़ी स्टोर) पर 379 में से 336 एवं मतदान केंद्र-02 (ब्रिज ट्रेनिंग स्कूल) में 809 में से 279 पीड़ी इंस्टीट्यूट के सदस्यों ने मतदान किया। चुनाव अधिकारी वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी राजीव कुमार सिंह ने विजय प्रत्याशियों की घोषणा करते हुए बताया कि शेर पैनल के सभी प्रत्याशियों को प्लांट डिपो इंस्टीट्यूट कार्यकारिणी समिति के लिए चुने गए हैं। साथ ही प्लांट डिपो प्रशासन के तरफ से विजई पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर बीबी पासवान, एसके शर्मा। शंकर प्रसाद, अरुण कुमार उपाध्याय, मोहन राम, रमेश श्रीवास्तव, सुभाष, केशव ज्योति, संतोष कुमार, चन्द्रिका यादव, संजय कुमार शर्मा, मृत्युंजय कुमार, प्रवीण कुमार, संजय कनौजिया, संजय कुमार, शिव शंकर यादव, प्रभात कुमार, सत्य प्रकाश सिंह (भन्टु), मुकेश पासवान, कृष्णकांत पाल, रोहित शर्मा संतोष कुमार, सतेन्द्र कुमार, प्रशांत कुमार आदि उपस्थित रहे।

नामांकन अभियान की सीडीओ ने की समीक्षा

चंदौली। जनपद में समस्त खंड शिक्षा अधिकारी व विकास खंड प्रभारी प्रधानाचार्यों सहित अन्य प्रधानाचार्य की बैठक बृहस्पतिवार को मुख्य विकास अधिकारी आर जगत सांई की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में हुई।इसमें प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश सिंह यादव की ओर से अभियान को सफल बनाने हेतु विस्तृत कार्य योजना के बारे में चर्चा हुई। विद्यालय स्तर पर शत प्रतिशत नामांकन हेतु अभिप्रेरित किया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि महत्वाकांक्षी जनपद होने की कारण नामांकन हेतु विशेष नामांकन अभियान चलाया जाए। इसके लिए विकासखण्ड स्तर पर रणनीति बनाई जाए।जनपद में कक्षा आठ पास कुल 40200 बच्चों को नवीन शैक्षिक सत्र 2025-26 में नजदीक के विद्यालय में कक्षा नौ में शत प्रतिशत प्रवेश कर लिया जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाय कि कोई भी बच्चा नामांकन से वंचित न रहे।

वार्षिकोत्सव में स्कूली बच्चों ने की मनमोहक प्रस्तुति

चंदौली। कम्पोजिट विद्यालय मचिया कला में शारदा संगोष्ठी एवं वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि प्राथमिक शिक्षक संघ जनपद चंदौली के जिलाध्यक्ष आनन्द सिंह ने स्कूल चलो अभियान का शुभारम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम में मचिया कलां के बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुति की जिसमे देश भक्ति गीतों की शमां बाधा कार्यक्रम देख कर लगा कि मचिया के शिक्षकों द्वारा बच्चो को पूरे सालो-साल तक तैयारी करायी गयी है। मुख्य अतिथि द्वारा स्कूल चलो अभियान 1 अप्रैल से नामांकन पूर्ण होने तक लगातार चलता रहेगा। विशिष्ठ अतिथि सदर व्लाक संयोजक मुहम्मद अकरम ने बताया कि कम्पोजिट विद्यालय मचिया कला के बच्चों एवं शिक्षकों की सराहना की। कार्यक्रम में संतोष सिंह, नोडल शिक्षक रामानन्द यादव, राजेश बहादुर, नीरज तिवारी, पन्नालाल, रागिनी, श्वेता, नेहा, अभय आदि उपस्थित रहे। संचालन फैयाज अहमद ने किया।

बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने के दिए टिप्स, खिल उठे चेहरे

चहनियां। कस्बा स्थित बृजनंदनी कॉन्वेंट स्कूल में वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि बीएचयू से आए वरिष्ठ प्रोफेसर प्रवेश कुमार श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर विकास कुमार सिंह, डॉ सौरभ त्रिपाठी, धनंजय सिंह, चेयरमैन बिरजू अग्रहरि ने भगवान गणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम में बच्चों ने गीत संगीत की ऐसी शमां बांधी कि हर कोई थिरकने पर मजबूर हो गया। मुख्य अतिथि प्रो. प्रवेश कुमार श्रीवास्तव ने बच्चों को भविष्य में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने का भी टिप्स दिया। उन्होंने वैश्विक स्तर पर आ रहे समस्याओं और कठिनाइयों से रूबरू कराते हुए अपने अनुभवों को साझा किया। वशिष्ट अतिथि पुरातत्वविद डॉ विकास सिंह ने इतिहास को मूल में रखते हुए पुरातन काल के महत्व को बताते हुए कहा कि महापुरुषों को किसी जाति विशेष से जोड़ने की बजाय उनके व्यक्तिव से सीखने की जरूरत है। महापुरुष किसी जाति विशेष के लिए काम नही करते थे, बल्कि समाज को नई दिशा देने के लिए कार्य करते थे। चेयरमैन बिरजू अग्रहरि ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता जो बच्चे आज सम्मानित हो रहे हैं उन्होने अपनी प्रतिभा को कायम रखा और अपनी लगन और मेहनत से आज इस मुकाम पर पहुंच सके हैं। निदेशक डा. अखिलेश अग्रहरि ने बच्चों के मेहनत को सराहा और जो बच्चे इस वर्ष टॉपर्स की श्रेणी में नहीं आ पाए, उन्हें भी प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में लगभग 400 छात्र छात्राओं को उनकी विभिन्न उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। टीचर ऑफ द ईयर अवार्ड रीना सिंह को मिला। स्टूडेंट ऑफ द ईयर का खिताब कुसुम यादव कक्षा 6 की छात्रा को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में गोकर्ण प्रधान, नंदनी देवी, अमृतांजलि, भानु प्रताप यादव, बृज मोहन, विजय मिश्रा, योगेंद्र मिश्रा, आनंद सिंह, धर्मेंद्र यादव, अनिल श्रीवास्तव, सतेंद्र यादव आदि रहे।

राम किशन ने बढ़ाया चंदौली का मान, कुश्ती में जीता गोल्ड मेडल

चन्दौली। ग्राम गुरेहू निवासी पहलवान राम किशन यादव ने लखनऊ में आयोजित नेशनल कुश्ती चैंपियनशिप में 97 किलो फ्रीस्टाइल में गोल्ड मेडल जीत जिले का नाम बढ़ाया है। राम किशन का एशिया कुश्ती में चयन हुआ था। 2013 में कुमाऊं रेजिमेंट में उन्हें नौकरी मिली थी। उन्होंने शौर्य न्यूज इंडिया को खास बातचीत में बताया कि इस जीत का श्रेय मेरे पिता घुरहू यादव, मां और गुरुओं को जाता है। ये लोग हर समय मेरा मनोबल बढ़ाते रहते हैं। उन्होंने बताया कि कुश्ती में मैं और आगे बढ़ना चाहता हूं। मेरा सपना है कि देश के लिए मेडल जीतूं। इसके लिए मैं तैयारी भी कर रहा हूं।

पांच घंटे विद्युत आपूर्ति रही ठप

अलीम हाशमी

सकलडीहा। सकलडीहा तहसील मुख्यालय से जुड़ी आधा दर्जन कस्बा सहित गांवों की आपूर्ति शुकवार को दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक ठप रहा। इस दौरान तहसील मुख्यालय के समीप कई स्थोनो पर नई पोल लगाए जाने के साथ ही जली उपकेन्द्र की स्वीच यार्ड में ब्रेकर लगाये जाने का काम किया गया, जिससे गर्मी के दिनों में बड़ी ट्रांसफार्मर के जलने से निजात मिल सके। बीते वर्ष गर्मी के दिनों मे वाटर कूलर लगाकर ट्रांसफार्मर को ठंडा किया जा रहा था। सकलडीहा के तहसील मुख्यालय की बिजली उपकेन्द्र से तहसील, ब्लॉक, डायट, सीओ कार्यालय, कोतवाली, सकलडीहा पीजी कॉलेज, दर्जनों राष्ट्रीयकृत बैंक सहित सरकारी और गैर सरकारी कार्यालय,सीएचसी, कृषि उपकेन्द्र,दर्जनों जनसेवा केन्द्र आदि हजारों उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति किया जाता है। इसके अलावा टिमिलपुर स्थित जल निगम की टंकी से पेयजल आपूर्ति किया जाता है। तहसील मुख्यालय की उपकेन्द्र पर बीते वर्ष गर्मी के दिनों में बड़ी ट्रांसफार्मर हीट होने पर वाटर कूलर लगाकर ट्रांसफार्मर को ठंडा किया जाता था। बिजली विभाग की ओर से इस बार समस्या से निपटने के लिये स्वीच यार्ड में ब्रेकर लगाने का कार्य शुरू किया गया है। जिससे दोपहर 12 बजे बजे से 5 बजे तक मरम्मत कार्य होने के कारण बिजली ठप रहा। इस बाबत अवर अभियंता मनीष कुमार ने बताया कि गर्मी के दिनों में बिजली आपूर्ति निर्वाध मिले इसके लिये उपकेन्द्र में ब्रेकर लगाने का कार्य किया जा रहा है।

अलीनगर में शॉर्ट-सर्किट से लगी आग : नियामताबाद। मुगलचक स्थित नीमा अध्यक्ष डा. एसके यादव के आवास में शार्ट सर्किट से लगी आग से लगभग दो लाख रुपए मुल्य के इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर राख हो गए। अलीनगर वार्ड नंबर 9 मुगलचक निवासी व नीमा जिला अध्यक्ष, रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ एस के यादव के अलीनगर सकलडीहा रोड पर स्थित आवास में अचानक शार्ट सर्किट से लगी आग के कारण दो लाख रुपए मूल्य के सामान जलकर राख हो गया। हालांकि आवास के नीचे अस्पताल में लगे फायर सर्विस की मदद से स्थानीय लोगों ने लगभग 20 मिनट में किसी प्रकार आग पर काबू पाया गया नहीं तो बड़ी घटना होने से इनकार नहीं किया जा सकता था।

योगी सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा

आह्वान : छह से 14 अप्रैल तक आयोजित किए जाएंगे विभिन्न कार्यक्रम

बलिया। प्रदेश सरकार के आठ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा चलाए जा रहे उत्सव अभियान के दौरान पार्टी के स्थापना दिवस छह अप्रैल से बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल तक मनाए जाने के साथ-साथ वृहद कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे।

भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा ने पार्टी कार्यालय के सभागार में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि जिला प्रभारी विजय बहादुर दुबे ने पदाधिकारियों को आगामी कार्ययोजना समझाते हुए बताया कि पार्टी के स्थापना दिवस पर छह अप्रैल को प्रत्येक बूथ में बैठक कर सरकार के आठ वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों पर चर्चा की जाएगी। सभी कार्यकर्ता अपने घरों में पार्टी का झंडा लगाएंगे और ग्राम स्तर पर छह अप्रैल से लेकर नौ अप्रैल तक द्वितीय चरण के घर-घर संपर्क अभियान को पूरा करना है। इसके अलावा विधानसभा स्तर पर विकास गोष्ठी आयोजित की जाएगी, जिसमें वर्तमान तथा पूर्व सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य, नगर पालिका तथा नगर पंचायत के चेयरमैन, सभासद, प्रधान, बीडीसी, कोआपरेटिव तथा अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। युवा मोर्चा द्वारा बाइक रैली निकाली जाएगी। 14 अप्रैल अंबेडकर जयंती पर जिले के सभी बूथों में उनके चित्र पर पुष्पांजलि दी जाएगी।

बैठक में इनकी रही उपस्थिति : बलिया। बैठक में बब्बन सिंह रघुवंशी, सुरेन्द्र सिंह, उपेंद्र पाण्डेय, अमिताभ उपाध्याय, संजीव कुमार डम्पू, प्रदीप सिंह, प्रयाग चौहान, रामजी सिंह, आलोक शुक्ला, रंजना राय, नितेश मिश्रा, कृष्णा पाण्डेय, अशोक यादव, संतोष सिंह, संतोष पाण्डेय, पंकज सिंह, नीतू पाण्डेय, अश्विनी सिंह, जावेद कमर खां आदि उपस्थित रहे। संचालन आलोक शुक्ला ने किया।

तहसील में पेयजल के लिए भटक रहे अधिवक्ता और वादकारी, परेशानी

बैरिया। वादकारियों, अधिवक्ताओं एवं आम लोगों को पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बैरिया तहसील परिसर में तत्कालीन सांसद भरत सिंह द्वारा स्थापित कराया गया आरओ प्लांट के काफी दिनों से खराब होकर बंद पड़ा है। इसके चलते लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि ना तो आरओ प्लांट ठीक है और ना तो हैंडपंप से ही पेयजल निकल रहा है। ऐसे में वादकारी, अधिवक्ता एवं आम लोग इस गर्मी के मौसम में पेयजल के लिए दर-दर भटक रहे हैं। करण छपरा निवासी त्रिवेणी सिंह, सावन छपरा निवासी रामपूजन सिंह, लीला छपरा निवासी विशेश्वर उपाध्याय सहित दर्जनों लोगों ने उप जिलाधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बैरिया का ध्यान आकृष्ट कराते हुए खराब पड़े आरओ प्लांट को तत्काल ठीक कराने की मांग की है, ताकि गर्मी के मौसम में लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके।

सपा सांसद पर कार्रवाई की उठी मांग

महाराणा सांगा पर टिप्पणी पर क्षत्रिय समाज में उबाल

मऊ। महाराणा सांगा पर सपा सांसद द्वारा अमर्यादित टिप्पणी करने के विरोध में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के तत्वाधान में हजारों की संख्या में कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन करके देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम का पत्रक जिलाधिकारी के प्रतिनिधि सिटी मजिस्ट्रेट को देकर अमर्यादित टिप्पणी करने वाले सांसद पर कार्रवाई की मांग किया गया। प्रातः ब्रह्मस्थान पर सैकड़ों की संख्या में युवा एकत्रित होकर नारा लगाते हुए कलेक्ट्रेट मऊ तक राणा सांगा अमर रहे, राम जी लाल मुदार्बाद लगाते हुए आये। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला पंचायत पूर्व अध्यक्ष राकेश सिंह ने कहाकि महाराणा ने मुगलों व आतताइयों से युद्ध कर सनातन तथा देश को बचाने का कार्य किया। ऐसे महापुरुष पर अमर्यादित टिप्पणी करके क्षत्रियों का ही नहीं बल्कि सभी वर्ग का अपमान किया है यह मुगल भारत को लूटने और सनातन को समाप्त करने माता बहनों की इज्जत लूटने के उद्देश्य से भारत में आए थे महाराणा प्रताप छत्रपति शिवाजी महाराणा सांगा पृथ्वीराज चैहान महाराजा सुहेलदेव आदि देशभक्त महापुरुषों ने देश को बचाने के लिए उनसे युद्ध कर सनातन को बचाने का काम किया।

राष्ट्र कुंवर सिंह ने कहा कि क्षत्रिय जाति नहीं एक धर्म है तो देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की हमेशा आहुत दिया है। तभी देश में सब लोग सुरक्षित बच्चे है। भाजपा के सदर के पूर्व प्रत्याशी अशोक सिंह ने कहा कि महाराणा सांगा महाराणा प्रताप दलितों पिछड़ों गरीबों को लेकर सेना बनाकर और अपने कष्ट सहकर देश को बचाने का काम किया था ऐसे महापुरुषों पर टिप्पणी करना पूरे देश के देशभक्ति का अपमान किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर संजय सिंह ने कहा कि क्षत्रिय समाज अगर नहीं होता तो देश सुरक्षित नहीं होता क्षत्रियों के महापुरुषों पर अभद्र टिप्पणी करके समाज को बांटने का काम सपा सांसद ने किया है इसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। धरने को फलाहारी बाबा, संतोष सिंह, आनंद सिंह रैकवार, देवेंद्र सिंह, ओम प्रकाश सिंह, गणेश सिंह, उमाशंकर सिंह, कृपा शंकर सिंह, प्रहलाद सिंह, मानवेंद्र सिंह सोनू, उदय प्रताप सिंह, मुरली सिंह, प्रभुनाथ सिंह, जोगिंदर सिंह, ललन सिंह, आलोक सिंह, संजय सिंह, खुडबुड सिंह, परमात्मा सिंह, सोनू सिंह, श्री राम सिंह, निखिल सिंह, देवेंद्र सिंह, बजरंगी सिंह आदि ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक विजय प्रताप सिंह ने किया और कार्यक्रम के अंत में महामंत्री जेपी सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के कार्यक्रम में सभी क्षत्रिय संगठन एक होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपने मतभेदों को भुला दिया यह समाज के लिए एक अच्छा संदेश है।

हत्यारा बना स्कूल का अवैध ब्रेकर, महिला की गई जान

सैदपुर। थाना क्षेत्र के मुड़ियार में प्राइवेट स्कूल के अवैध ब्रेकर ने एक महिला की नाहक ही जान ले ली। जिसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के बाद परिजन महिला को सैदपुर सीएचसी लाए। जहां प्राथमिक उपचार का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। खानपुर निवासिनी 45 वर्षीय रीमा देवी पत्नी राजेश राम की 2 बेटी व 1 बेटा है। उसकी बेटी अंजली के मौधियां स्थित ससुराल में किसी की तेरहवीं थी। उसी में वो शामिल होने के लिये गई थी और वहां से गुरुवार की सुबह साढ़े 11 बजे अपने भतीजे विशाल व बेटी रुचि के साथ बाइक पर बैठकर लौट रही थी। अभी बाइक मुड़ियार में पहुंची थी कि वहां खुले निजी स्कूल के सामने ईंट लगाकर अवैध रूप से बने खड़े ब्रेकर पर बाइक उछल गई और पीछे बैठी रीमा बाइक से ब्रेकर पर गिरी और उसके सिर के पिछले हिस्से में संघातिक चोट लग गई। जिससे वो अचेत हो गई। परिजन व ग्रामीण उसे लेकर फौरन सीएचसी आये, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद परिजन शव लेकर सीएचसी से चले गए। लेकिन बाद में कस्बा चौकी इंचार्ज मनोज पांडेय ने शव को फिर से सीएचसी मंगवाया और यहीं से पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतका के पति मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करते हैं। इधर ग्रामीणों ने बताया कि उक्त अवैध ब्रेकर इतना खतरनाक है कि इससे गुजरने वाले अनजान लोग आए दिन गिरकर घायल होते रहते हैं। कहा कि ब्रेकर को सुरक्षा के लिए बनाया जाता है लेकिन यहां का ब्रेकर लोगों की जान लेने वाला बन गया है।

बेटी के ससुराल से किसी की तेरहवीं से बाइक पर भतीजे के साथ लौट रही थी मां

स्कूल प्रबंधकों व प्रकाशकों की मनमानी

अभिभावक महासंघ ने जिला प्रशासन को शिकायती पत्र सौंप उठाई आवाज

आजमगढ़। एनसीईआरटी की ही पुस्तकों से स्कूलो में पढ़ाए जाने को लेकर अभिभावक महासंघ के महासचिव गोविन्द दुबे की अगुवाई में एक बार फिर अभिभावक लामबंद दिखे। अभिभावक महासंघ का एक प्रतिनिधि मंडल कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला प्रशासन से मिला और जिलाधिकारी, अध्यक्ष, स्ववित्त पोषित स्वतंत्र विद्यालय शुल्क नियामक समिति को संबोधित ज्ञापन सौंपकर मुनाफाखोरों पर लगाम लगाने की मांग किया। प्रदेश अध्यक्ष युधिष्ठिर दुबे ने बताया कि विगत कई वर्षो में निजी विद्यालय प्रबंधक एवं निजी प्रकाशकों के सांठ-गांठ से मुनाफाखोरी का पूरे प्रदेश में एक तंत्र विकसित हो गया है।

जनपद के अभिभावक भी इस मुनाफाखोर गठबंधन से काफी पीड़ित हैं। एनसीईआरटी की पुस्तकें सस्ती और शासन के मानकों के अनुरूप है वहीं निजी प्रकाशकों की पुस्तकों का बाजार मूल्य काफी ज्यादा है, ऐसे में अभिभावकों के सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो रहा है। समाजसेवी व महासचिव गोविन्द दुबे ने कहाकि अपने चहेते निजी प्रकाशकों की पुस्तकों को अपने स्कूलों में लागू कराकर प्रकाशकों से सांठ-गांठ कर अभिभावकों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है। अभिभावक हित में एनसीईआरटी की पुस्तकों को लागू कराने की मांग करता है। इस मौके पर विवेक पांडेय, विनीत सिंह रीशू,अरूण चौरसिया, आलोक कुमार पाठक, प्रदीप चौरसिया, अजय राय, आकाश शर्मा, अनूप गोंड, सतीश कुमार सिंह, सुरेंद्र उपाध्याय,सुजीत मिश्रा, अंजनी मिश्र, अरविन्द कुमार पांडेय, अजय नरायन पाठक आदि मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

पटवध (आजमगढ़)। बिलरियागंज थाना अंतर्गत पटवारी सरैया बाजार निवासी रामसमुझ सोनकर की बेटी बिंदु देवी 33 वर्ष की शादी 23 मार्च 2012 को महाराजगंज थाना के जमीरपुर परशुरामपुर निवासी रामकरन सोनकर के साथ हुई थी। बिंदु देवी तीन लड़के एक लड़की की मां थी। बुधवार को बिंदु देवी का उसके मकान में फंदे से लटकता शव मिला। किसी ने इसकी सूचना महराजगंज थानाध्यक्ष को दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष ने फॉरेंसिक टीम बुलाकर मौके की जांच पड़ताल करवाया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। पड़ोसियों द्वारा इसकी सूचना मायके वालों को भी दी गई मायके वाले भी मौके पर पहुंच गये। विवाहिता के पिता राम समुझ सोनकर ने बताया कि उसका पति दारू पीकर हमेशा अपनी पत्नी को मारता पीटता था। घर परिवार की खोज खबर भी नहीं रखता था। मायके वाले हर तरह का सपोर्ट करते थे। बिंदु देवी अभी होली के दो दिन पहले अपने मायके पटवध से ससुराल गई थी। मृतका का शाम को फोन आया था कि मेरे पति दारू पीकर हमेशा मारपीट रहे हैं लेकिन यह किसी को क्या पता था कि विवाहिता कीऐसी स्थिति हो जाएगी। मृतका की बेटी नेहा ने बताया कि पापा हमेशा दारू पीकर मम्मी को मारते पीटते थे।

संक्षेप समाचार...

सीनियर एनसीसी कैडेट्स का हुआ सम्मान

गाजीपुर। पीजी कॉलेज गाजीपुर में सीनियर एनसीसी कैडेट्स के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रो. राघवेन्द्र पाण्डेय ने एनसीसी के स्थापना व इसके महत्व पर विस्तार से चर्चा की। अनुशासन व एकता के संदेश को अपने जीवन मे परिलक्षित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कैडेट्स द्वारा राष्ट्रभक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य कुलानुशासक प्रो. एस. डी. सिंह परिहार,ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी कैडेट्स द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. एसएन. सिंह, अरुण यादव, रविशंकर सिंह, सुनील कुमार, आबिद अंसारी, रामदुलारे, योगेश कुमार, अखिलेश सिंह आदि लोग रहे।

एक भी बच्चा छूटा, शिक्षा का अधिकार टूटा

गाजीपुर। प्राथमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं अध्यापकों ने शैक्षणिक सत्र के तीसरे दिन स्कूल चलो अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली। प्रधानाध्यापक सुशील कुमार वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। स्कूल चलो जागरूकता रैली विद्यालय परिसर से होकर विभिन्न मार्गों, गली मुहल्ले से होते हुए पुनः विद्यालय परिसर में आकर समाप्त हुई। रैली में शामिल छात्र-छात्राओं ने (एक भी बच्चा छुटा, शिक्षा का अधिकार टूटा) (आधी रोटी खाएंगे फिर भी स्कूल जाएंगे) आदि नारे लगा रहे थे। प्रधानाध्यापक सुशील कुमार वर्मा अभिभावकों को अपने बच्चों का नामांकन परिषदीय विद्यालय में कराने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर आलोक कुमार, शीला तिवारी, मीरा देवी, सुनीता देवी, शांति और मीरा आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

राम का चरित्र पूज्यनीयः भवानीनंदन यति महाराज

मनिहारी। सिद्धपीठ हथियाराम मठ की शाखा मां काली धाम हरिहरपुर में महामंडलेश्वर भवानीनंदन यति महाराज के संरक्षण में आयोजित नवरात्र महोत्सव एवं शतचण्डी महायज्ञ में आधात्म की गंगा बह रही है। काशी के विद्वान ब्राह्मणों के सुबह-शाम मंत्रोच्चारण से पूरा क्षेत्र गुंजमान्य है। वहीं मां काली दरबार में भक्तों द्वारा पूजन अर्चन से पूरा माहौल भक्तिमय बना हुआ है। नवरात्र के पांचवें दिन महामंडलेश्वर भवानी नंदन यति महाराज ने अमृतमयी प्रवचन करते हुए कहा कि भगवान राम के चरित्र का अनुकरण करना चाहिए। राम का चरित्र पूज्जनीय है। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के चरित्र को आत्मसात करने से भारत समृद्धशाली बनेगा। उन्होंने कहा कि जिस दिन मनुष्य भगवान राम के आचरण को अपने जिंदगी में उतार लिया उसे किसी के चरण पकड़ने की जरुरत नहीं पड़ेगी। भगवान राम वसुधैव कुटुंबकम को मानते थे। वे पशु-पक्षी से लेकर हर प्राणी के प्रति प्रेम रखते थे। उन्होंने सुग्रीव, हनुमान, केवट, निषादराज, जामवंत और विभीषण सभी के प्रति दया भाव दिखाई। राम जी को गुरु की आज्ञा का पालन करना सबसे बड़ा कर्तव्य था।

अनियंत्रित बोलेरो पलटी, हादसा टला

गाजीपुर। दिलदारनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत करमा गांव के पास बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। संयोग अच्छा रहा कि हादसे में वाहन में सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए। ग्राम सभा बभनौलिया निवासी सुदामा राजभर (45 वर्ष), उनकी पत्नी बासमती 30, और उनकर पुत्र नारद राजभर (22 वर्ष) और ड्राइवर शेषनाथ पांडे बोलेरो से दिलदारनगर के अशर्फी अस्पताल से इलाज कराकर अपने पैतृक निवास बभनौलिया लौट रहे थे। जैसे ही उनका वाहन करमा गांव के पास पहुंचा, सामने से तेज रफ्तार में आ रही ट्रैक्टर से बोलेरो चालक असंतुलित हो गया और बोलरो सड़क के किनारे खाई में जाकर पलट गई।

गरीब छात्राओं के मसीहा बने शिक्षक राजेश भारती

मरदह। पीएम श्री कंपोजिट इंग्लिश मिडियम स्कूल के वरिष्ठ सहायक अध्यापक व प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक मंत्री राजेश भारती ने गरीब छात्राओं की शिक्षा-दीक्षा की जिम्मेदारी लेकर समाज में एक मिसाल पेश किया है। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर कक्षा आठ की छात्रा रोशनी राजभर पुत्री धनंजय राजभर और रिया कामना राव पुत्री राजू राम को गोद लिया है। युग्मन कार्यक्रम के दौरान सहायक अध्यापक ने विद्यालय परिवार के समक्ष इन दोनों छात्राओं को गोद लेकर कक्षा 12 तक की पूरी शिक्षा-दीक्षा का खर्च खुद वहन करने की घोषणा की है। सहायक अध्यापक ने बताया कि सरकार की मंशा के अनुरूप सब- पढ़ें, सब-बढ़े व बेटी-बचाओ-बेटी पढ़ाओ से प्रेरित होकर यह फैसला लिया है। गोद लेने के उपरांत सहायक अध्यापक ने तुरंत दो-दो सेट ड्रेस, पांच-पांच कापी व कलम के साथ ही राष्ट्रीय आय परीक्षा में सफलता हासिल करने के लिए प्रत्येक माह निजी खर्ज पर कोचिंग सेंटर की व्यवस्था कराई। जिससे दोनों छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल खिला उठें।

ईश्वर हमें ईश्वर बना रहे हैं: चंद्रशेखर अघोरी महाराज

भांवरकोल। क्षेत्र के शेरपुर पंचायत में चल रही श्री रुद्र महायज्ञ के दौरान कामाख्या देवी पीठ से पधारे संत चंद्रशेखर अघोरी महाराज ने कहा कि भगवान कहते हैं कि जो मेरी शरण आ जाता है, वह माया से मुक्त हो जाता है। भगवान के शरण जाने वाला व्यक्ति इतना महान हो जाता है। ऐसा शाश्वत आनन्द प्राप्त कर लेता है कि फिर उसको नश्वर पदार्थों की आसक्तियों के शरण होने का दुर्भाग्य नहीं मिलता है। ईश्वर के शरण होने से ईश्वर हमें पराधीन नहीं बना रहे हैं। ईश्वर हमें ईश्वर बना रहे हैं। ईश्वर हमें अपनी महिमा में जगा रहे हैं। ईश्वर का स्मरण बड़ा हितावह है। स्मृति एक ऐसी चीज है, स्मरण एक ऐसा अदभुत खजाना है कि वह परम कल्याण के द्वार खोल देता है। नदी बह रही है सागर की ओर। उसमें से नहर निकालो तो उसके द्वारा नदी का पानी जहाँ चाहो वहाँ ले जा सकते हो। ऐसे ही अन्तःकरण से अनन्त-अनन्त वृत्तियाँ उठ रही हैं। इन वृत्तियोंरूपी सरिताओं में बहकर हम संसाररूपी सागर में गिर रहे हैं। इस मौके पर परम संत ज्ञानानंद महराज, योगी बिजेंद्र नाथ, मुकेश शास्त्री, अक्षयानंन्द, लल्लन राय, शंकरदयाल राय, रबींद्र राय, पकालू राय, रमेश राय, शंकरदयाल राय, आनंन्द पहलवान, गनेश राय, अमरनाथ राय, धनंजय राय, रामप्रवेश राय, कृष्णानंद, डब्बू, मिथिलेश, अवधेश, विनित आदि लोग रहे।

सेना के जवान के साथ मारपीट, मुकदमा दर्ज

गाजीपुर। गहमर कोतवाली क्षेत्र के गांव बारा में मड़ाई के दौरान थ्रेसर का मुंह घुमाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। इसी बीच बीच बचाव करने गए फौजी को एक पक्ष ने मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्जकर कर लिया है। बारा गांव निवासी मुहम्मद फैयाज खां पुत्र स्व. मुहम्मद समसद्दीन खां ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीते मंगलवार को हमारे पट्टीदार इरसाद खां पुत्र समसुद्दीन खां हमरे घर के सामने थ्रेसर से चना का मड़ाई करवा रहे थे। जिसका भूसा व भूसा का गर्दा उड़ कर हमारे घर में जा रहा था। थ्रेसर का मूंह दूसरी तरफ घूमाने को कहा तो गाली-गलौज करते हुए जान-माल की धमकी देने लगे। इसी बीच मुहम्मद इमरान खा, दानिश खा, मोनिश खां, मुहम्मद सकिब खां व मुहम्मद राकिब खां लाठी-डंडे से लैस होकर आ गए और ललकारते हुए लाठी-डंडे से मारने-पीटने लगे। मेरी चीख-पुकार सुनकर अवकाश पर घर आए सेना के जवान अतहर खां बीच-बचाव करने लगे तो उन्हें भी मारपीट कर घायल कर दिए। प्रभारी निरीक्षक अशेषनाथ सिंह ने बताया कि घायल की तहरीर पर विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्जकर विवेचना किया जा रहा है।

आवंटित पट्टों की खतौनी में दर्ज करें काश्तकार का नाम

सोनभद्र। राज्य मंत्री संजीव कुमार गौंड़ ने बुधवार की शाम सर्किट हाउस सभागार में डीएम, एसपी, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता, आनन्द समेत अधिकारियों के साथ वनाधिकार अधिनियम के तहत वितरण किये गये पट्टों की खतौनी में नाम दर्ज कर वितरण के सम्बन्ध में बैठक की। राज्यमंत्री ने उपजिलाधिकारी, प्रभागीय वनाधिकारीगण, राजस्व व वन विभाग के अधिकारियों के साथ पूर्व के अस्वीकृत दावों के सापेक्ष प्राप्त पुनर्विचार याचिकाओं व पुनिर्विचार में लिये गये निर्णयों व पुनर्विचार के लिए की जा कार्यवाईयों के प्रगति की समीक्षा की। मंत्री ने कहा कि वनाधिकार अधिनियम के तहत वितरित किये गये पट्टों में सम्बन्धित काश्तकार का नाम खतौनी में दर्ज करने की कार्यवाही करते हुए तहसील क्षेत्र के ग्राम सभावार खतौनी वितरण की कार्यवाही शीघ्र की जाये।

अमेरिका के नए आयात शुल्क से भारतीय कालीन उद्योग पर संकट

फारूक जाफरी

भदोही। भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग के लिए अमेरिका द्वारा हाल ही में घोषित 26% आयात शुल्क एक गंभीर चुनौती बनकर उभरा है। टेस्को कारपेट के वरिष्ठ कालीन निर्यातक व समाजसेवी इम्तियाज अहमद और शमसी कलेक्शन के वरिष्ठ कालीन निर्यातक शाहिद हुसैन ने इस निर्णय को उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया। भारतीय कालीनों का लगभग 50% निर्यात अमेरिका को किया जाता है, और इस बढ़े हुए शुल्क के कारण भारतीय कालीनों की अमेरिकी बाजार में बिक्री प्रभावित होगी, जिससे लाखों कारीगरों, बुनकरों और श्रमिकों की आजीविका संकट में आ सकती है।

भारतीय कालीन उद्योग पर संभावित प्रभाव भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग अपनी उत्कृष्ट गुणवत्ता, डिजाइन और शिल्प कौशल के लिए वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध है। यह न केवल देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है, बल्कि लगभग 20 लाख कारीगरों और श्रमिकों की जीविका का मुख्य साधन भी है। अमेरिका द्वारा लगाए गए 26% आयात शुल्क के कारण भारतीय कालीनों की कीमतों में वृद्धि होगी, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो जाएगी और अमेरिकी खरीदारों के लिए ये महंगे हो जाएंगे।

इसका सीधा असर निर्यात में गिरावट के रूप में देखने को मिलेगा, जिससे उद्योग पर गंभीर संकट आ सकता है। यह शुल्क न केवल निर्यातकों और निमार्ताओं के लिए नुकसानदायक साबित होगा, बल्कि इससे जुड़े कारीगरों और बुनकरों की आर्थिक स्थिति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। पहले से ही कई चुनौतियों का सामना कर रहा यह उद्योग अब नगदी संकट से जूझ सकता है, जिससे श्रमिकों को समय पर भुगतान करना कठिन हो जाएगा। छोटे और मध्यम उद्यमों पर सबसे अधिक असर शाहिद हुसैन और इम्तियाज अहमद ने कहा कि इस संकट का सबसे अधिक प्रभाव छोटे और मध्यम उद्योगों पर पड़ेगा, जो पहले से ही वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। यदि इस समस्या का शीघ्र समाधान नहीं निकला तो उद्योग में बड़े पैमाने पर नौकरियों पर खतरा मंडराने लगेगा, जिससे लाखों परिवारों की आजीविका प्रभावित होगी। उन्होंने सरकार से अपील की कि ब्याज अनुदान योजना की पुनः बहाली आवश्यक है। भारतीय कालीन उद्योग को राहत देने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए, विशेष रूप से ब्याज अनुदान योजना को पुनः लागू किया जाए, ताकि निर्यातकों और निमार्ताओं को नगदी संकट से बचाया जा सके। सरकार से तत्काल कदम उठाने की मांग ब्याज अनुदान योजना फिर से लागू करने से छोटे और मध्यम उद्योगों को किफायती दरों पर ऋण मिल सकेगा, जिससे वे अपनी उत्पादन क्षमता बनाए रख सकें और श्रमिकों को समय पर भुगतान कर सकें। इसके अलावा, सरकार को अमेरिका के साथ राजनयिक स्तर पर बातचीत कर इस शुल्क में राहत दिलाने के प्रयास भी करने चाहिए।

बतादें कि भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग आज एक अभूतपूर्व संकट से गुजर रहा है। यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए, तो यह ऐतिहासिक रूप से समृद्ध उद्योग अस्तित्व के संकट में आ सकता है।

सुरक्षा को लेकर पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

जौनपुर। वक्फ संशोधन बिल और नगर की सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने फ्लैग मार्च किया। पुलिस ने लोगों को बीच जाकर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया। मार्गो पर पुलिस हेलमेट लगाकर, सुरक्षा जैकेट पहने हुए चल रही थी। फ्लैग मार्च में भारी पुलिस बल मौजूद रहा। इससे अपराधियों में कहीं न कहीं भय जरूर पैदा होगा और आमजन राहत की सांस लेंगे। पुलिस अधीक्षक डा. कौस्तुभ के दिशा निर्देशन में एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने नगर में पुलिसकर्मियों के साथ फ्लैग मार्च किया। उन्होंने बताया कि डिस्ट्रिक सुरक्षा प्लान के सम्बन्ध में फ्लैग मार्च किया गया। पुलिस के जवान अपनी पूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ चल रहे थे। जहां लोगों में चोरी, छिनैती का भय बना रहता है वहीं इस फ्लैग मार्च के होने से नगरवासियों ने राहत की सांस ली। एसपी सिटी के साथ सीओ सिटी देवेश सिंह और शहर कोतवाल मिथिलेश मिश्रा भी रहे।

हार्डकोर नक्सली को उम्रकैद

सोनभद्र। साढ़े 15 वर्ष पूर्व हुई रामवृक्ष की हत्या के मामले में वृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम जीतेंद्र कुमार द्विवेदी की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषी हार्डकोर नक्सली मुन्ना विश्वकर्मा और अजीत कोल को आजीवन कारावास व 20-20 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 4-4 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक अजय कुमार पासवान पुत्र सरजू पासवान निवासी ब्रह्मोरी, थाना कोन, जिला सोनभद्र ने 3 दिसंबर 2009 को कोन थानाध्यक्ष को दी तहरीर में अवगत कराया था कि वह चौकीदार का बेटा है। 1/2 दिसंबर 2009 की रात में करीब 3 बजे भीतरी जंगल मे नक्सली दो गुटों के बीच लेबी वसूली और रुपये के बटवारे को लेकर फायरिंग हुई है, जिसमें एक नक्सली के मारे जाने की सूचना है। कुछ नक्सली अभी भी भीतरी जंगल में मौजूद बताए जा रहे हैं। जिसके डर से वहां नहीं गया। सूचना दे रहा हूं आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात में हत्या की एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। घटना स्थल से रामवृक्ष का शव बरामद कर पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। विवेचना के दौरान हार्डकोर नक्सली मुन्ना विश्वकर्मा उर्फ विद्रोही, उर्फ रामवृक्ष पुत्र तिलकधारी निवासी समाबाध , कम्हारडीह, थाना राबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र और अजीत कोल उर्फ बब्बल पुत्र बहादुर कोल निवासी सनाइत, थाना नौगढ़, जिला चंदौली का नाम प्रकाश में आया। मामले की विवेचना करते हुए विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। बता दें कि सोनभद्र के तत्कालीन एसपी सुभाष चंद्र दुबे ने वर्ष 2012 में मुठभेड़ के दौरान इन नक्सलियों को पकड़ने में सफलता हासिल किया था। उसके बाद से ही नक्सलवाद का सोनभद्र, मिजार्पुर व चंदौली जिले से अंत हो गया था। हार्डकोर नक्सली मुन्ना विश्वकर्मा के ऊपर यूपी, एमपी, बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ में 10 लाख का इनाम था। सिर्फ यूपी में तीन लाख का इनाम था। वहीं अजीत कोल के ऊपर 50 हजार का इनाम था। तभी से दोनों नक्सली जेल में हैं। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी हार्डकोर नक्सली मुन्ना विश्वकर्मा और अजीत कोल को आजीवन कारावास व 20- 20 हजार अर्थदंड की सजा सुनाई।

शांति भंग में लगभग डेढ़ दर्जन लोगों का चालान

सुइथाकला। क्षेत्र के आधे दर्जन गांवों में शांति भंग करने को लेकर सरपतहां पुलिस ने दो दिनों में लगभग डेढ़ दर्जन लोगों का चिकित्सकीय परीक्षण कराते हुए 151 के तहत चालान कर दिया जिसे लेकर लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखने की दिशा में बुधवार को कार्रवाई करते हुए हुए सरपतहां पुलिस ने जहां पुरा असालत खां गांव से सात लोगों सुरेंद्र 25, प्रमोद 29, सिकंदर 20, रविन्दर 24, सूरज 25, रामनारायण 50 और सुगन 50, वहीं भैंसौली व गैरवाह गांव से क्रमशः दो दो रूपेश दूबे 27, राज दूबे 18 और लक्ष्मण 32 व अजय कुमार 36 का शांति भंग के आरोप में 151 के तहत चालान कर दिया। वहीं दूसरे दिन गुरुवार को भवानीपुर, उसरौली व कटघर गांव से क्रमशः दिलीप कुमार 44, सरवन 35, विनोद 50 व सुनील कुमार 20 तथा रमेश 39 का चालान कर दिया।

मुठभेड़ में भदोही पुलिस ने 25 हजार के इनामी को दबोचा, दर्ज हैं मामले

भदोही। पुलिस की संयुक्त टीम ने 19 मार्च की रात पुलिस टीम पर फायरिंग करने वाले मोबाइल छिनैती व वाहन चोरी करने वाले गैंग के चौथे सदस्य को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अलीम उर्फ नन्हका भदोही नगर के बाजार सरदार खां निवासी हैं। पुलिस ने नन्हका को बुधवार की रात करियांव गांव के पास मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। उसके दाएं पैर में गोली लगी। पुलिस ने मौके से चोरी की स्पलेंडर बाइक, एक देसी तमंचा और कारतूस बरामद करने का दावा किया था। घायलावस्था में उसे भदोही के एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके ऊपर ज्ञानपुर, भदोही, गोपीगंज व दुगार्गंज में लूट व अन्य मामलों में आठ मुकदमे दर्ज हैं। भदोही कोतवाली के जाहिदपुर मार्ग पर 19 मार्च की शाम बाइक सवार तीन बदमाश राहगीर के हाथ से मोबाइल लूटकर भाग निकले थे। पुलिस ने तीन को गिरफ्तार कर लिया था लेकिन अलीम पकड़ से बाहर था। पुलिस ने उस पर 25 हजार का इनाम घोषित किया था। बुधवार की रात क्राइम ब्रांच और भदोही पुलिस कोतवाली क्षेत्र के करियांव गांव के पास चेकिंग कर रही थी इसी दौरान पुलिस ने मुठभेड़ में अलीम को गिरफ्तार कर लिया और एमबीएस अस्पताल पहुंच कर उसका इलाज राया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में उसने बताया कि उनका संगठित गिरोह है। हरिश निवासी बंधवा नई बस्ती, अतीक अहमद, आलमपुर नई बस्ती, मकसूद अंसारी, निवासी धमहापुर, अर्श अली निवासी बाजार सरदार खां भदोही के साथ मिलकर बाइक चोरी करते हैं। इसमें से तीन जेल में हैं। उन्होंने चोरी की ज्यादातर बाइकों को बेच दी है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि पुलिस टीम ने चौथे बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है।

संपादकीय

लापरवाही या घोटाला?

एक मशीन, जिसे आप और हम 22,000 रुपये में खरीद सकते हैं, उसके लिए सरकार ने हर महीने 1,844 रुपये किराया चुकाया–वो भी लगातार पाँच साल तक! अब हिसाब लगाइए: 2,100 मशीनों के लिए चार साल में 18 करोड़ रुपये बहा दिए गए, जबकि इनकी कुल कीमत थी बस 4.5 करोड़ रुपये। यह कोई फिल्मी स्क्रिप्ट या मजाक नहीं है, बल्कि दिल्ली सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति विभाग का असली कारनामा है। एक ऐसा फैसला, जिसने जनता के खून-पसीने की कमाई को पानी की तरह बहा दिया और पूछने वाला कोई नहीं कि आखिर यह हुआ कैसे? यह कहानी सिर्फ मशीनों की नहीं, बल्कि उस सिस्टम की है, जो हमारे टैक्स के पैसे को लुटाने में माहिर हो चुका है।

बात शुरू होती है फरवरी 2021 से, जब दिल्ली सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार का ढोल पीटते हुए एक बड़ा कदम उठाया। उसने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) से 2,100 इलेक्ट्रॉनिक पॉइंट ऑफ सेल (ईपीओएस) मशीनें किराए पर लेने का फैसला किया। हर मशीन का किराया तय हुआ 1,844 रुपये प्रति माह, और यह सौदा पाँच साल के लिए पक्का कर लिया गया। चार साल गुजर चुके हैं, और अब तक सरकार ने इन मशीनों के लिए 18 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च कर डाले हैं। लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि इतना पैसा खर्च करने के बाद भी ये मशीनें सरकार की नहीं हैं–ये आज भी बीईएल की संपत्ति हैं। अब सोचिए, अगर ये मशीनें खरीदी गई होतीं, तो 4.62 करोड़ रुपये में मामला खत्म हो जाता। लेकिन नहीं, सरकार ने किराए का रास्ता चुना और जनता का पैसा हवा में उड़ा दिया।

अब हिसाब को और करीब से देखें। चार साल में 18 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं, और अगर पाँच साल का अनुबंध पूरा हुआ, तो यह रकम 23.25 करोड़ रुपये तक पहुँच जाएगी। यानी, एक मशीन की कीमत से पाँच गुना ज्यादा सिर्फ उसके किराए में दे दिया जाएगा। अगर सरकार ने थोड़ा दिमाग लगाया होता, तो 4.5 करोड़ में ये मशीनें उसकी अपनी हो सकती थीं। रखरखाव का खर्च जोड़ लें, तब भी यह किराए की राशि से आधे से कम पड़ता। मान लीजिए, हर मशीन पर सालाना 5,000 रुपये रखरखाव में लगते–पाँच साल में 25,000 रुपये प्रति मशीन, यानी कुल 5.25 करोड़। फिर भी, खरीद और रखरखाव मिलाकर 10 करोड़ से कम में काम हो जाता। लेकिन यहाँ तो 23 करोड़ रुपये बहाने का प्लान बना लिया गया। यह क्या है–लापरवाही, नासमझी, या कुछ और?

यह सिर्फ दिल्ली की कहानी नहीं है। देश के कोने-कोने में ऐसे फैसले लिए जाते हैं, जहाँ सरकारी खजाना खाली करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाती। कभी सड़क बनाने के नाम पर घोटाला, कभी स्कूलों के लिए फर्नीचर खरीद में हेराफेरी, तो कभी अस्पतालों के उपकरणों के नाम पर लूट। हर बार निशाना वही होता है–जनता का पैसा। दिल्ली का यह ईपीओएस मशीन मामला तो बस एक झलक है उस सिस्टम की, जो पारदर्शिता और जवाबदेही से कोसों दूर है। 18 करोड़ रुपये कोई छोटी रकम नहीं–इससे कितने बच्चों को स्कूल मिल सकता था, कितने मरीजों को बेड, या कितने गरीबों को राशन? लेकिन यहाँ तो सब कुछ एक बेतुके अनुबंध में बहा दिया गया।

इस लूट को रोकने का रास्ता क्या है? सबसे पहले तो हर सरकारी खर्च की नकेल कसने के लिए एक स्वतंत्र ऑडिट सिस्टम चाहिए। कोई भी अनुबंध हो, उसकी हर डिटेल की जाँच हो, ताकि जनता का पैसा यूँ न लुटे। दूसरी बात, पारदर्शिता को मजबूरी बनाना होगा। हर सौदे की जानकारी–कितना पैसा, किसे दिया, क्यों दिया–यह सब जनता के सामने होना चाहिए। जब लोग जानेंगे कि उनका टैक्स कहाँ जा रहा है, तो सरकार खुद-ब-खुद जवाबदेह बनेगी। तीसरा, ऐसे फैसलों के पीछे बैठे अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराना होगा। अगर कोई गलत नीति बनाता है, जिससे जनता का नुकसान हो, तो उसे सजा मिले–वरना यह सिलसिला कभी नहीं रुकेगा। सबसे बड़ी ताकत है जनता की जागरूकता। जब तक हम सवाल नहीं पूछेंगे, तब तक यह लूट चलती रहेगी। सोशल मीडिया पर आवाज उठाइए, आरटीआई दाखिल कीजिए, अपने हक के लिए लड़िए। क्योंकि अगर हम चुप रहे, तो यह खेल कभी नहीं थमेगा।

यह मशीनों का मसला कोई साधारण घोटाला नहीं, बल्कि एक ऐसा थप्पड़ है जो सरकारी तंत्र की नींद उड़ा दे–एक चीखती चेतावनी जो हर खोट को बेनकाब करती है। दूरदर्शिता का सूखा, जवाबदेही का ढोंग, और जनता के लिए बेशर्म बेपरवाही–यह सब इस एक फैसले में ठसाठस भरा है। सोचिए तो, 18 करोड़ रुपये–यह कोई चिल्लर नहीं! इससे गाँवों में बिजली की लकीरें दौड़ सकती थीं, अंधेरे घरों में उजाला खिल सकता था; शहरों में सूखे नलों से साफ पानी की बौछार फूट सकती थी, प्यासी आँखों को राहत मिल सकती थी। लेकिन हकीकत क्या बनी? यह पैसा एक ऐसे सौदे के भँवर में डूब गया, जो लूट का पर्याय बन गया–न जनता को कुछ हासिल हुआ, न सिस्टम में कोई सुधार आया, बस हवा में उड़ते वादों का ढेर लगा। अब वक्त है कि हम सब खड़े हों और गरजें–बस, अब और नहीं। यह पैसा हमारा खून-पसीना है, हर उस शख्स की मेहनत है जो टैक्स के बोझ तले दबता है–इसे यूँ डाकुओं की तरह लुटने देना अब गुनाह है। सवाल खड़े करो, जवाब निचोड़ो, और बदलाव की आग सुलगाओ। क्योंकि अगर हम अभी न जागे, तो यह लूट का नंगा नाच कभी नहीं थमेगा।

– प्रो आरके जैन

मुद्दों की चासनी में फंसी जनता

देश में मुद्दों की बढ़ियां खेती की जाती है। यह मुनाफे वाली फसल होती है। यही वजह असल है। राजनीति में सच्ची–मुच्ची सरल शांति से नहीं कुर्सी मिलती है। लोकतंत्र के खेत में खूब विवाद , शोर–शारावे, लम्पट बयानबाजी, गड़े मुद्दों की आतिशबाजी, मारपीट और गाली–गलौज की उर्वरक बहुत जरूरी तत्व होता है।यह लोकतंत्र के खेत को उपजाऊ बनाता है। आजकल मुद्दों में बादशाह की कब्र खोदने से लेकर, गद्दार की रार में कानून अपने हाथ में लेकर तक खूब टीआरपी बटोरती हैं। इतिहास को अपने–अपने ढंग से गढ़ना है। उनका बहादुर राजा अकेले तलवार को थामे देखा तो पूछ ही लिया, अकेले हवाबाजी करके कोई महान कैसे हो सकता है?वह बोला, 'हमारे इतिहास में यह होता है' बस बात खत्म!

मुद्दों में खूब लफ्फाजी, चुहलबाजी और संसद में रूठा रूठी भी होती है। इसमें बेमतलबी मुद्दों का बहुत योगदान रहता है। अक्सर मुद्दों में भगवा वीएस हरा का मैच फिक्स होता है।यह सदाबहार मुद्दा है। सब अपनी ही हनक में रहते हैं। हर मुद्दों के समर्थक है। वह अपने मुद्दों को महान ही समझता है। अंधभक्त मुद्दों में सिर्फ इसलिए खड़ा या पड़ा है कि मुद्दों को बेचकर दाल –रोटी से ऊपर उठा जा सके। बेमतलब के मुद्दों की नंगी पंगत में बैठ कर खाने में मजा भले न आए लेकिन उसका मतलब सध जाता है। उसकी अंतर्रात्मा सड़ांध मारती है।

बा मुलाईजा खबरदार होशियार मुद्दों की रोटी ठंडी होने पर तू तू मैं मैं बंद हो जायेगी ।बात बने ना बल्कि इतनी बिगड़ जाए कि मार–पीट हो। इससे कुर्सी पर लंबे समय तक बैठ सकते हैं। बेकार मुद्दा बांटने वाले या खिलाने वाले घायल नहीं होते बल्कि मुद्दा का चारा खानेवाली मछली फंसती है। ये देश में बहुत होता है। लोग मुद्दों की क्रीम पाउडर से तैयार होकर ही जाते हैं कि किस बात पर भिड़ना है। कहां ड्रामा करना है? मुद्दों की फसल काटने से पहले पकने तक पैनी निगाह रखते हैं। फसल का असल निरीक्षण करते हैं। अब यह नया मुद्दा ही देख लो ! राजा या बादशाह कौन महान में जहान लड़ रहा है। बेकार मुद्दा बांटने वाला भी विनम्रता से किसी को नहीं बोलता। हां, यह बात और है कि क्या लोकतंत्र में टाइम से मुद्दों को खा रहे हैं? कई बार जनता अपनी अन्य मौज–मस्ती में इतने बिजी होते हैं कि मुद्दों को खाने का होश ही नहीं रख पाते। इससे मुद्दों की फसल गिरकर खराब हो जाती है। आखिर में कुछ नहीं मिलता है। बेचारे रोते–रोते फौजदारी पर ही उतर आते हैं। अपने पूर्वजों को महान बनाने की बहुत मच–मच रहती है। जिससे वे बहुत गिरी हुई हरकत कर जाते हैं। गिरना राजनीति में उत्थान का प्रतीक है। गिरावट से ऊपर उतराता है। गड़ा मुद्दा इतना जबरा होना चाहिए कि सब दो बार सोचने पर मजबूर हो जाएं कि किधर जाया जाए या नहीं। मैं कहना चाह रहा हूं कि बेमतलबी मुद्दों से असीमित संभावनाएं और अवसर हैं। लोकतंत्र में कुछ ही कंट्रोल कर पाते हैं। – सूर्यदीप कुशवाहा

ज्ञानपीठ, रामभद्राचार्य और विनोद कुमार शुक्ल

रविभूषण

भारतीय ज्ञानपीठ की स्थापना प्रमुख भारतीय उद्योगपति स्वर्गीय साहू शान्ति प्रसाद जैन और उनकी पत्नी स्वर्गीया श्रीमती रमा जैन ने 18 फरवरी 1944 को की थी। संस्कृत, प्राकृत, पाली और अपभ्रंश की धर्म, दर्शन, तर्कशास्त्र, नीति शास्त्र, व्याकरण, ज्योतिष शास्त्र, काव्य शास्त्र से जुड़ी पुस्तकों का प्रकाशन इसका मुख्य लक्ष्य था। ज्ञानपीठ ने दर्शन एवं ज्ञानाधारित पुस्तकों के प्रकाशन के लिए 'मूर्तिदेवी ग्रंथमाला' और रचनात्मक साहित्य के प्रकाशन हेतु 'लोकोदय ग्रंथमाला' के तहत अनेक महत्वपूर्ण पुस्तकें प्रकाशित की हैं। इसने 'ज्ञानोदय' नाम से जनवरी 1949 से फरवरी 1970 तक एक पत्रिका प्रकाशित की, जो अब 2003 से 'नया ज्ञानोदय' नाम से प्रकाशित हो रही है। इसने अखिल भारतीय स्तर के दो साहित्यिक पुरस्कार आरंभ किये। 22 मई 1961 को भारतीय ज्ञानपीठ के संस्थापक साहू शान्ति प्रसाद जैन की पचासवीं वर्षगांठ पर उनके पारिवारिक सदस्यों के मन में साहित्यिक या सांस्कृतिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योजना के प्रवर्तन का विचार आया, जिसे व्यावहारिक रूप प्रदान करने में श्रीमती रमा जैन की मुख्य भूमिका रही। इस योजना को साकार करने के लिए, इसके विभिन्न पहलुओं पर विचार करने के लिए हिन्दी के अतिरिक्त अन्य भाषाओं के साहित्यकारों से विचार-विमर्श किया गया। इस योजना को अंतिम रूप देने के लिए "2 अप्रैल 1962 को दिल्ली में भारतीय ज्ञानपीठ और टाइम्स ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्त्वावधान में एक बृहद विचार-गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें देश की सभी भाषाओं के लगभग 300 मूर्धन्य साहित्यकारों ने भाग लिया।" संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भारतीय भाषाओं में से सर्वश्रेष्ठ पुस्तक को दिये जाने वाले ज्ञानपीठ पुरस्कार का आरंभ 1965 में हुआ। 18वें पुरस्कार (1982) से यह पुरस्कार लेखक के सम्पूर्ण अवदान पर दिया जाता है। आरंभ में पुरस्कार-राशि 1 लाख रुपये थी, जो अब 11 लाख रुपये हो चुकी है। ज्ञानपीठ पुरस्कार भारतीय भाषाओं में दिया जाने वाला सर्वाधिक महत्वपूर्ण पुरस्कार है।

ज्ञानपीठ पुरस्कार को 'श्रीमती रमा जैन का मानस पुत्र' भी कहा जाता है। इस पुरस्कार की अपनी एक चयन-प्रक्रिया है। सर्वप्रथम ज्ञानपीठ 'विभिन्न भारतीय भाषाओं के साहित्यकारों, अध्यापकों, समालोचकों और प्रबुद्ध पाठकों से, विश्वविद्यालयों, साहित्यिक तथा भाषायी संस्थाओं से भी प्रस्ताव भेजने का अनुरोध' करता है। प्रत्येक भाषा की अपनी एक परामर्श-समिति है, जिसके सदस्य प्रसिद्ध साहित्य-समालोचक और विद्वान होते हैं। यह समिति तीन वर्ष की होती है। इससे प्राप्त प्रस्ताव संबंधित 'भाषा परामर्श समिति' के पास भेजा जाता है। भाषा परामर्श समिति प्राप्त प्रस्ताव के अतिरिक्त अन्य नामों पर भी विचार कर सकती है। सबसे ऊँची और प्रमुख समिति 'प्रवर समिति' (परिषद्) है, जिसके सदस्यों की संख्या कम से कम 7 और अधिकतम 11 होती है। प्रवर समिति के सदस्य प्रसिद्ध और विश्वसनीय होते हैं, जिनका कार्यकाल तीन वर्ष का है, पर वह अधिकतम दो बार और अधिक बढ़ाया जा सकता है। अधिकतम नौ वर्ष का कार्यकाल। प्रवर परिषद् के सदस्य ही पुरस्कार-योग्य कवि-लेखक का निर्णय लेते हैं। नियमानुसार पुरस्कार-प्राप्त भाषा पर अगले तीन वर्ष तक विचार नहीं किया जाता है। मुझे यह पता नहीं है कि पुरस्कार का निर्णय सर्वसम्मति से होता है या बहुमत से? किसी नाम विशेष पर प्रवर परिषद् का कोई सदस्य अपनी असहमति लिखित रूप से दर्ज करता है या नहीं? अब तक जो 59 ज्ञानपीठ पुरस्कार दिये गये हैं, उनमें से प्रवर परिषद् के सभी सदस्य क्या एकमत थे या किसी ने किसी नाम पर कभी आपत्ति या असहमति भी प्रकट की? क्या अभी तक प्रवर-परिषद् के सदस्यों में से किसी ने स्वेच्छा से त्यागपत्र दिया है? किस आधार पर प्रवर-परिषद् के किसी सदस्य को तीन वर्ष बाद एक या दो टर्म और अधिक दिया जाता है? पुरस्कार के लिए साहित्यकार के चयन का दायित्व प्रवर परिषद् का है, जिसमें न्यासि-मंडल का कोई सदस्य हस्तक्षेप नहीं करता। "प्रवर परिषद् भाषा परामर्श समिति की संस्तुतियें का तुलनात्मक मूल्यांकरन करती है।"

ज्ञानपीठ पुरस्कार अब तक 59 लेखकों को प्राप्त हो चुका है। पहला ज्ञानपीठ पुरस्कार (1965) मलयालम के जी. शंकर कुरूप को मिला था और 59वाँ पुरस्कार हिन्दी कवि-उपन्यासकार विनोद कुमार शक्ल को प्राप्त हुआ है। हिन्दी के 12, कन्नड़ के 8, बांग्ला के 6, मलयालम के 6, उर्दू के 5, गुजराती के 4, मराठी के 4, ओड़िया के 4, असमिया के 3, तेलुगू के 3, तमिल के 2, कोंकणी के 2, पंजाबी के 2, संस्कृत के 2, कश्मीरी के 1 और अंग्रेजी के 1, कुल 16 भाषाओं के लेखक इस पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं। अभी तक डोडो, डोगरी, मैथिली, मणिपुरी, नेपाली, संथाली और सिन्धी भाषा के लेखक इस पुरस्कार से सम्मानित नहीं हुए हैं। छह बार संयुक्त रूप से ज्ञानपीठ पुरस्कार दो लेखकों को प्राप्त हुए हैं। तीसरा ज्ञानपीठ पुरस्कार (1967) संयुक्त रूप से उमाशंकर जोशी (गुजराती) और कुप्पाली वेंकटप्पा पुट्टपा कुवेम्पु (कन्नड़) को, नौवां ज्ञानपीठ पुरस्कार (1973) कन्नड़ के डॉ. बेंद्रे और ओड़िया के गोपीनाथ मोहंती को, 35वाँ पुरस्कार निर्मल वर्मा (हिन्दी) और गुरदयाल सिंह (पंजाबी) को, 42वाँ पुरस्कार (2006) कोंकणी के रवीन्द्र केलेकर एवं संस्कृत के सत्यव्रत शास्त्री को, 45वाँ पुरस्कार (2009) हिन्दी के दो कथाकारों - अमरकान्त और श्री लाल शुक्ल को एवं 58वाँ ज्ञानपीठ पुरस्कार (2023) संस्कृत के रामभद्राचार्य और उर्दू के गुलजार को संयुक्त रूप से दिया गया है। हिन्दी में सुमित्रा नन्दन पंत, रामधारी सिंह 'दिनकर', अज्ञेय, महादेवी वर्मा, नरेश मेहता, निर्मल वर्मा, कुंवर नारायण, अमरकान्त, श्रीलाल शुक्ल, केदारनाथ सिंह, कृष्णा सोबती और विनोद कुमार शुक्ल ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कवि-लेखक हैं।

भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार की आलोचना सबसे पहले अमिताभ बच्चन द्वारा शहरयार को पुरस्कार दिये जाने के समय की गयी थी। इक्कीसवीं सदी का भारत अपने पूर्व मूल्यों-आदर्शों को त्याग कर एक नयी दिशा में बढ़ने लगा था। अमिताभ बच्चन को 'सदी का महानायक' घोषित किया गया और क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेन्दुलकर को 2014 में 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 'भारत रत्न' देश का 'सर्वोच्च नागरिक सम्मान' है, जो विज्ञान, साहित्य, कला, जनसेवा और खेल के क्षेत्र में दिया जाता है। हिन्दी के किसी कवि-लेखक को आज तक 'भारत रत्न' नहीं दिया गया है। रामभद्राचार्य को 58वाँ ज्ञानपीठ पुरस्कार दिये जाने की काफी आलोचना हुई थी। नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 2015 में उन्हें पद्मविभूषण की उपाधि से सम्मानित किया गया। उनके पहले 2006 का 42वाँ ज्ञानपीठ पुरस्कार कोंकणी लेखक रवीन्द्र केलेकर के साथ सत्यव्रत शास्त्री को संयुक्त रूप से दिया गया था। सत्यव्रत शास्त्री के नाम पर शायद ही किसी ने आपत्ति की हो। सत्यव्रत शास्त्री और रामभद्राचार्य में अंतर है। रामभद्राचार्य उसी प्रकार साहित्यिक नहीं है, जिस प्रकार अटल बिहारी वाजपेयी कवि नहीं हैं। रामभद्राचार्य हिन्दू धार्मिक-आध्यात्मिक नेता हैं। उनका दलित और मुस्लिम-विरोध किसी से छुपा नहीं है। बाबरी मस्जिद ध्वंस और राम मंदिर निर्माण में उनकी भूमिका थी। वे घृणा और हिंसा के साथ हैं, जबकि साहित्य का इससे बैर है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और शिवसेना के नेताओं को वे मूर्ख कहते हैं। पंडित राजदेव मिश्र और शची देवी मिश्र की वे संतान हैं, जिनका जन्म जौनपुर जिला के शांडी खुर्द गांव में 14 जनवरी (मकर संक्रान्ति का दिन) 1950 को हुआ था। चित्रकूट में तुलसीपीठ के संस्थापक रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय के संस्थापक और उसके आजीवन कुलपति हैं। वे धर्मचक्रवर्ती, महा महोपाध्याय श्री चित्रकूट तुलसी पीठाधीश्वर, जगद्गुरु, महाकवि, प्रस्थान त्रयी भाष्यकार जैसे उपाधियों से सम्मानित हैं। वे अनेक भाषाओं के ज्ञाता और शताधिक पुस्तकों के लेखक के साथ कथावाचक भी रहे हैं। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी से उन्होंने पी-एच.डी. की है। रामभद्राचार्य की धार्मिक कट्टरता सर्वज्ञात है। अभी बीएचयू के संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के संधि विषयक व्याकरण प्रबोध कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए उन्होंने यह कहा है कि मनुस्मृति में एक अक्षर भी राष्ट्र विरोधी नहीं है। उन्होंने ज्ञानवापी पाने तक संघर्ष जारी रखने की बात कही है और मुगलों के नाम पर रखे गये सभी स्थानों के नाम बदलने को कहा है। महाकुंभ में 30 दिनों तक उन्होंने मनुस्मृति पर प्रवचन दिया था। मायावती को 'बहन' कहना उन्हें पसंद नहीं है। उन्हें साहित्य अकादेमी फेलोशिप से सम्मानित किया जा चुका है। उनके साहित्यिक अवदान पर राधा वल्लभ त्रिपाठी ही प्रकाश डाल सकते हैं, जो इस समय संस्कृत के सर्वाधिक प्रतिष्ठित लेखक और विद्वान हैं। रामभद्राचार्य से वे उम्र में भी बड़े हैं।

एक समय था, जब ज्ञानपीठ पुरस्कार समिति के अध्यक्ष काका कालेलकर, डॉ. सम्पूर्णानन्द, डा. कर्ण सिंह, पी वी नरसिम्हा राव, डॉ. लक्ष्मी मिल सिंधवी और डॉ. नामवर सिंह थे। ज्ञानपीठ ने रामभद्राचार्य को पुरस्कृत कर अपनी गरिमा खोई है। रामभद्राचार्य को 58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार (2023) मिल चुका है। जिसकी चयन समिति की अध्यक्ष ओडिया भाषा की सुप्रसिद्ध लेखिका और 47वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रतिभा राय थीं। इस पुरस्कार समिति के सदस्य थे- माधव कौशिक, दामोदर माउजो, सुरंजन दास, पुरुषोत्तम विमाले, प्रफुल्ल शिलेदार, हरीश त्रिवेदी, प्रभा वर्मा, जानकी प्रगसाद शर्मा, ए कृष्ण राव और ज्ञानपीठ के निदेशक मधुसूदन आनंद। देश में जिस प्रकार धार्मिक कट्टरता और 'हिन्दुत्व' को बढ़ावा दिया गया है, यह प्रश्न पूछना जरूरी है कि रामभद्राचार्य का चयन कैसे हुआ? क्या सभी सदस्य उनके नाम पर सहमत और एकमत थे? क्या उनकी धार्मिक कट्टरता से सब अपरिचित थे? क्या इस नाम का किसी ने विरोध किया या अपनी असहमति दर्ज की? रामभद्राचार्य को ज्ञानपीठ पुरस्कार देने से ज्ञानपीठ की जो छवि धूमिल हुई थी, उसे उसने 59वां ज्ञानपीठ पुरस्कार (2024) विनोद कुमार शुक्ल को देकर ठीक की है। भारत की कोई भी संस्था अब अपने पुराने रूप में नहीं है। सबमें फिसलन और गिरावट जारी है। कुछ अपवादों को छोड़ कर ज्ञानपीठ की अब तक साहित्यिक मूल्यों एवं गुणवत्ता में निष्ठा रही है। इस समय ज्ञानपीठ और रामभद्राचार्य पर ही नहीं, एक छोटे हलके से ही विनोद कुमार शुक्ल पर भी उनके सामाजिक सरोकारों को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं।

विनोद कुमार शुक्ल हिन्दी के अनूठे-अनोखे कवि-उपन्यासकार हैं। उनकी पहचान कलावादी-रूपवादी कवि-उपन्यासकार के रूप में है। उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार दिये जाने के बाद दो -तीन प्रकार की प्रतिक्रियाएं आयी हैं। पहली प्रतिक्रिया में ज्ञानपीठ की प्रशंसा है कि इस बार उसका निर्णय ठीक रहा और उसने अपनी भूल-गलती सुधारी। एक प्रतिक्रिया यह भी आई कि विनोद कुमार शुक्ल को इसे अस्वीकार करना चाहिए था। दो-चार कवियों-लेखकों ने उनके साहित्यिक सरोकार पर भी सवाल उठाये कि वे जिस छत्तीसगढ़ में, रायपुर में रहते हैं, वहाँ राज्यसत्ता, सरकार और पुलिस की बर्बरता पर उन्होंने कभी मुंह नहीं खोला और मुक्तिबोध से जुड़े रहने के बाद भी यह तय नहीं किया कि वे किस ओर हैं? विनोद कुमार शुक्ल ने कभी सत्ता का मुखर विरोध न किया हो, पर वे सत्ता, व्यवस्था के साथ कभी नहीं रहे हैं।

एकान्त भाव से लेखन के प्रति समर्पित हिन्दी में ऐसा कोई दूसरा लेखक नहीं है। केवल हिन्दी में ही नहीं, भारतीय साहित्य में भी उनका अवदान मौलिक और अन्यतम है। भारतीय ज्ञानपीठ न तो प्रगतिशील है और न क्रान्तिकारी। हिन्दी और भारतीय भाषाओं के सभी कवि-लेखक भी प्रगतिशील और मार्क्सवादी नहीं हैं। विनोद कुमार शुक्ल के प्रशंसक अधिक हैं, आलोचक कम। उनके अवदान पर सुचिंतित और सुविचारित रूप से अब तक कम विचार किया गया है। 'लगभग जयहिन्द' (1971) से लेकर उनका अब तक का सृजन-कर्म लगभग पचपन वर्ष का है, जिसे हम पैंसठ वर्ष का भी कह सकते हैं, जब मुक्तिबोध ने उनकी कविताएं श्रीकान्त वर्मा को 'कृति' के लिए भेजी थीं। विचारणीय बात और गंभीर बात यह है कि लगभग एक ही समिति ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए रामभद्राचार्य और विनोद कुमार शुक्ल के नाम पर भी एकमत होती है।

विनोद कुमार शुक्ल का समग्र अभी एक साथ अप्रकाशित है। 'लगभग जयहिन्द', 'वह आदमी नया गरम कोट पहन कर चला गया विचार की तरह', सब कुछ होना बचा रहेगा', 'अतिरिक्त नहीं', 'कविता से लम्बी कविता', 'कभी के बाद अभी', 'एक पूर्व में बहुत से पूर्व' और 'केवल जड़े हैं' उनके कविता संग्रह है। 'पेड़ पर कमरा' और 'महाविद्यालय' दो कहानी-संग्रह हैं। तीन उपन्यास हैं - 'नौकर की कमीज', 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' और 'खिलेगा तो देखेंगे'। बच्चों के लिए उन्होंने कहानियां लिखी हैं- 'एक कहानी' और 'कहानियां, जो शुरू नहीं हुईं'। विनोद कुमार शुक्ल सामान्य जन के असामान्य कवि-कथाकार हैं। उनके अनुसार "सबसे सार्वभौमिक विचार स्थानीय की विशालता को वैश्विक में लाना है।" वे सबसे पहले और सबसे अन्त में भी स्थानीय (लोकल) हैं। छत्तीसगढ़ ही उनके लिए सबकुछ है। उनकी रचनाओं का समुचित और गंभीर पाठ अभी शेष है। 'ग्रांटा', 'मेटामोरफोसेस' और 'मॉडर्न पोएट्री' में उनकी कविताएं प्रकाशित हुई हैं। उनकी कविताओं का इतालवी, स्वीडिश, जर्मन, अरबी, अंग्रेजी में अनुवाद हो चुका है। 'नौकर की कमीज' का अनुवाद फ्रेंच में हुआ है। मणिकौल ने 'नौकर की कमीज' पर फिल्म बनाई, जो केरल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पुरस्कृत हुई। नेशनल फिल्म इंस्टीट्यूट, पुणे ने अमित दत्ता के निर्देशन में 'आदमी की औरत' और 'पेड़ पर कमरा' (रूम ऑन ए ट्री) पर फिल्म बनाई, जिसे 2009 के वेनिस अन्तरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में 'स्पेशल मेंशन अवार्ड' मिला। रंग निदेशक मोहन महर्षि ने 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' का मंचन किया था। विनोद कुमार शुक्ल की अन्य कई कृतियों का अन्य निदेशकों ने मंचन किया है। अन्तरराष्ट्रीय साहित्य में उपलब्धि के लिए उन्हें 2023 का पेन/नाबाकोव पुरस्कार प्राप्त हुआ है। उनकी कहानियों का अनुवाद अरविन्द कृष्ण मेहरोत्रा एवं सारा राय ने अंग्रेजी में 'ब्लू इज लाइक ब्लू' शीर्षक से किया है (हार्पर कालिन्स, 2019), जिसे बैंगलोर लिटरेचर फेस्टिवल बुक प्राइज प्राप्त हो चुका है। सती खन्ना ने उनके कुछ उपन्यासों के अंग्रेजी अनुवाद किये हैं। 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' का 'ए विंडो लिव्ड इन द वाल' और 'एक चुप्पी जगह' का 'ए साइलेंट प्लेस'। साहित्य अकादेमी ने विनोद कुमार शुक्ल पर एक फिल्म बनाई है। अचल मिश्रा के 'अचल चित्र प्रोडक्शंस' की डॉक्यूमेंट्री 'चार फूल है और दुनिया है' (2024), दो दोपहरों में रामपुर में तैयार की गयी 54 मिनट की य हैं नरेश सक्सेना ने भी अपने इस कवि-मित्र पर लगभग एक घंटे की डॉक्यूमेंट्री बनाई है - "असंभव का कवि₹। अरविन्द कृष्ण मेहरोत्रा ने 1971 से 2013 के बीच उनके प्रकाशित कविता-संग्रहों और कुछ नयी एवं असंग्रहीत 75 चयनित कविताओं का अंग्रेजी में अनुवाद किया- 'ट्रेजरर ऑफ पिग्गी बैंक्स'। 'हिन्दू' में इसकी सारगर्भित समीक्षा करते हुए हरीश त्रिवेदी ने शुक्ल के लेखन को तरंगी, हतप्रभ एवं विस्मित करने वाला बताया है। विनोद कुमार शुक्ल पाठकों के लिए एक पहेली हैं। उनकी शैली जादुई यथार्थवादी है। विलक्षणता उनके विशेषता है।

विनोद कुमार शुक्ल की किसी से तुलना नहीं हो सकती। न निर्मल वर्मा से न, कृष्ण बलदेव वैद से। उन्होंने एक नयी लकीर खींच दी है। उनके पास एक भाषाई कौशल है, शब्द क्रीड़ा है, अस्पष्टता भी है, जिसे साहित्य में एक 'गुण' भी माना जाता है। उनका कला-वैभव चकित-विस्मित करता है। उसी पर ध्यान केन्द्रित करने के कारण उनकी रचना की अन्तर्वस्तु पर अधिक ध्यान नहीं जाता। अरविन्द कृष्ण मेहरोत्रा ने उनकी तुलना अमरीकी कवि, उपन्यासकार नाटककार गर्टूड स्टीन (1876-1946) से की है। विनोद कुमार शुक्ल का लेखन किसी भी अर्थ में न तो प्रतिक्रियावादी है और न हस्तक्षेपकारी। वे समकालीन हिन्दी एवं भारतीय साहित्य के 'स्फिंक्स' (गुड़, रहस्यपूर्ण) हैं। उन्हें धैर्यपूर्वक समग्रता में पढ़ने और समझने की अधिक जरूरत है। "मुझे बचाना है/एक एक कर/अपनी प्यारी दुनिया को/बुरे लोगों की नजर है/इसे खत्म कर देने को।"

(लेखक वरिष्ठ आलोचक एवं सामाजिक, राजनीतिक चिंतक हैं, संपर्क 94311 03960)

हमारा समाज कहां जा रहा है

योगेश मोहन

भारतीय ज्ञान, परंपरा, सभ्यता और संस्कार के कारण ही सम्पूर्ण विश्व में भारत की एक अलग पहचान बनी हुई थी। यह देश वसुधैव कुटुम्बकम के आदर्श का अनुयायी रहा है और यहाँ पग-पग पर धर्मसम्मत आदर्शों की चर्चा की जाती रही है। विगत 3 वर्षो में भारत की धर्म के प्रति आस्था का यदि आंकलन करें तो इसके अन्तर्गत देश के प्रत्येक मंदिर में दर्शनार्थियों की अतिशय भीड़ का एकत्र होना, धार्मिक कथा आयोजनों में ज्ञान की गंगा का अविरल प्रवाह होना, प्रयागराज के महाकुंभ में अपार जनसमूह के द्वारा अपने पापों से मुक्ति हेतु स्नान किया जाना, भक्तजनों के द्वारा शंकराचार्य एवं महामंडलेश्वरों के आश्रम में उनका आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु क्रमबद्ध होकर प्रतीक्षारत रहना आदि आस्था के अनेकों उदाहरण हैं।

भारतीयों के इतने अधिक श्रद्धा के वशीभूत होने पर भी, आज समाज में हिंसा, अकल्पनीय भ्रष्टाचार, व्याभिचार के समाचार नित प्रतिदिन सुनने को मिल रहें हैं। इसके अतिरिक्त ऐसी वीभत्व हिंसा की घटनाएँ देखने और सुनने को मिल रहीं हैं, जो न कभी सोची थी और ना ही कभी आशा की जा सकती थी।इन्हीं असमाजिक घटनाओं पर यदि दृष्टिपात करें तो आज रक्त संबंधों की मयार्दा भी समाप्त होती जा रही है। पश्चिमी चकाचौंध के वशीभूत होकर, पुत्र अपने माता-पिता को उनकी वृद्धावस्था में भारस्वरूप समझते हैं। इतना ही नहीं, उनकी संपत्ति को हड़पने के पश्चात, उनको वृद्धाश्रम में रहने के लिए विवश कर रहे हैं। जो माता-पिता अपनी संपत्ति को अपनी वृद्धावस्था के लिए संचित करते हैं, उनके कुपुत्र अनैतिकता की हद को पार करते हुए, उनसे बदतमीजी करने, उनपर अपना हाथ उठाने और उनकी हत्या करने में भी तनिक संकोच नहीं करते।

भारत के वृद्धाश्रम, ऐसे निरीह, असहाय वृद्धजनों से भरे पड़े हैं और नित नए खुल रहे हैं।

1. भारतीय समाज में विवाह एक ऐसा पवित्र बंधन है जो सात जन्मों तक निभाने का वचन देकर, सात फेरों के पश्चात ईश्वर तथा परिवार के वरिष्ठजनों के आशीर्वाद से पूर्ण होता है। पूर्व में विवाह अधिकांशतया माता-पिता की इच्छा से ही होते थे और जो प्रेम विवाह भी होते थे वे विवाह भी परस्पर विश्वास, प्रेम व समर्पण की नींव पर होते थे। परन्तु आज समाज पूर्णतया दिगभ्रमित होता जा रहा है। आज का प्रेम मात्र एक क्षणभंगुर आकर्षण स्वरूप है, जोकि जितनी जल्दी होता है, उतनी ही जल्दी समाप्त हो जाता है। तत्पश्चात लिए गए निर्णय पछतावा अथवा प्रतिशोध में परिवर्तित हो जाते हैं।
2. माता-पिता अपनी संतान के उच्च भविष्य की कामना करते हुए, स्वयं के अथवा परिपक्व संतान की इच्छा से लिए गए निर्णय को स्वीकार करके विवाह करते हैं। परन्तु कुछ बेटा-बेटी विवाह से पूर्व ही विवाहेत्तर संबंध स्थापित करने के पश्चात विवाह करते हैं, जिसका संज्ञान विवाह के पश्चात होने पर, वैवाहिक जीवन पूर्णतया नरक सद्दश हो जाता है। इसका परिणाम यह होता है कि विवाहित युगल एक साथ रहने के बजाय अपने पूर्व प्रेमी अथवा प्रेमिका के साथ मिलकर अपने वैवाहिक जीवन को नष्ट कर देते हैं और अपने पति अथवा पत्नि की जीवन लीला को समाप्त करने के लिए हर सीमा को पार कर जाते हैं।
3. आज का युवावर्ग प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा से पूर्णतया अज्ञान है। इसलिए वह समाज में व्याप्त आकर्षण के साधनों को सुलभ व सर्वज्ञान का स्रोत मानकर दिग्भ्रमित होता जा रहा है और उसका अंधानुकरण कर रहा है। इसीलिए आज छात्रों के द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएँ नित प्रतिदिन सुनने को मिलती है। इसके कई कारण हैं, जिनमें छात्रों का युवावस्था में प्रेम जाल में फंसना, प्रेम में असफल होने के परिणामस्वरूप पढ़ाई से विमुखता आ जाना और परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाने पर निराशा से युक्त होकर आत्महत्या जैसे जघन्य अपराध करना आदि। इतना ही नहीं महाविद्यालयों में किसी कन्या के आकर्षण के वशीभूत होकर, उसकी प्राप्ति हेतु छात्र समूहों के मध्य गोलियाँ तक चल जाती हैं।
4. आज युवावर्ग का उद्देश्य, शिक्षा प्राप्ति के पश्चात येन-केन-प्रकारेण धन अर्जित करना हो गया है। देशहित, समाजहित, परिवारहित की भावना समाप्त प्राय हो गई है, जिससे देश में भ्रष्टाचार चरमसीमा पर पहुँच गया है। इतना ही नहीं, आज देश की राजनीति भी देशसेवा के भाव के विपरीत धन अर्जित करने का पर्याय बन चुकी है अर्थात व्यवसाय बन चुकी है। 5. माता-पिता के पश्चात गुरू को गोविन्द से भी श्रेष्ठ स्थान दिया गया है, क्योंकि गुरू ही ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग प्रशस्त करता है। गुरु का पर्याय शिक्षक, संतजन अथवा अन्य कोई वरिष्ठजन हो सकता है। आज समाज में संतो के प्रवचनों को सुनने हेतु अथाह जन समूह एकत्र होता है, जिनमें से अधिकांश पीड़ित माता-पिता होते हैं परन्तु उन संतजनों में से अधिकांश संत समाज, आज धन के पीछे भाग रहा है। वे कथाएं एवं प्रवचन देते हैं और एक कथा के 50 लाख से एक करोड़ तक की धनराशि निर्धारित करते हैं, आशीर्वाद देने के भी 5 लाख रुपये तक लेते हैं और जिनके बीच यह प्रवचन किया जाता है, उस आयुवर्ग में सुधार की आवश्यकता नहीं होती है।

संतो को अपनी वाणी को ईश्वर की वाणी मानकर प्रवचन देना होगा, लोभ को त्यागना होगा, देशसेवा के भाव के साथ युवावर्ग की दिग्भ्रमित मानसिकता को सुधारने का प्रयास करना होगा। यही उनकी वास्तविक देशसेवा तथा ईश्वरीय भक्ति होगी, इसके बिना उनको भी स्वर्ग प्राप्त नहीं होगा। जिस देष का कर्णधार अर्थात युवावर्ग यदि सत्मार्ग तथा सद्बुद्धि प्राप्त कर लेता है, उस देश के भ्रष्टाचार का समूल नष्ट तथा राजनीति का शुद्धिकरण अवश्य ही जाएगा, जिसकी आज हमारे समाज तथा राष्ट्र को नितांत आवश्यकता है।

(वरिष्ठ पत्रकार और आईआईएमटी यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति)

सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को चेन्नई सुपर (सीएसके) अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में जीत के लिए हालांकि सीएसके के बल्लेबाजों और गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। यहां की पिच स्पिनर की सहायक रही है, ऐसे में स्पिनरों की भूमिका अहम रहेगी। दोनो ही टीमों के पास अच्छे स्पिनर हैं। दिल्ली के स्पिनर कुलदीप यादव और चेन्नई सुपर किंग्स के पास अनुभवी आर अश्विन हैं। बीच के ओवरों में इन दोनों ही स्पिनरों पर काफी कुल निर्भर करेगा। वहीं अगर बल्लेबाजी की बात करें तो दिल्ली कैपिटल्स के पास फाफ डु प्लेसी, केएल राहुल, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम और कप्तानी अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ी हैं।

वहीं दूसरी ओर सीएसके की बल्लेबाजी कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के अलावा ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और शिवम दुबे पर आधारित रहेगी। अनुभवी बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी इस मैच में भी निचले क्रम पर ही उतरेंगे क्योंकि हाल में टीम के कोच ने कहा था कि वह लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते। ऐसे में शिवम और जडेजा को तेजी से रन बनाने होंगे। टीम के सलामी बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी अब तक तेज गेंदबाजों के सामने सहज नहीं दिखे। पारी की शुरुआत में वह भी वह विफल रहे। दिल्ली की टीम को अनुभवी फाफ डु प्लेसी से लाभ मिल सकता है। इसके अलावा टीम के पास जैक-फ्रेजर मैकगर्क, ट्रिस्टन स्टब्स और अभिषेक पोरेल जैसे बल्लेबाज भी हैं। इस मैच में सीएसके के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन भी अंतर पैदा कर सकते हैं। वह हालांकि अभी तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

स्पिनर साई किशोर ने कैरम बॉल से प्रभावित किया : बेंगलुरु। गुजरात टाइटंस की ओर से खेल रहे स्पिनर आर साई किशोर ने अब तक अपनी कैरम बॉल से सभी को प्रभावित किया है। साई किशोर की कैरम बॉल को समझने में बल्लेबाजों को खासी परेशानी होती दिख रही है।

साई ने अपने कैरम बॉल से ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के क्रुणाल पांड्या को भी हैरान कर दिया था। इस स्पिनर का कहना है कि वह पिछले काफी समय से इस गेंद पर काम कर रहे थे पर इससे पहले उन्होनें इसका प्रयोग नहीं किया था। यह एक ऐसी गेंद है जिसे गेंदबाज अपनी उंगलियों से घुमाकर फेंकते हैं, जिससे वह बल्लेबाज को भ्रमित कर सकती है। इस युवा गेंदबाज ने कहा, ह्यटी20 क्रिकेट में प्रासंगिक बने रहने के लिए आपको हमेशा अपने खेल में कुछ नया करना होगा। मैं पिछले तीन-चार वर्षो से इसका अभ्यास कर रहा था पर मैंने कहीं भी इसका उपयोग नहीं किया था। उन्होंने कहा, ह्यमैं आईपीएल में इसका उपयोग करने को लेकर आश्वस्त था और मैंने इसके लिए अपने पर पर भरोसा बनाए रखा।

कमिंस ने हार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया : कोलकाता। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस इस बार आईपीएम में अपनी टीम के खराब प्रदर्शन से निराश हैं। सनराइजर्स टीम को कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ मुकाबले में भी हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में कमिंस की चिन्ताएं भी बढ़ गयीं। टीम की लगातार तीसरी हार के बाद कमिंस ने कहा कि हमारा समय ठीक नहीं चल रहा। विकेट अच्छा था पर टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी भी उम्मीद के अनुसार नहीं रही। साथ ही कहा कि हमारी फील्डिंग भी कमजोर रही जिससे भी टीम को नुकसान हुआ। अब हमें हालातों के अनुसार खेलना होगा। इसके साथ ही ये भी देखना होगा कि पिछले मैचों में हमने कहां गलतियां की हैं। हमारे बल्लेबाज काफी अच्छे हैं, पर हमें सही विकल्प रखने होंगे।

प्रशंसक बोले, पंजाब किंग्स अगर आईपीएल जीती तो श्रेयस अय्यर को मिलेंगे ढेरों इनाम

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेली रहे पंजाब किंग्स अंकतालिका में अभी शीर्ष पर चल रही है। उसने अपने सभी मैच जीते हैं। ऐसे में इस बार टीम को खिताब जीतने की पूरी उम्मीद है। पंजाब किंग्स अभी तक एक बार भी खिताब नहीं जीत पायी है। ऐसे में उसे उम्मीद है कि श्रेयस टीम को इस बार जरुर जीत दिला पायेंगे। श्रेयस की ही कप्तानी में पिछली बार कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने खिताब जीता था। वहीं इसी बीच प्रशंसकों के तरह तरह से वीडियो सामने आ रहे हैं। इसमें कहा जा रहा है कि पंजाब को चैंपियन बनाने पर अय्यर को क्या क्या उपहार मिलेंगे।

पंजाब किंग्स की टीम ने आईपीएल नीलामी में श्रेयस को दूसरी सबसे बड़ी बोली 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। श्रेयस ने जिस प्रकार से अब तक जबरदस्त बल्लेबाजी और कप्तानी की है उससे लगता है कि टीम का उनको खरीदने का फैसला सही था। उनके खरीदने है, उससे उनका फ्रेंचाईजी टीम का यह फैसला अब तक सही साबित होता नजर आ रहा है। टीम ने इस सीजन खेले अपने पहले दोनों ही मुकाबले में दमदार जीत दर्ज की है। टूर्नामेंट के पहले मैच में श्रेयस ने 42 गेंदों पर 97 रन की नाबाद पारी खेली जबकि लखनऊ के खिलाफ 30 गेंद खेलकर 52 रन बनाए। अब प्रशंसक उनको पंजाब को आईपीएल चैंपियन बनाने के

बाद मिलने वाले मिलने वाले उपहारों की भी मजाक में घोषणा करने लगो हैं। इसी को लेकर एक पोडकास्ट में पूछा गया कि अगर श्रेयस आईपीएल में पंजाब को चैंपियन बनाते हैं तो उनको क्या क्या मिलेगा।

पुरस्कार वितरण समारोह में सुपर जायंट्स का प्रतिनिधि नहीं होने पर सवाल उठे : लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स की हार के बाद टीम का कोई भी अधिकारी पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित नहीं रहा। एक रिपोर्ट के अनुसार, सुपर जायंट्स को समारोह के लिए अपने प्रतिनिधि को भेजना था क्योंकि वे मेजबान टीम थे पर उन्होंने ऐसा नहीं किया जबकि कुछ अधिकारियों के साथ ही गोयनका स्टेडियम में थे।

एसीसी के नए अध्यक्ष बने पीसीबी प्रमुख नकवी

दुबई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के नये अध्यक्ष बने हैं। नकवी श्रीलंका के शम्मी सिल्वा की जगह लेंगे। एसीसी अध्यक्ष पद सभी सदस्य देशों के बोर्ड प्रमुखों को मिलता रहता है। अब तक इस पद पर श्रीलंकाई बोर्ड के प्रमुख सिल्वा थे। नकवी साल 2027 तक इस पद पर बने रहेंगे। नकवी की अब पहली जिम्मेदारी एशिया कप के आयोजन की होगी। एशिया कप सितंबर में टी20 प्रारूप में ही खेला जाएगा। इसके आयोजन स्थल की घोषणा अभी होनी है। नकवी ने एसीसी अध्यक्ष बनने पर सभी का आभार जताते हुए कहा कि मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। नकवी ने कहा कि उनका लक्ष्य क्षेत्र में तेजी से विकास के लिए मिलकर काम करना रहेगा। उन्होंने कहा कि मैं खेल के विकास और वैश्विक प्रभाव को बढ़ाने के लिए सभी सदस्य बोर्ड के साथ काम करने को प्रतिबद्ध हूं। इस दौरान मेरा प्रयास सभी के साथ मिलकर नए अवसरों को खोजना रहेगा।, साथ ही कहा कि हम आपसी सहयोग को बढ़ावा देंगे और एशियाई क्रिकेट को ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। नकवी ने कहा कि मैं निवर्तमान एसीसी अध्यक्ष को भी उनके योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं। एसीसी बैठक वर्चुअली आयोजित की गई थी। इसमें भारतीय क्रिकेट बोर्ड का प्रतिनिधित्व उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने किया। वहीं निवर्तमान अध्यक्ष सिल्वा ने एसीसी सदस्यों के अलावा इसके पूर्व पमुख रहे भारत के जय शाह को भी धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि उनके नेतृत्व में एसीसी ने कई अहम उपलब्धियां हासिल की जिसमें एसीसी एशिया कप व्यावसायिक अधिकारों के लिए अब तक का सबसे अधिक मूल्य हासिल करना, नई कार्यक्रम संरचना शुरू करना और एशिया में क्रिकेट के निरंतर विकास का मार्ग प्रशस्त करना आदि है।

दोनों हाथ से गेंदबाजी करने वाले हैं कामिंदू

मुम्बई। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे ऑफ स्पिनर कामिंदू मेंडिस दोनो ही हाथों से गेंदबाजी करने के कारण सबके आकर्षण का केन्द बने हुए हैं। उन्होंने ईडन गार्डन में हुए पहले ही मैच में दोनों हाथों से गेंदबाजी करते हुए विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। वह आईपीएल इतिहास में ऐसा करने वाले पहले पुरुष गेंदबाज हैं। मेंडिस को टीम ने केवल 75 लाख रुपए में खरीदा पर उनका प्रदर्शन इससे कहीं अच्छा रहा है। वह श्रीलंका की टीम के लिए तीनों प्रारूपों में खेलते हैं। वहीं घरेलू क्रिकेट में वह कोलंबो क्रिकेट क्लब में शामिल हैं। मेंडिस ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरूआत अक्टूबर 2018 में टी20 प्रारूप में इंग्लैंड के खिलाफ की थी। इसके बाद से ही वह टेस्ट और एकदिवसीय में भी श्रीलंका की ओर से खेलते रहे हैं। वह गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते

है। उनके नाम कई रिकार्ड भी हैं। मेंडिस टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू के बाद से ही 8 मैचों में 50 से अधिक रन बनाने वाले टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहले बल्लेबाज हैं। उन्होंने अपने डेब्यू के बाद लगातार 8 टेस्ट मैचों में 50 से अधिक रन बनाए हैं। यह रिकॉर्ड उन्होंने साल 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ गॉल टेस्ट में बनाया था। मेंडिस ने मात्र 13 टेस्ट पारियों में 5 शतक लगाये हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ दो-दो। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ एक शतक लगाया है। इससे वह युवा टेस्ट बल्लेबाजों में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। इस क्रिकेटर ने 12 टेस्ट मैचों की 19 पारियों में 74.72 की औसत से 1,184 रन बनाए हैं, जिसमें 5 शतक और 4 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 200 रन है। मेंडिस ने अपने टेस्ट करियर में तेजी से 1,000 रन पूरे किए, जिसमें उनकी निरंतरता और बड़े स्कोर बनाने की क्षमता झलकती है। टेस्ट में सबसे तेज 1000 रन बनाने के मामले में उन्होंने डॉन ब्रैडमैन का रिकॉर्ड बराबर किया था। 19 एकदिवसीय में उनके नाम 353 और 23 टी20 मैचों में 381 रन हैं।

रोहित से बल्ला मांगते दिखे रिंकू , रहाणे ने दी विशेष जर्सी : कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज रिंकू सिंह सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच से पहले मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा से बैट मांगते दिखे। इसका एक विडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इसमें वह रोहित से बल्ला मांगते हुए दिखते हैं। इस दौरान तिलक वर्मा ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि अपने कोटे के बल्ले मांगने की जगह पर रोहित भाई से बल्ला मांग रहा है। ये वीडियो जमकर वायरल हुआ है। इस मामले के एक दिन बाद ही रिंकू को उनकी टीम ने विशेष जर्सी भेंट की क्योंकि वह टीम की ओर से 50वां मैच खेल रहे थे। इस कारण टीम ने उन्हें विशेष जर्सी देकर सम्मानित किया। सोशल मीडिया पर ये वीडियो वायरल होते ही कई कमेंट आने लगे। फैंस ने कहा, आखिर अपने ही रिंकू के काम आए। रोहित ने बल्ला तो दिया नहीं पर कोलकाता ने जर्सी देकर सम्मानित कर दिया।

अप्रैल के अंत तक ही दक्षिण अफ्रीका के कोच रहेंगे वाल्टर

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका की सीमित ओवरों की टीम के कोच रॉब वाल्टर ने कहा है कि वह इस महीने के अंत तक ही टीम के साथ रहेंगे। वाल्टर ने कहा है कि वह निजी कारणों से कोच पद छोड़ रहे हैं। वाल्टर 1 मार्च 2023 से ही कोच हैं और उनके मार्गदर्शन में ही टीम पहली बार आईसीसी टी20 20 विश्वकप के फाइनल में पहुंची थी। टीम को हालांकि फाइनल में भारतीय टीम से हार का सामना करना पड़ा था और वह उपविजेता रही थी। इसके अलावा भारत में हुए एकदिवसीय विश्वकप में भी टीम सेमीफाइनल में पहुंची थी। वाल्टर के कोच रहते ही दक्षिण अफ्रीका ने 36 एकदिवसीय और 31 टी20 मैच भी खेले थे। उसने नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज

में भी जीत हासिल की थी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी दक्षिण अफ्रीका की टीम सेमीफाइनल में पहुंची थी। वाल्टर ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका का कोच रहना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। हमने साथ मिलकर जो हासिल किया है उस पर मुझे बेहद गर्व है। इस पूरे सफर में खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ और दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट का काम शानदार रहा। हालांकि, अब मेरे लिए टीम से हटने का समय आ गया है। साथ ही कहा कि मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि टीम आगे बढ़ती रहेगी और और ज्यादा से ज्यादा ऊंचाइयों पर पहुंचेगी । वहीं क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने भी वाल्टर के काम की प्रशंसा की है और कहा है कि शीघ्र ही नये कोच की घोषणा की जाएगी।

हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस हैं रश्मिका

मुंबई। साउथ और बॉलीवुड एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना आज यानी की 05 अप्रैल को अपना 29वां जन्मदिन मना रही हैं। बीते साल रश्मिका मंदाना की फिल्म 'पुष्पा-2' ने सभी फिल्मों को पछाड़कर सबसे बड़ी सुपरहिट फिल्म का खिताब अपने नाम किया। वहीं एक्ट्रेस की फिल्म छावा भी सुपरहिट रही। अपने 9 साल के फिल्मी करियर में रश्मिका मंदाना ने साउथ और बॉलीवुड में 20 फिल्मों में काम किया है।

रश्मिका मंदाना का जन्म 05 अप्रैल 1996 को कर्नाटक के कुर्ग में हुआ था। एक्ट्रेस ने इंग्लिश लिटरेचर, साइकोलजी और जर्नलिज्म में बैचलर डिग्री ली। साल 2014 में रश्मिका ने कॉलेज के दिनों में क्लीन एंड क्लियर फ्रेश फेस का टाइटल जीता था। तभी डायरेक्टर ने रश्मिका मंदाना को क्लीन एंड क्लियर के एड में देखा और अपनी फिल्म किरिक पार्टी में ब्रेक दिया। यह फिल्म साल 2016 में आई थी।

रश्मिका ने साउथ और बॉलीवुड में अपनी जगह बनाने के लिए काफी संघर्ष किया है। एक समय ऐसा भी था, जब रश्मिका को पैसों की तंगी का सामना करना पड़ा था। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा भी था, जब उनके पेरेंट्स को घर ढूंढने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। तब उनके पास किराए के पैसे भी नहीं हुआ करते थे। लेकिन पेरेंट्स ने अपनी बेटी की खुशी को समझा और सपनों की ऊंची उड़ान भरने की इजाजत दी। वहीं अब एक्ट्रेस के पेरेंट्स अपनी बेटी का सक्सेस ग्राफ देखकर उनको प्राउड फील होता है। बता दें कि साल 2018 में रश्मिका मंदाना ने 'चालो' फिल्म के साथ तेलुगु डेब्यू किया था। इसी साल उन्होंने 'गीता गोविंदम' में काम किया। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई और इससे रश्मिका मंदाना को खूब शोहरत मिली। इसके बाद अभिनेता अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म पुष्पा ने रश्मिका के फिल्मी करियर को खूब ऊंचाई दी। इस फिल्म के बाद रश्मिका को न सिर्फ साउथ बल्कि बॉलीवुड में भी दर्शकों का खूब प्यार मिला। रश्मिका मंदाना ने फिल्म 'गुडबाय' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। इसके बाद वह अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ फिल्म 'मिशन मजनू' में नजर आई थीं। वहीं साल 2023 में आई फिल्म 'एनिमल' में एक्ट्रेस के किरदार को खूब सराहा गया था।

निर्माता गोकुलम गोपालन की संपत्तियों पर ईडी ने छापा मारा : रिपोर्ट्स

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने शुक्रवार, 4 अप्रैल, 2025 को मोहनलाल की एल2: एम्पुरान निर्माता, गोकुलम गोपालन की चेन्नई स्थित संपत्तियों पर छापा मारा। यह छापा फिल्म के राजनीतिक विषय पर विरोध प्रदर्शनों के बाद पड़ा। इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिलक के अनुसार, 27 मार्च, 2025 को रिलीज हुई मलयालम फिल्म ने रिलीज के पहले हफ़्ते में पूरे भारत में 88.25 करोड़ रुपये कमाए। सूत्रों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय तमिलनाडु और केरल में गोकुलम चिट फंड के परिसरों की तलाशी ले रहा है। सूत्रों के अनुसार, यह छापेमारी कथित विदेशी मुद्रा उल्लंघन मामले की जांच का हिस्सा है। सूत्रों ने बताया कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के प्रावधानों के तहत चेन्नई में तलाशी ली जा रही है। गोकुलम गोपालन के नाम से मशहूर एएम गोपालन श्री गोकुलम चिट्स के मालिक हैं, जिसके तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, पुडुचेरी, महाराष्ट्र, नई दिल्ली, आंध्र प्रदेश, पांडिचेरी और हरियाणा में कार्यालय हैं। उनके पास आतिथ्य, स्वास्थ्य, मीडिया, शिक्षा, परिवहन और रसद क्षेत्रों में व्यावसायिक शेयर हैं। एल2: एम्पुरान के निमार्ता और उनकी फर्मों ने 1000 करोड़ रुपये के ऋ्रटअ प्रावधानों का उल्लंघन किया है और बहुत सारे अनधिकृत लेनदेन का पता चला है। कुछ धोखाधड़ी के मामले दर्ज किए गए हैं और धन शोधन विरोधी कानून के तहत जांच चल रही है। विवाद सामने आने के बाद निर्माता ने आगे आकर दृश्यों और संवादों को हटाने पर टिप्पणी की। ईडी के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय गोकुलम गोपालन और उनकी कंपनी श्री गोपालन चिट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से जुड़े फेमा मामले में तमिलनाडु और केरल में कई राज्यों में तलाशी ले रहा है। सुपरस्टार मोहनलाल ने एल 2: एम्पुरान की रिलीज के तीन दिन बाद एक्शन-थ्रिलर में राजनीतिक और सामाजिक विषयों पर चिंताओं के बारे में माफी मांगी। रिपोर्ट के अनुसार केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने फिल्म में 17 कट लगाने का आदेश दिया है।

बॉलीवुड के आइकन थे मनोज

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिष्ठित बॉलीवुड अभिनेता और फिल्म निमार्ता मनोज कुमार के निधन पर शोक व्यक्त किया है, जिनका शुक्रवार की सुबह 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। दिग्गज अभिनेता कुछ समय से बीमार थे और उम्र संबंधी समस्याओं के कारण सुबह करीब 3.30 बजे कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में उनका निधन हो गया। पीएम मोदी ने एक्स पर अभिनेता के साथ एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए एक पोस्ट में कहा कि दिग्गज अभिनेता और फिल्म निमार्ता श्री मनोज कुमार जी के निधन से बहुत दुखी हूं। वह भारतीय सिनेमा के प्रतीक थे, जिन्हें विशेष रूप से उनके देशभक्ति के जोश के लिए याद किया जाता था, जो उनकी फिल्मों में भी झलकता था। मनोज जी के कामों ने राष्ट्रीय गौरव की भावना को प्रज्वलित किया और पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएँ उनके

परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति।

भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता और फिल्म निमार्ता मनोज कुमार का 4 अप्रैल, 2025 को 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में सुबह 4:03 बजे अंतिम सांस ली। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, उनकी मृत्यु का कारण तीव्र मायोकार्डियल इंफार्क्शन, एक गंभीर दिल का दौरा पड़ने के कारण कार्डियोजेनिक शॉक के रूप में पहचाना गया था। रिपोर्टों ने यह भी पुष्टि की कि कुमार पिछले कुछ महीनों से डीकंपेंसेटेड लिवर सिरोसिस से जूझ रहे थे, जिसने उनके स्वास्थ्य में गिरावट में योगदान दिया। 21 फरवरी, 2025 को उनकी हालत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 24 जुलाई, 1937 को अमृतसर, पंजाब में जन्मे हरिकृष्ण गोस्वामी ने हिंदी सिनेमा में अपने लिए एक अलग पहचान बनाई। शहीद, उपकार और रंग दे बसंती जैसी फिल्मों में उनकी प्रतिष्ठित भूमिकाएँ भारतीय जनता की देशभक्ति की भावनाओं से गहराई से जुड़ी थीं। अपने पूरे करियर के दौरान, कुमार राष्ट्रीय गौरव और एकता की भावना पर केंद्रित फिल्मों में अपने अभिनय और निर्देशन दोनों के लिए जाने जाते थे। भारतीय सिनेमा में कुमार के योगदान ने उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कार दिलाए, जिनमें एक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और विभिन्न श्रेणियों में सात फिल्मफेयर पुरस्कार शामिल हैं। भारतीय कला में उनके अपार योगदान के सम्मान में, भारत सरकार ने उन्हें 1992 में पद्म श्री से सम्मानित किया।

अमेरिकी जवाबी शुल्क की घोषणा के बाद घरेलू बाजारों में भीषण गिरावट

मुंबई। अमेरिका के जवाबी शुल्क की घोषणा के बाद एशियाई बाजारों में कमजोर रुझान के बीच बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। अमेरिका ने भारत पर 27 प्रतिशत का जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन का मानना है कि अमेरिकी वस्तुओं पर भारत उच्च आयात शुल्क वसूलता है, ऐसे में अब देश के व्यापार घाटे को कम करने और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाना जरूरी था। इस कदम से अमेरिका को भारत के निर्यात पर असर पड़ने के आसार हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि भारत अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में बेहतर स्थिति में है, जिन्हें हमसे अधिक शुल्क का सामना करना पड़ेगा। बीएसई सेंसेक्स 378.60 अंक या 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,238.84 अंक पर आ गया। बाद में यह 809.89 अंक या 1.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,807.55 अंक के निचले स्तर पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 80.60 अंक या 0.35 प्रतिशत फिसलकर 23,251.75 अंक पर आ गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा मोटर्स, अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, मारुति सुजुकी, जोमैटो और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर नुकसान में रहे। सन फार्मास्यूटिकल्स, एनटीपीसी, टाइटन, पावरग्रिड, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, इंडसइंड बैंक और लार्सन एंड टूब्रो के शेयर फायदे में रहे। बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.41 प्रतिशत जबकि स्मॉलकैप सूचकांक में 0.08 प्रतिशत की गिरावट आई।

एशियाई बाजारों में जापान के निक्की में तीन प्रतिशत, दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में एक प्रतिशत, चीन के शंघाई कम्पोजिट में 0.39 प्रतिशत और हांगकांग के हैंगसेंग में दो प्रतिशत की गिरावट आई। अमेरिकी बाजार बुधवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे।

मार्केट का हाल: भारत में अमेरिकी टैरिफ का काफी असर, सेंसेक्स में गिरावट जारी, निफ्टी 23,104 पर

मुंबई। भारतीय शेयर बाजारों में शुक्रवार को गिरावट जारी रही, जबकि एशियाई बाजार अभी भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए पारस्परिक टैरिफ के प्रभाव से जूझ रहे हैं। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सुबह के कारोबार में 591.05 अंक या 0.77 प्रतिशत गिरकर 75,704.31 अंक पर आ गया। एनएसई निफ्टी 202.55 अंक या 0.87 प्रतिशत गिरकर 23,047.55 अंक पर आ गया।

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, लार्सन एंड टूब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज, मारुति सुजुकी इंडिया, इंडसइंड बैंक, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज और अडानी पोर्ट्स शामिल थे। इसके विपरीत एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, महिंद्रा

एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, नेस्ले इंडिया और हिंदुस्तान यूनिलीवर को लाभ हुआ।

बाजार में अनिश्चितता का दौर जारी है, जो कुछ समय तक जारी रहने की संभावना है। ट्रंप ने व्यापार युद्ध छेड़ दिया है और चीन, यूरोपीय संघ और अन्य देशों की ओर से जवाबी टैरिफ लगाए जाने की संभावना है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया, इससे बाजार में अनिश्चितता और भ्रम की स्थिति और बढ़ेगी।

ट्रम्प ने भारत से आयात पर 27 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जो कई एशियाई समकक्षों पर लगाए गए टैरिफ से कम है, जिनमें थाईलैंड पर 36 प्रतिशत और इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत टैरिफ शामिल है। शुक्रवार को एशियाई बाजारों में भी गिरावट देखी गई, क्योंकि वॉल स्ट्रीट में कोविड-19 के प्रभाव के बाद से अभूतपूर्व स्तर का झटका लगा।

टोक्यो का निक्केई 225 2.6% गिरकर 33,818.18 पर आ गया, और कोरिया का कोस्पी 0.8% गिरकर 2,467.14 पर आ गया, क्योंकि दोनों देशों ने ट्रम्प प्रशासन के साथ कम टैरिफ पर बातचीत की। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 1.9% गिरकर 7,713.60 पर आ गया। एसएंडपी 500 गुरुवार को 4.8% गिरकर 5,396.52 पर आ गया, जो एशिया और यूरोप के प्रमुख बाजारों की तुलना में अधिक है, जो 2020 में महामारी के कारण अर्थव्यवस्था के चरमराने के बाद से इसका सबसे खराब दिन था। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 4% गिरकर 40,545.93 पर और नैस्डैक कंपोजिट 6% गिरकर 16,550.61 पर आ गया।

टैरिफ नीति : सिर्फ अमीर ही खरीद सकेंगे आई फोन, अब बढ़ेंगे दाम

मुंबई। डोनाल्ड ट्रंप ने दो अप्रैल को टैरिफ नीति को लागू कर दिया है, जिससे कई लोगों के जीवन पर असर पड़ने वाला है। इस बार एप्पल के आईफोन के कारण ये टैरिफ नीति फिर से सुर्खियों में आ गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाया गया 'रिसिप्रोकल टैरिफ' ट्रेड वर्ल्ड वॉर की संभावना को बढ़ा रहा है।अगर एप्पल अपने यूजर्स पर भी ये एक्सट्रा लागत डालेगा तो आईफोन की कीमत लगभग 2,300 डॉलर तक पहुंच सकती है। आईफोन का निर्माण मुख्य रूप से चीन में होता है, जहां अब 54% का भारी टैरिफ लगा दिया गया है। यह टैरिफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन से आयातित सामान पर लगाया गया है, जिसमें आईफोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी शामिल हैं। ऐसे में एप्पल के पास दो विकल्प हैं: या तो वह इस टैरिफ की लागत खुद वहन करे, या फिर इसे ग्राहकों पर डाल दे। इसका मतलब है कि एप्पल को या तो अपने मुनाफे में कटौती करनी होगी या फिर आईफोन की कीमतें बढ़ानी होंगी। आईफोन की कीमत में 30 से 40 फीसदी तक इजाफा हो सकता है। आईफोन 16 जो $799 में $799 की कीमत पर लॉन्च हुआ था, इसकी कीमत अब $1,142 तक पहुंच जाएगी। एप्पल के आईफोन के अलावा इसके अन्य डिवाइस भी महंगे हो सकते है। सीएफआरए के जानकारों का कहना है कि एप्पल अपने यूजर्स पर सिर्फ पांच से 10 फीसदी की लागत ही लगा सकेगा। एप्पल कंपनी फिलहाल कीतम में बड़ा बदलाव नहीं करेगी खासतौर से आईफोन 17 के लॉन्च होने तक। एप्पल कुछ निर्माण भारत और वियतनाम जैसे देशों में शिफ्ट कर रहा है। टैक्स 26 से 46 फीसदी होने के कारण कीमत में अधिक फर्क नहीं आएगा।

गोरखपुर में 967 वक्फ संपत्ति, भेजी गई रिपोर्ट

यह है हाल : वर्ष 1986 में हुए गजट प्रकाशन में वक्फ संपत्तियों की संख्या जिले में 1466 थी

गोरखपुर। जिले में कुल 967 वक्फ संपत्ति हैं। इनमें आधे से अधिक पर अवैध कब्जेदार काबिज हैं तो कई सरकारी भूमि पर भी वक्फ की आड़ में कब्जा है। तहसीलों की रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में ऐसी 346 ग्राम सभा की संपत्ति वक्फ के नाम पर कब्जे में है। इनमें सर्वाधिक 115 सदर तहसील की है तो 63 सहजनवां, 37 चौरीचौरा, 34 बांसगांव, 33 खजनी, 31 कैंपियरगंज और 33 संपत्ति गोला तहसील की है। ज्यादातर राजस्व अभिलेखों में कब्रिस्तान के रूप में दर्ज हैं।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के मुताबिक वर्ष 1986 में हुए गजट प्रकाशन में वक्फ संपत्तियों की संख्या जिले में 1466 थी, लेकिन तब मंडल के अन्य जिलों की भी कुछ वक्फ संपत्तियां इसमें शामिल कर ली गईं थी, क्योंकि गोरखपुर का दायरा उस समय मंडल के दूसरे जिलों तक था। वक्फ संशोधन बिल को लेकर शासन स्तर पर शुरू हुई कवायद के क्रम में सर्वे कर जो रिपोर्ट शासन को भेजी गई, उसमें गोरखपुर में वक्फ संपत्ति की संख्या 967 ही दर्ज की गई है।

इनमें तीन शिया वक्फ जबकि बाकी 964 सुन्नी वक्फ की। जिले में सर्वाधिक 503 संपत्ति सदर तहसील में तो सबसे कम 54 वक्फ संपत्ति कैंपियरगंज में है। जिला प्रशासन के मुताबिक वक्फ संपत्ति से संबंधित रिपोर्ट शासन को भेजी जा चुकी है। वहां से जैसा दिशा निर्देश जारी होगा, उसी अनुसार आगे की कार्रवाई होगी।

उधर, लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पास होने के साथ ही मुस्लिम समाज में बेचैनी बढ़ गई है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग समेत तहसीलों में भी वक्फ की संपत्ति को लेकर गहमागहमी का माहौल रहा। लोग वक्फ संपत्ति से संबंधित मामलों में पैरवी, शिकायत की स्थित आदि पर चर्चा करते सुने गए।

वक्फ की सर्वाधिक कीमती संपत्तियां सदर तहसील में हैं। इनमें भी शहरी क्षेत्र में ज्यादा संपत्तियां है। 60 प्रतिशत से अधिक संपत्ति पर विवाद है। तथ्य छिपाकर कई स्थानों पर वक्फ के लिए दान की गई संपत्तियों का भी बैनामा कर दिया गया। कई स्थानों पर बड़ी-बड़ी इमारतें भी खड़ी हो गई हैं। तमाम ऐसे मकान हैं जहां लोगों की दो से तीन पीढ़ियां रहते आ रही हैं।

कब्रिस्तान तेलगढ़िया तुर्कमानपुर-बेतियाहाता राजस्व अभिलेखों में कब्रिस्तान दर्ज है, लेकिन कई लोगों ने मकान बनवा लिया है। वहां कुछ भूखंड पर भी अतिक्रमण है। इसी तरह शहर के मोहद्दीपुर, बक्शीपुर, मुफ्तीपुर, मियां बाजार, कुसम्ही, बहरामपुर, रामनगर करजहां, ताज पिपरा, मुडेरी गढवा, पिपराइच, जंगल अहमद अली शाह उर्फ तुरा और दीवान बाजार आदि में वक्फ संपत्ति पर अवैध कब्जा है।

अवध के नवाब आसिफुद्दौला ने 18वीं शताब्दी में किए वक्फनामे में 'मुकम्मल मियां बाजार' लिखकर संपत्ति दान की थी। यानी संपूर्ण मियां बाजार वक्फ में था, लेकिन कालांतर में यहां की जमीन बिकती गई और दूसरे लोगों के नाम दर्ज होते गए। इस मोहल्ले में वक्फ के नाम पर अब इमामबाड़ा व कुछ अन्य संपत्तियां बची हैं। दूसरी जगहों पर विधिक रूप से अन्य लोग निवास कर रहे हैं।

अभिलेखों के मुताबिक डोमिनगढ़ में भी 39 एकड़ भूमि वक्फ के नाम दर्ज है। लेकिन, मौके पर कई मकान बन चुके हैं। राजस्व अभिलेखों में सभी के नाम भी दर्ज है। वक्फ संख्या 129 दरगाह हजरत सैयद सालार मसूद गाजी बाले मियां बहरामपुर का वक्फ क्षेत्रफल करीब 45 बीघा है। वहां भी कई लोगों का अतिक्रमण है। ट्रिब्यूनल ने फैसले में इसे वक्फ संपत्ति नहीं बताया है। मामला अभी बोर्ड को संदर्भित है।

डिमांड नहीं हुई पूरी तो काटकर ड्रम में भरवा दूंगी, पत्नी ने दी धमकी

प्रयागराज। प्लास्टिक का ड्रम और सीमेंट...। किसी की जुबान से यह शब्द सुनते ही शादीशुदा व्यक्ति के दिमाग में मेरठ की लोमहर्षक घटना कौंधने लगती है। उसे अनजान डर भी सताने लगता है। देशभर में चर्चित हुई इस घटना के बाद इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर तमाम डिजिटल क्रियेटर्स ने रील बनाकर भी प्रसारित किया, जिसे देखते ही लोगों की याद ताजा हो जाती है। दिल को झकझोर देने वाली पश्चिमी उत्तर प्रदेश की घटना के अंदाज में ही एक गायक को धमकी मिली है।

पत्नी ने धमकाया कि डिमांड पूरी नहीं हुई तो काटकर ड्रम में भरवा दूंगी। इससे गायक परेशान हो गया और भागकर फाफामऊ थाने पहुंचा। वहां पर पत्नी के खिलाफ लिखित शिकायत दी। वापस घर पहुंचा तो पत्नी कमरा छोड़कर जा चुकी थी, जिसके बाद वह और डर

गया। फिलहाल शिकायत के आधार पर फाफामऊ पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बताया गया है कि मांडा थाना क्षेत्र में रहने वाला एक व्यक्ति गायक और कलाकार है। उसका इंस्टाग्राम पर एकाउंट है। गायक का कहना है कि इंस्टाग्राम के माध्यम से ही उसकी दोस्ती फिरोजाबाद निवासी एक युवती से हुई। बातचीत आगे बढ़ने पर युवती के भाई से भी संपर्क।

इसके बाद उसने युवती से वर्ष 2023 में कोर्ट मैरिज कर लिया और पुराना फाफामऊ में किराए पर कमरा लेकर रहने लगा। गायक का आरोप है कि साथ रहने के दौरान पत्नी कभी पैसा तो कभी नए कपड़े और दूसरे तरह की फरमाइश करने लगी। रोजाना कुछ न कुछ मांगती, जिसको लेकर विवाद शुरू हो गया।

झगड़ा बढ़ने पर उसने हत्या करने और करवाने की धमकी देने लगी। हद तो तब हो गई, जब उसने बुधवार को धमकाया कि मेरठ वाली घटना की तरह उसे भी काटकर ड्रम में भरवा देगी। इससे वह भयभीत हो गया और जान का खतरा मंडराने लगा। तब गायक पति भागकर थाने पहुंचा और पत्नी के खिलाफ लिखित शिकायत दी। तहरीर पढ़कर कुछ पुलिसकर्मी भी चौंक गए। थानाध्यक्ष फाफामऊ अश्वनी कुमार सिंह का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पीड़ित की पत्नी घर पर नहीं है।

एकतरफ प्यार में दो की मौत

भाई की साली को गोली मारी, खुद पर भी किया फायर

आगरा। एत्मादपुर के रहनकलां गांव में बुधवार को युवक ने भाई की ससुराल पहुंचकर साली की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद युवक ने खुद को भी गोली मारकर जान दे दी। दोनों के शव कमरे में पड़े मिले। मामला आपसी होने के कारण दोनों के स्वजन चुप्पी साधे रहे। देर शाम तक पुलिस को भी शिकायतीपत्र नहीं दिया गया। पुलिस दोनों के शवों का पोस्टमार्टम कराने के साथ ही मामले की जांच कर रही है। फिरोजाबाद के नगला सिंघी थाना क्षेत्र के गांव बजेरा निवासी अभिषेक की एत्मादपुर थाना क्षेत्र के गांव रहनकलां में ससुराल है। बुधवार सुबह करीब 10.30 बजे अभिषेक का छोटा भाई 20 वर्षीय दीपक कुमार बाइक से रहनकलां गांव में भाई की ससुराल पहुंचा और 20 वर्षीय साली ज्योति की तलाश करने लगा।

जानकारी के अनुसार सास सुनीता देवी ने दीपक से चाय-नाश्ते के बारे में पूछा तो उसने भाई और कोल्डड्रिंक की इच्छा जताई। सुनीता देवी फ्रिज से कोल्डड्रिंक और पानी लेने के लिए चली गईं। इसी दौरान युवक ज्योति को हाथ पकड़कर घर के एक कमरे में ले गया और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। करीब 15 मिनट तक बातचीत करने के बाद तमंचे से ज्योति को गोली मारने के बाद दीपक ने खुद की कनपटी पर गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर सुनीता देवी व अन्य स्वजन और ग्रामीण दौड़कर मौके पर पहुंचे। मौके ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा तोड़ा तो दोनों के शव पड़े हुए थे। जानकारी मिलने पर युवक के स्वजन भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस के अनुसार ज्योति से दीपक एकतरफा प्यार करता था। वह शादी करना चाहता था, लेकिन युवती और स्वजन शादी के लिए तैयार नहीं थे। शादी करने से मना करने पर ही युवक ने वारदात को अंजाम दिया।

एसीपी पीयूषकांत राय ने बताया कि युवती को गोली मारने के बाद युवक ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। दरवाजा तोड़कर पुलिस टीम कमरे में दाखिल हुई तो दोनों के शव पड़े हुए थे। तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। युवक लगातार युवती से शादी करने का दबाव बना रहा था। बुधवार को वह घर से तैयारी करके आया था।

अतीक के बेटे ने की टीवी की डिमांड

नैनी। बहुचर्चित उमेश पाल और उनके दो सरकारी गनर की हत्या समेत कई मामले में सलाखों के पीछे कैद माफिया अतीक का बेटा अली बाहरी दुनिया के बारे में जानने जानना चाहता है। इसके लिए उसने कोर्ट में अर्जी देकर टीवी की मांग की है। जेल प्रशासन ने इस बारे में अपना जवाब कोर्ट में दाखिल किया है, जिसमें कहा गया है जेल मैनुअल में ऐसी कोई सुविधा नहीं है। माफिया अतीक अहमद का बेटा अली अहमद सेंट्रल जेल नैनी के हाई सिक्योरिटी बैरक में बंद है। उमेश पाल की हत्या की साजिश में शामिल होने के साथ ही रंगदारी मांगने सहित कई मुकदमे उस पर कायम हैं। गैंगस्टर का भी केस लिखा गया है, जिसमें वह गैंग लीडर है। सलाखों की पीछे कैद अली अहमद की हर गतिविधि पर सीसीटीवी के जरिए नजर रखी जाती है। बताया गया है कि अली ने बीते दिनों अदालत में प्रार्थना पत्र देकर अपने बैरक में एलईडी टीवी लगवाने की मांग की थी।

गोरखपुर डबल मर्डर में पुलिस के खाली हाथ

गोरखपुर। चौरीचौरा के ग्राम शिवपुर चकदहा में हुए दोहरे हत्याकांड में पांच दिन बीतने के बाद भी पुलिस अभी तक हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद नहीं कर पाई है। गुरुवार को पुलिस टीम ने गांव में घूम-घूमकर मृतका पूनम के पट्टीदारों और अन्य ग्रामीणों से पूछताछ की, लेकिन अभी तक कोई ठोस सबूत हाथ नहीं लगा है।

इस दोहरे हत्याकांड को सुलझाने के लिए पुलिस ने अब तक 15 से अधिक लोगों से पूछताछ की है। इसके बावजूद कोई भी ऐसा नाम सामने नहीं आया है, जिसे स्पष्ट रूप से घटना में शामिल माना जा सके। पीड़ित परिवार अब भी नामजद आरोपितों पर ही हत्या का आरोप लगा रहा है, लेकिन पुलिस को उनके विरुद्ध पुख्ता सबूत नहीं मिल पाए हैं।

गांव में पुलिस की सख्त निगरानी के बीच माहौल धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है, लेकिन हत्याकांड को लेकर अब भी चर्चा जारी है। पूनम और उनकी बेटी अनुष्का की हत्या किसने और किस हथियार से की, इस पर गांव के अलग-अलग लोग अपनी राय दे रहे हैं। हालांकि, गांव में शाम होते ही सन्नाटा पसर जा रहा है। पीड़ित परिवार की सुरक्षा व शांति व्यवस्था के लिए गांव में पीएसी के जवान अब भी तैनात हैं।

पुलिस ने पट्टीदारों से की पूछताछ

पूनम और अनुष्का की चीख घर से दस मीटर की दूरी पर रहने वाले संगे चाचा जितेंद्र के घर तक सुनाई देनी चाहिए थी, लेकिन उन्होंने कोई आवाज नहीं सुनी। जितेंद्र की बेटी संजना का कहना है कि उसने घटना की जानकारी अपने भाई नीतेश को फोन कर घटना की सूचना पुलिस की पूछताछ में यह सामने आया कि नीतेश ने घटना की रात करीब एक बजे स्नान किया था। पुलिस को यह तथ्य संदिग्ध लग रहा है, और इसी कारण उसने नीतेश और उसके दोस्तों से पूछताछ कर उनके मोबाइल नंबर भी ले लिए हैं।

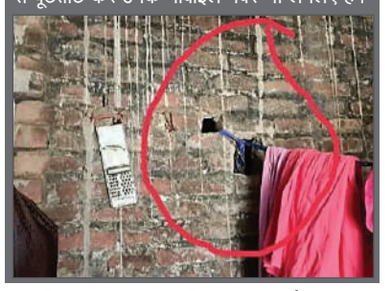

आरोपित संजय अपने पिता सरजू और भाई के साथ छत के रास्ते घर में घुसा था। लेकिन इस दावे पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि संजय के पिता सरजू की उम्र 60 वर्ष से अधिक है। ऐसे में पुलिस इस तथ्य की गहराई से जांच कर रही है कि क्या इतनी उम्र में सरजू छत पर चढ़कर वारदात में शामिल हो सकते थे?

पूनम की हत्या के बाद बेटे विशाल की मानसिक स्थिति बेहद खराब है। बेंगलुरु से लौटने के बाद से वह मां और बहन की हत्या के गम में डूबा हुआ है। रिश्तेदारों से मिलने के दौरान वह कई बार रोते-रोते बेसुध हो जाता है। मीडिया, पुलिस और नेताओं के सवालों का जवाब विशाल की बहन खुशबू ही दे रही है। अगर विशाल कुछ बोलना भी चाहता है, तो खुशबू उसे रोककर खुद ही उत्तर देती है।

पूनम और अनुष्का हत्याकांड की चश्मदीद गवाह खुशबू ने पुलिस को बताया कि उसने कमरे के झरोखे से कातिलों के पैर देखे थे और उनकी आवाज भी सुनी थी। हालांकि, उसने उनके चेहरे नहीं देखे। खुशबू का दावा है कि आवाज सुनकर वह पहचान गई कि कौन लोग उसकी मां और बहन की हत्या करने आए थे। पुलिस अब इस बयान के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है।

जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव, एसपी उत्तरी ने कहा कि एक नामजद आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। घटना से जुड़े सभी पहलुओं की छानबीन चल रही है।जल्द ही गुत्थी सुलझा ली जाएगी।

सपा सांसद रामजीलाल के खिलाफ खोल दिया मोर्चा

आगरा। आरजेपी (राष्ट्रवादी जनलोकपार्टी सत्य) पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शेर सिंह राणा गुरुवार दोपहर आगरा पहुंचे। शहर पहुंचने के बाद उन्होंने एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के खिलाफ प्रदर्शन में घायल युवाओं का हालचाल जाना। शेर सिंह राणा ने सीएम योगी से रामलजीलाल सुमन के खिलाफ एनएसए एक्ट लगा एक साल तक बाबर की कब्र के पास बंद रखे जाने की बात कही।

मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी अपने नेता के दिए बयान पर अब दलित कार्ड खेलने का प्रयास कर रही है, जिस पर मायावती ने विराम लगा दिया। बोले, हमारी पार्टी चाहती है 12 अप्रैल को होने वाले रक्त स्वाभिमान सम्मेलन में मायावती भाग लें। जिसमें हम सभी मिलकर सपा और उनके राज्यसभा सदस्य की राष्ट्र विरोधी सोच के खिलाफ आवाज बुलंद कर सकें।

जीभ काटने पर 51 हजार देने की घोषणा : मंगलवार को भाजपा कार्यकर्ता चिरंजीवी मिश्र उर्फ मोंटी मिश्र ने सपा सांसद रामजी लाल सुमन पर प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र भेजा था। उनका कहना है कि सांसद की टिप्पणी वीर क्रांतिकारी व देश प्रेमी राणा सांगा की छवि पर धब्बा लगाने जैसी है। इसके लिए उन्होंने सांसद की जीभ काटने वाले को 51 हजार रुपये नकद देने का भी वादा किया है।

युवती की हत्या कर जंगल में दफनाया शव

बदायूं। 19 फरवरी से लापता महिला डांसर मुस्कान की गला घोंटकर हत्या कर दी गई और उसके शव को उझानी कोतवाली क्षेत्र के गांव रनऊ के जंगल में दफना दिया गया। उसकी हत्या अल्लापुर भोगी की प्रधान के पति ने अपने दो साथियों की मदद से की थी। रविवार को पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और उनकी निशानदेही पर ही महिला डांसर का शव बरामद कर लिया। दोपहर बाद उसका पोस्टमार्टम कराया गया, जिसमें गला घोंटकर हत्या बताई गई। रविवार देर शाम को पुलिस ने इसका राजफाश करते हुए तीनों आरोपितों को जेल भेज दिया।

एसपी सिटी अमित किशोर श्रीवास्तव ने बताया कि 28 फरवरी को दातागंज कोतवाली क्षेत्र के गांव हासिमपुर निवासी नूर हसन अपने परिवार वालों के साथ सिविल लाइंस थाने आए थे। उन्होंने बताया था कि उनकी भांजी मुस्कान 19 फरवरी से लापता है। वह मूलरूप

से हासिमपुर गांव की रहने वाली थी और वर्तमान समय में सिविल लाइंस क्षेत्र के जहानबाद गालिम पट्टी में रह रही थी। उसके यहां उझानी कोतवाली क्षेत्र के गांव अल्लापुर भोगी की महिला प्रधान का पति रिजवान आता-जाता था।

उन्हें शक है कि रिजवान ही मुस्कान को कहीं ले गया है और शायद उसकी हत्या कर दी है। इस पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्जकर विवेचना शुरू कर दी थी। पहले विवेचना रोडवेज चौकी प्रभारी राहुल कुमार कर रहे थे। बाद में विवेचना एसआई चमन गिरि को सौंप दी गई।

उनकी जांच पड़ताल में कई तथ्य सामने आए। उनके आधार पर रविवार सुबह पुलिस ने रिजवान को गिरफ्तार कर लिया। उसके बताए अनुसार उझानी कोतवाली क्षेत्र के गांव नरऊ निवासी रामऔतार और राधेश्याम उर्फ हलवाई को गिरफ्तार कर लिया गया। जब उनसे पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि महिला डांसर रिजवान की प्रेमिका थी। उससे रिजवान ने शादी कर ली थी। उसका एक बेटा भी है।

पहले वह खर्चे को 10 हजार रुपये लेती थी, लेकिन बाद में उसने 40 हजार रुपये मांगना शुरू कर दिए थे। इससे परेशाा रिजवान ने अपने दोनों साथियों की मदद से रनऊ के जंगल में ले जाकर उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी और वहीं एक खेत में उसका शव दफन कर दिया। दोपहर के समय इंस्पेक्टर मनोज कुमार सिंह उन्हें अपनी पुलिस टीम के साथ रनऊ ले गए और उनकी निशानदेही पर शव को बरामद कराया। उसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया, जिसमें गला घोंटकर हत्या बताई गई। इससे शाम के समय पुलिस ने तीनों आरोपितों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

70-70 हजार के लालच में हत्यारोपित बने रामऔतार और राधेश्याम

मुस्कान और रिजवान के मामले में रामऔतार व राधेश्याम का कोई मतलब नहीं था, लेकिन वह लालच में आकर हत्यारोपित बन गए। जब मुस्कान रिजवान से 40 हजार रुपये मांग रही थी तो इसके बारे में सबसे पहले रिजवान ने रामऔतार को बात बताई थी और उसे 70 हजार रुपये का लालच दिया था। इसमें सहयोग के लिए राधेश्याम को भी शामिल कर लिया गया था। फिर उसे भी 70 हजार रुपये दिए थे। इससे रामऔतार और राधेश्याम भी हत्या में शामिल हो गए।

तीन डंपर आपस में टकराए, आग में जलकर ड्राइवर और क्लीनर की मौत

अयोध्या। अयोध्या के इनायतनगर के सेवरा मोड़ के पास रायबरेली हाईवे पर भीषण हादसा हो गया। तीन डंपर आपस में टकरा गए, जिसके बाद एक डंपर में आग लग गई। आग में जलकर पीछे वाले डंपर के ड्राइवर और क्लीनर की मौत हो गई। हादसा बुधवार की सुबह करीब चार बजे हुआ है। आगे वाले डंपर के ड्राइवर ने अचानक ब्रेक मारी, जिसकी वजह से पीछे आ रहे दोनों डंपर एक दूसरे से टकरा गए। हादसा इतना जबरदस्त था कि एक डंपर में आग लग गई। डंपर में फंसे ड्राइवर और क्लीनर की जलकर दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में एक डंपर के चालक और खलासी की झुलसने से मौत हो गई। दोनों वाहन के अंदर ही जल गए। पुलिस क्षेत्राधिकारी श्रीयश त्रिपाठी ने फोर्स के साथ मौके पर पहुंच कर बचाव कार्य आरंभ कराया। अग्निशमन दल काफी मशक्कत के बाद वाहनों में लगी आग को शांत कर पाया। आग शांत होने के बाद ट्रक में फंसे दोनों शवों को बाहर निकाला जा सका। हादसे के बाद हाईवे पर काफी अफरातफरी का माहौल रहा। अयोध्या के रहने वाले ट्रांसपोर्टर अमरजीत मौर्य का डंपर आगे चल रहा था। उसके पीछे दो डंपर और आ रहे थे। आगे चल रहे डंपर के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिससे पीछे चल रहे दो अन्य डंपर सहित तीनों वाहन एक-दूसरे से टकरा गए। दूसरा डंपर लखनऊ के राम इंटरप्राइजेज है, जिसके मालिक रजनीखंड निवासी शिखर मिश्रा हैं। सबसे पीछे चल रहा डंपर कानपुर के घाटमपुर निवासी अब्दुल हामिद का है। वाहन स्वामियों ने पुलिस को बताया कि उनके डंपर गिट्टी लेकर अयोध्या जा रहे थे। हादसे में मृत चालक और खलासी की काफी देर तक पहचान नहीं हो सकी। वाहन नंबर के माध्यम से पुलिस ने दोनों शवों की पहचान की। ड्राइवर का नाम अमित प्रजापति और खलासी का नाम सेवापुरी कुरील था। दोनों कानपुर जिले के घाटमपुर परास के निवासी थे। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि मृत चालक और खलासी सबसे पीछे चल रहे ट्रेलर के थे।

सीएम ने प्रयागराज में 579 करोड़ की विकास परियोजनाओं का किया शिलान्यास

प्रयागराज। सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ की तैयारी के दौरान वक्फ बोर्ड ने दावा किया था कि कुंभ की भूमि उनकी है। यह माफिया बोर्ड बन गया था। लेकिन पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने इसकी मनमानी पर लगाम लगा दी है। सीएम योगी ने कहा कि वक्फ बोर्ड से संबंधित एक महत्वपूर्ण अधिनियम लोकसभा में पारित हो चुका है और जल्द ही राज्यसभा में भी पास होगा, जिससे यह केवल कल्याणकारी कार्यों तक सीमित रहेगा। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में किसी भी प्रकार की माफियागीरी नहीं चलेगी, यहां के माफिया को तो हम पहले ही विदा करवा चुके हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के प्रिय सखा भगवान निषादराज गुहा के जन्मोत्सव के अवसर पर प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर पहुंचे थे। सीएम योगी ने यहां प्रभु श्री राम एवं राजा निषाद से जुड़ी कथाओं तथा एक जनपद-एक उत्पाद (ओडीओपी) पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रयागराज में 579 करोड़ रुपये की

181 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास भी किया ।

सीएम योगी ने श्रृंगवेरपुर में भगवान श्री राम और निषाद राज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि निषाद राज पार्क भगवान राम व निषाद राज की मित्रता का भव्य स्मारक है। सीएम योगी ने पार्क का निरीक्षण किया और कहा कि हजारों वर्ष पहले इसी पावन धरा पर भगवान राम ने कदम रखा था। निषाद राज ने मित्रता का धर्म निभाते हुए भगवान राम को गंगा पार कराई और चित्रकूट तक उनका साथ दिया। आज वही मित्रता बीजेपी और निषाद पार्टी के बीच दिख रही है। यह इतिहास फिर दोहराया जा रहा है। उन्होंने श्रृंगवेरपुर को आध्यात्मिक और पर्यटन केंद्र बनाने की घोषणा करते हुए कहा कि जहां भगवान राम ने रात्रि विश्राम किया था, वहां घाटों का निर्माण और सुंदरीकरण होगा। महर्षि श्रृंगी और माता शांता के मंदिर का जीर्णोद्धार, संस्कृत विद्यालय, और विद्युत शोध गृह भी बनाया जाएगा। उन्होंने पार्क के रखरखाव और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाओं के निर्देश दिए। इस दौरान सीएम योगी ने निषाद समुदाय के उत्थान के लिए कई योजनाओं की सौगात दी। उन्होंने निषाद राज वोट सब्सिडी योजना के तहत 1100 नाविकों को 3.20 करोड़ रुपये, मत्स्य संपदा योजना के तहत 1400 मत्स्य पालकों को 20 करोड़ रुपये, और किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए 138 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए। सीएम योगी ने कहा कि पहले यह पैसा बिचौलियों के पास जाता था, लेकिन अब डबल इंजन की सरकार इसे सीधे लाभार्थियों तक पहुंचा रही है। उन्होंने प्रशासन को निषाद समुदाय के लिए सीएनजी नौकाएं और रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिए।

सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ 2025 की सफलता प्रयागराज की नई पहचान का आधार बना है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज पर मां गंगा की असीम कृपा है। महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए। दुनिया का कौन सा देश और भारत का कौन सा प्रदेश ऐसा था, जो यहां नहीं पहुंचा? त्रिवेणी संगम में स्नान कर हर कोई पुण्य का भागीदार बना। उन्होंने कहा कि अब प्रयागराज को वाराणसी के बगल में बताने की जरूरत नहीं, यह अपनी वैश्विक पहचान बना चुका है। सीएम योगी ने कहा कि प्रयागराज का अर्थ है महामिलन स्थल। यहां गंगा-यमुना-सरस्वती का मिलन है, तो भगवान राम और निषाद राज का मिलन भी है। मैं निषादराज जयंती और नवरात्रि की शुभकामनाएं देता हूं।

सीएम योगी ने वक्फ बोर्ड की मनमानी पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि महाकुंभ की तैयारी के दौरान वक्फ बोर्ड ने दावा किया था कि कुंभ की भूमि उनकी है। यह माफिया बोर्ड बन गया था। लेकिन पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने इसकी मनमानी पर लगाम लगाई। उन्होंने बताया कि वक्फ बोर्ड से संबंधित एक महत्वपूर्ण अधिनियम लोकसभा में पारित हो चुका है और जल्द ही राज्यसभा में भी पास होगा, जिससे यह केवल कल्याणकारी कार्यों तक सीमित रहेगा। सीएम योगी ने कहा कि यह बोर्ड भू माफिया बोर्ड हो गया है क्या, उत्तर प्रदेश में किसी भी प्रकार का माफिया नहीं चल सकते हैं, यहां के माफिया को तो हम पहले ही विदा करवा चुके हैं। सीएम योगी ने कहा कि निषाद राज के पौराणिक भूमि पर कब्जा और जगह-जगह शहरों पर भी वक्फ के नाम पर कब्जे किए गए। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें प्रयागराज की पहचान मिटाने और माफियाओं को बढ़ावा देने में लगी थीं। हर जिले में माफिया पनप रहे थे। लेकिन हमने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर माफियाओं को विदा किया। श्रृंगवेरपुर और प्रयागराज की पौराणिक भूमि पर कब्जे की कोशिशें नाकाम की गईं।ह्व सीएम ने पीएम मोदी के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह उनकी दूरदर्शिता का परिणाम है कि महाकुंभ भव्य और दिव्य हुआ।

सीएम योगी ने किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से मत्स्य पालकों को 138 करोड़ रुपये का ऋण और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों को अनुदान राशि का वितरण भी किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी', डॉ संजय कुमार निषाद, नरेन्द्र कुमार कश्यप, रामकेश निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीके सिंह, महापौर उमेश गणेश केसरवानी, विधायक डॉ. सिद्धार्थनाथ सिंह, डॉ. केपी श्रीवास्तव, एमएलसी सुरेन्द्र चौधरी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, पूजा पाल समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

महाकुंभ की सफलता सनातन धर्म की शक्ति का प्रतीक

सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ की सफलता सनातन धर्म की शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इतना भव्य आयोजन केवल राम भक्त और राष्ट्रनिष्ठ लोग ही कर सकते हैं। यह मां गंगा, भगवान राम, निषाद राज और द्वादश माधव की कृपा का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ में योगदान देने वाले प्रशिक्षित गाइड, नाविकों और होम स्टे संचालकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कहा कि महाकुम्भ के बहाने प्रयागराज का चौतरफा विकास हुआ है। हनुमान जी कॉरिडोर, अक्षयवट कॉरिडोर, मां सरस्वती कॉरिडोर, पातालपुरी कॉरिडोर, महर्षि भारद्वाज कॉरिडोर, नागवासुकी कॉरिडोर और द्वादश माधव कॉरिडोर ने प्रयागराज को नई पहचान दी है। यह स्मार्ट सिटी से आगे एक प्रभावशाली शहर बन चुका है। उन्होंने कहा कि आज शुरू की गई 579 करोड़ रुपये की परियोजनाएं मेडिकल कॉलेज अपग्रेडेशन, पेयजल योजनाएं और कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स में प्रयागराज को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। सीएम ने मां गंगा की अविरलता और निर्मलता पर जोर देते हुए कहा कि यह हमारी विरासत-दिव्यता की प्रतीक है। नाविकों और गाइडों ने मेहनत से महाकुंभ को सफल बनाया। आजीविका को सशक्त किया।

वक्फ संशोधन बिल, नंबर गेम भाजपा के पक्ष में

भाजपा ने व्हिप जारी नहीं किया, जेपी नड्डा बोले- विपक्ष चर्चा को डिरेल करना चाहता है

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन बिल बुधवार को लोकसभा में पास होने के बाद गुरुवार को राज्यसभा में पेश किया गया। इस पर देर शाम तक चर्चा चलती रही। बीजू जनता दल ने वक्फ बिल पर कहा है कि पार्टी ने अपने सांसदों को कोई व्हिप जारी नहीं किया है। सांसद अपनी अंतरआत्मा की सुनें और वक्फ बिल पर फैसला लें। फिलहाल यहां नंबर गेम भाजपा के पक्ष में दिखाई दे रहा है। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने वक्फ बिल पर विपक्ष के रुख को लेकर निशाना साधा।

नड्डा ने कहा, हमने कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार की तुलना में वक्फ बिल को लेकर कहीं ज्यादा गंभीरता दिखाई। यह बिल पार्टी इंट्रेस्ट का नहीं है, यह नेशनल इंट्रेस्ट का विषय है। इसलिए मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए। विषय को डिरेल नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा- बिल में कहीं राम मंदिर आ

रहा है। कहीं कुंभ मेला दिख रहा है। बिहार का इलेक्शन दिख रहा। कहीं एअर इंडिया बिक गया। कहीं केरला का सिनेमा आ गया। ये सब चर्चा को डिरेल करने की कोशिश है। रिजिजू बोले- बिल में ट्रांसपैरेंसी, अकाउंटेबिलिटी, एक्यूरेसी केंद्रित बदलावः अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि व्यापक चर्चा के बाद तैयार किए गए बिल को जेपीसी के पास भेज दिया गया था। वक्फ को लेकर जेपीसी ने जितना काम किया, उतना काम किसी कमेटी ने नहीं किया। इससे पहले बुधवार देर रात तक चर्चा के बाद इस बिल को लोकसभा से पारित कर दिया गया। रिजिजू ने राज्यसभा में कहा, संशोधित बिल में मुसलमानों के धार्मिक क्रियाकलापों में किसी तरह का हस्तक्षेप कोई गैर मुस्लिम नहीं करेगा। हमने ट्रांसपैरेंसी, अकाउंटेबिलिटी, एक्यूरेसी पर केंद्रित बदलाव किए हैं। हम किसी की धार्मिक भावना को चोट पहुंचाने के लिए नहीं हैं। गरीब मुसलमानों को न्याय मिले, हमारा यही उद्देश्य है। इससे पहले लोकसभा में बुधवार को 12 घंटे की चर्चा के बाद वक्फ संशोधन बिल पास हो गया। रात 2 बजे हुई वोटिंग में 520 सांसदों ने भाग लिया। 288 ने पक्ष में और 232 ने विपक्ष में वोट डाले। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने इसे उम्मीद (यूनीफाइड वक्फ मैनेजमेंट इम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट) नाम दिया है।

जेडीयू में बगावत की चिंगारी

जेडीयू के सीनियर नेता डॉ मोहम्मद कासिम अंसारी ने लोकसभा में वक्फ बिल का समर्थन करने पर पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। अंसारी ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपना त्याग पत्र भेज दिया है। उन्होंने अपने त्याग पत्र में लिखा, उन्हें और लाखों करोड़ों भारतीय मुसलमानों को विश्वास था कि नीतीश कुमार विशुद्ध रूप से सेक्युलर विचारधारा के ध्वजवाहक हैं, लेकिन अब यह विश्वास टूट गया है। कासिम अंसारी ने वक्फ संशोधन बिल 2024 को लेकर जेडीयू के स्टैंड की आलोचना की है और कहा है कि इससे उन्हें और लाखों करोड़ों समर्पित भारतीय मुसलमानों एवं कार्यकताओं को गहरा आघात लगा है। उन्होंने यह भी कहा है कि लोकसभा में ललन सिंह ने जिस तेवर और अंदाज से अपना वक्तव्य दिया और इस बिल का समर्थन किया, उससे वे काफी मर्माहत हुए हैं।

कार्रवाईः लॉरेंस गैंग के पांच सदस्य गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच ने अंधेरी इलाके से लॉरेंस गैंग के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 7 पिस्तौल और 21 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें संदेह है कि गैंग के निशाने पर कोई सेलिब्रिटी था। क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने बताया कि विशेष सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने लॉरेंस गैंग के सदस्यों को शनिवार को हिरासत में लिया। उनके हथियार ले जाने के पीछे के मकसद की जांच की जा रही है। गिरफ्तार लोगों की पहचान विकास ठाकुर उर्फ विक्की, सुमित कुमार दिलावर, श्रेयस यादव, देवेंद्र सक्सेना और विवेक गुप्ता के रूप में की गई है। ये सभी राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। सुमित कुमार और विकास हिस्ट्रीशीटर हैं।

जहरीली गैस ने ली आठ लोगों की जान

कोहराम

कुएं की सफाई करने उतरे थे सभी, मध्यप्रदेश के खंडवा जिले की घटना

खंडवा। मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में गणगौर उत्सव के दौरान बड़ा हादसा सामने आया है। यहां गणगौर मैया के विसर्जन के लिए गांव के कुएं की सफाई करने उतरे आठ लोगों की मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण भी कुंए के आसपास जमा हो गए। जानकारी के अनुसार हादसा जिले के छैगांव माखन तहसील में आने वाले कोंडावत गांव में हुआ है।

बताया जा रहा है कि गणगौर विसर्जन से पहले गांव के कुएं को साफ करने करीब पांच लोग उतरे थे, पर काफी देर तक जब वे वापस नहीं आए तो तीन लोग और उन्हें तलाशने कुएं में उतरे, पर वो भी नहीं लौट सके। बाद में लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर फिलहाल छैगांव माखन थाने की पुलिस टीम पहुंची। उन्होंने एंबुलेंस एवं क्रेन बुलवाई और लोगों की तलाश शुरू की गई। सात लोगों के शव निकाल लिए गए हैं, आठवें की तलाश के लिए काफी मशक्कत करना पड़ी। सवा आठ बजे आठवें शव को भी निकाल लिया गया। कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने बताया कि शाम करीब 4 बजे घटना की सूचना मिली थी। जहरीली गैस के चलते यह हादसा हुआ है।

संक्षेप समाचार...

नशे के खिलाफ गवर्नर पदयात्रा पर

गुरदासपुर । पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने नशे के बढ़ते प्रकोप को रोकने और युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से पदयात्रा शुरू कर दी है। यह यात्रा डेरा बाबा नानक से शुरू हुई। 6 अप्रैल तक ये यात्रा गुरदासपुर में रहेगी। जबकि 7-8 अप्रैल को गवर्नर कटारिया अमृतसर में होंगे।

साहिल को 7 तक न्यायिक हिरासत में भेजा

बेंगलुरु। कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े सोने की तस्करी मामले में तीसरे आरोपी साहिल जैन को स्पेशल कोर्ट ने 7 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। राजस्व खुफिया निदेशालय ने हिरासत पूरी होने के बाद कोर्ट में पेश किया था।

नशे में खुद को बताया कसाब का भाई

मुंबई। मुंबई में नशे में धुत एक सुरक्षा गार्ड को पुलिस नियंत्रण कक्ष और मुंबई सेंट्रल में बम विस्फोट की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी पीयूष ने खुद को अजमल कसाब का भाई बताया था। अधिकारियों के मुताबिक आरोपी पीयूष शुक्ला मंगलवार तड़के मुलुंड रेलवे स्टेशन पर था। पुलिसकर्मियों ने अंतिम उपनगरीय ट्रेन के निकलने के बाद उसे स्टेशन से जाने को कहा। इससे नाराज होकर पीयूष ने पुलिस नियंत्रण कक्ष में शिकायत करने का फैसला किया।

मप्र की 15008 वक्फ संपत्ति से सिर्फ दो करोड़ आय

भोपाल। मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सनवर पटेल ने कहा कि एमपी वक्फ बोर्ड के अधीन 15008 संपत्तियां दर्ज हैं। इन संपत्तियों से कम से कम सौ करोड़ रुपए सालाना आय होना चाहिए लेकिन दो करोड़ रुपया भी नहीं आ पाता है। इसलिए जन कल्याण के काम में खर्च नहीं हो पाता।

मुंबई आ रही फ्लाइट की तुर्किये में इमरजेंसी लैंडिंग

मुंबई । लंदन से मुंबई आ रही वर्जिन अटलांटिक फ्लाइट ने तुर्किये में इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। इसकारण 200 से ज्यादा भारतीय पैसेंजर 16 घंटे से ज्यादा समय से फंसे हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्लेन के एक पैसेंजर को पैनिक अटैक आ गया था। मेडिकल इमरजेंसी के चलते तुर्किये के दियारबकिर एयरपोर्ट पर लैंड हुआ था।

पटाखों पर बैन हटाने से किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर लगे प्रतिबंध को हटाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि लंबे समय से यहां वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइंया की बेंच ने कहा कि सड़कों पर काम करने वाले लोग सबसे ज्यादा प्रदूषण से प्रभावित होते हैं। हर किसी के पास अपने घर या कार्यस्थल पर वायु शुद्धिकरण यंत्र लगाने की सुविधा नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'पिछले छह महीनों में इस अदालत ने कई आदेश दिए हैं, जो दिखाते हैं कि दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति बहुत खराब रही है। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत स्वास्थ्य का अधिकार हर नागरिक का हक है, जिसमें स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त वातावरण में जीने का अधिकार भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि जब तक यह साबित नहीं हो जाता कि ग्रीन पटाखों से बेहद कम प्रदूषण होता है, तब तक इस बैन पर दोबारा विचार करने का सवाल ही नहीं उठता। दिल्ली में जो असाधारण स्थिति बनी हुई है, उसके चलते पटाखों पर रोक लगाना बिल्कुल जरूरी है।

पूर्व विधायक के नाती की हत्या

फिरोजाबाद। थाना उत्तर क्षेत्र में दुकान बंद कर घर जा रहे भाजपा के पूर्व विधायक के नाती की कार से कुचल कर हत्या कर दी गई। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मामले में चार के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है।कोटला मोहल्ला निवासी शिवम यादव (35) की रिंकी नाम की महिला के साथ कोटला रोड स्थित कपड़े की दुकान में साझेदारी थी। चर्चा है कि महिला का पति योगेंद्र से विवाद चल रहा था। योगेंद्र साथी भूरा, मुनीम और राजू के साथ कई बार दुकान पर आकर धमकी दे चुका है। मंगलवार रात चारों फिर से दुकान पर पहुंचे। यहां जमकर बहस होने लगी। इसके बाद जैसे ही शिवम दुकान के ताले लगाकर घर जाने लगा। सत्कार टाकीज कोटला रोड के सामने योगेंद्र ने साथियों के साथ मिलकर उसको कार से टक्कर मार दी। इसमें शिवम गंभीर रूप से घायल हो गया और सड़क पर गिरकर कराहने लगा। आरोपियों ने दोबारा शिवम के ऊपर कर चढ़ा दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

शमी की बहन की सास से होगी 8.68 लाख की वसूली

मनरेगा फर्जीवाड़ा में कार्रवाई 11 दोषी आठ निलंबित

अमरोहा। क्रिकेटर मोहम्मद शमी की बहन शबीना, बहनोई गजनबी और कुछ अन्य परिजनों को मनरेगा मजदूर दर्शाकर बड़ा भुगतान लेने के मामले में शबीना की सास गुले आयशा से 8.68 लाख रुपये की वसूली की जाएगी। इसके अलावा डीएम ने तत्कालीन तीन पंचायत सचिव उमा, अंजुम व पृथ्वी और एपीओ ब्रजभान सिंह समेत आठ अधिकारी-कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। साथ ही तत्कालीन बीडीओ प्रतिभा अग्रवाल के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए शासन को पत्र लिखा है। वहीं, एक पंचायत सचिव को प्रतिकूल प्रविष्टि दी है। डीएम ने सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के भी आदेश दिए हैं। क्रिकेटर मोहम्मद शमी की बहन शबीना की सास ही मनरेगा फजीर्वाड़े से जुड़े गांव पलौला की प्रधान हैं। उनके अधिकार भी सीज होंगे। मामले की जांच कमेटी ने बुधवार को रिपोर्ट डीएम को सौंप दी है। जांच में कमेटी ने तत्कालीन बीडीओ व चार सचिवों समेत कुल 11 लोगों को फजीर्वाड़े का दोषी माना है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद डीएम ने बीडीओ व एक सचिव पर विभागीय कार्रवाई तथा तीन सचिवों समेत आठ कर्मियों पर एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए है। साथ ही प्रधान (शमी की बहन की सास) से मनरेगा मजदूरी के तहत निकाली गई 8.68 लाख रुपये की रिकवरी के लिए कहा है। प्रधान के रूप में उनके अधिकार सीज करने की कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि दोषी कर्मचारियों पर निलंबन की कार्रवाई भी होगी। डीएम ने परियोजना निदेशक व डीसी मनरेगा अमरेंद्र प्रताप सिंह को इस मामले की जांच सौंपी थी। कमेटी पिछले एक सप्ताह से मनरेगा में फर्जीवाड़े के हर पहलु को ध्यान में रखकर जांच कर रही थी।

न्यायाधीश सार्वजनिक करेंगे अपनी संपत्ति

सुप्रीम कोर्ट के 30 वरिष्ठ जज अपनी संपत्ति वेबसाइट पर करेंगे अपलोड

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने पर सहमति जताई है। शीर्ष अदालत में हुई न्यायाधीशों की बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना सहित 30 न्यायाधीशों ने अपनी संपत्तियों को न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करके सार्वजनिक रूप से प्रकट करने पर सहमति व्यक्त की।

सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट के मुताबिक एक अप्रैल को हुई बैठक में जजों ने संकल्प लिया कि न्यायाधीश जब भी पदभार ग्रहण करेंगे या कोई अहम जिम्मेदारी लेंगे तो उनको मुख्य न्यायाधीश के सामने अपनी संपत्ति की घोषणा करनी होगी। अब तक 1997 के एक प्रस्ताव के अनुसार सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को अपनी संपत्ति की घोषणा मुख्य न्यायाधीश के समक्ष

करनी होती थी। 2009 के एक निर्णय में न्यायालय की वेबसाइट पर संपत्ति घोषणा के स्वैच्छिक प्रकाशन की अनुमति दी गई थी, लेकिन सभी न्यायाधीशों ने ऐसा करने का विकल्प नहीं चुना। अब सुप्रीम कोर्ट के जजों ने सामूहिक रूप से संपत्ति के खुलासे को सार्वजनिक करने पर सहमति जताई। जिन न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति की घोषणा कर दी है, उनमें मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी शामिल हैं। घोषणाओं का पूरा सेट सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह कदम जस्टिस यशवंत वर्मा मामले के बाद उठाया है। हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास पर आग लगने की घटना के बाद कथित तौर पर नकदी की जली हुई गड्डियां मिली थीं। विवाद के बाद उनका तबादला इलाहाबाद उच्च न्यायालय में कर दिया गया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि उनका तबादला नकदी मिलने के विवाद से संबंधित नहीं था।

देरी का आरोप लगाने वाली याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित

उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस में शामिल हुए बीआरएस के विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिकाओं पर निर्णय लेने में तेलंगाना विस अध्यक्ष द्वारा कथित देरी का मुद्दा उठाने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। एक याचिका में तीन विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग करने वाली याचिकाओं से संबंधित तेलंगाना उच्च न्यायालय के नवंबर 2024 के आदेश को चुनौती दी गई है। जबकि दूसरी याचिका दलबदल करने वाले शेष सात विधायकों से संबंधित है। पिछले साल नवंबर में उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने कहा था कि विधानसभा अध्यक्ष को तीनों विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर उचित समय के भीतर फैसला करना चाहिए।

'यह वक्फ बोर्ड है या भू-माफिया बोर्ड'

मुख्यमंत्री योगी बोले, ऐतिहासिक स्थलों पर मनमाना दावा बर्दाश्त नहीं होगा

प्रयागराज। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वक्फ बोर्ड पर बृहस्पतिवार को सीधा हमला करते हुए इस पर भूमि अतिक्रमण करने का आरोप लगाया और इस बात पर जोर दिया कि सार्वजनिक और ऐतिहासिक स्थलों पर इसका मनमाना दावा ज्यादा दिनों तक बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

यहां श्रृंगवेरपुर की सभा में उन्होंने कहा कि आप यहां निषादराज की पौराणिक भूमि पर कब्जा देख रहे हैं ना। शहर में जगह-जगह वक्फ के नाम पर कब्जे किए गए हैं। यहां तक की कुंभ के समय भी बयान दिए गए कि कुंभ की भूमि भी वक्फ की है। हमने पूछा था-क्या वक्फ बोर्ड भू-माफिया बन गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार के तहत इस तरह के अतिक्रमण हटा दिए गए हैं और माफियाओं को उत्तर प्रदेश से बाहर

खदेड़ दिया गया है।

उन्होंने कहा कि निषाद राज से जुड़ी पवित्र भूमि समेत कई जगहों पर वक्फ के नाम पर अतिक्रमण किया गया। लेकिन ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। उनकी आपत्तियों के बावजूद भव्य और दिव्य कुंभ मेले का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री ने वक्फ बोर्ड की कथित अनियमितताओं के खिलाफ विधायी कार्रवाई करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के आभारी हैं कि उन्होंने वक्फ बोर्ड की मनमानी पर लगाम लगाई है। इस मुद्दे को हल करने वाला एक महत्वपूर्ण विधेयक पहले ही लोकसभा में पारित हो चुका है और अब इसे राज्यसभा में भी पारित किया जाएगा। गौरतलब है कि वक्फ (संशोधन) विधेयक बुधवार को लोकसभा में पारित हो गया और बृहस्पतिवार को राज्यसभा में प्रस्तुत होने के बाद उस पर बहस जारी है। सीएम योगी ने कहा कि राज्य अब अवैध दावों को बर्दाश्त नहीं करेगा और राष्ट्रीय हित को पहले स्थान पर रखना होगा। उन्होंने कहा, जो लोग राष्ट्र के प्रति वफादार हैं, वे हमेशा अपना रास्ता खोज लेंगे। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ 2025 ने देश-प्रदेश को बहुत कुछ दिया। इतना बड़ा आयोजन सनातन धर्मावलंबी और राम भक्त ही कर सकते हैं। जिनके मन में राष्ट्र के प्रति निष्ठा नहीं है, वे ही इतना बड़ा आयोजन नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयागराज अब सामान्य रूप से इलाहाबाद नहीं रहा। अब यह प्रयागराज हो गया है। प्रयागराज का मतलब महामिलन स्थल। जो लोग प्रयागराज की पहचान को छिपाते थे, वे नहीं चाहते थे कि इस पौराणिक नगर को एक पहचान मिले क्योंकि उनके लिए उनका वोटबैंक महत्वपूर्ण था।

घरेलू टीमों के अनुसार बनाई जानी चाहिए पिच

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लगी आईपीएल में जहां कई टीमों ने पिच को लेकर सवाल उठाये हैं। वहीं पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि घरेलू टीमों को अपने अनुसार पिच बनवाने का अधिकार होना चाहिये।

उन्होंने कहा कि यह घरेलू टीमों को मिलने वाले लाभ का एक अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हर घरेलू टीम को यह तय करने का अधिकार होना चाहिए कि वे किस तरह की पिच चाहते हैं, उन्हें ये मांग करनी चाहिए, और मुझे लगता उन्हें यह मिलना चाहिए क्योंकि घरेलू लाभ वास्तविक है, और यह केवल दो रूपों में आता है। एक वह पिच जिसे आप चुनते हैं और दूसरा अपने प्रशंसकों का समर्थन। इसके अलावा यह एक दूर का खेल है जो दूसरी टीम को भी मिलता है। चोपड़ा ने का यह भी मानना था कि पिच किसी टीम के

प्रदर्शन के लिए सबसे अहम कारक है, यहां तक कि भीड़ के समर्थन से भी ज्यादा। उनका मानना है कि अगर पिच की स्थिति आपके खिलाफ है, तो टीम की पूरी खेल योजना पर पानी फिर सकता है। उन्होंने कहा, सबसे जरुर बात यह है कि वे किस पिच पर खेलने जा रहे हैं। ऐसे में दर्शकों की भीड़ मायने नहीं रखती। साथ ही कहा कि अगर आप पिच को हटा देते हैं, तो मुझे लगता है कि पूरी योजना खराब हो जाएगी।

विदेश सचिव जवानों की शहादत पर काट रहे केक

नेता प्रतिपक्ष बोले- चीन ने हमारी जमीन कब्जाई, पीएम चिट्ठियां लिख रहे

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को भारत-चीन के राजनयिक संबंधों की 75वीं सालगिरह के जश्न को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा- चीन हमारे 4 हजार वर्ग किमी इलाके पर कब्जा करके बैठा है, लेकिन मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि हमारे विदेश सचिव (विक्रम मिस्री) चीनी राजदूत के साथ केक काट रहे थे।

लोकसभा में शून्यकाल के दौरान राहुल ने कहा, हम सामान्य स्थिति के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उससे पहले हमें अपनी जमीन वापस मिलनी चाहिए। मुझे पता चला कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने चीनी राजदूत को चिट्ठी लिखी है और यह भी हमें दूसरों से पता चल रहा है। चीनी राजदूत भारत के लोगों को बता रहे हैं कि उन्हें चिट्ठी लिखी गई। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने 1 अप्रैल को भारत-चीन संबंधों के

75 साल पूरे होने पर भारत में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। उन्होंने चीन के राजदूत शू फेइहोंग के साथ काटा था। फेइहोंग ने पर तस्वीरें शेयर की थीं। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने 1 अप्रैल को भारत-चीन संबंधों के 75 साल पूरे होने पर भारत में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। उन्होंने चीन के राजदूत शू फेइहोंग के साथ काटा था। फेइहोंग ने पर तस्वीरें शेयर की थीं।

राहुल बोले- भाजपा की फिलॉस्फी हर विदेशी के सामने सिर झुकानाः मोदी सरकार की विदेश नीति पर राहुल गांधी ने कहा, एक तरफ आपने चीन को हमारी जमीन दे दी और दूसरी तरफ अमेरिका ने हम पर टैरिफ (जैसे को तैसा टैक्स) लगा दिया। इससे देश की ऑटो, फार्मास्यूटिक्ल और एग्रीकल्चर इंडस्ट्री तो पूरी तरह से तबाह हो जाएगी। राहुल ने कहा, एक बार किसी ने इंदिरा जी से पूछा कि विदेश नीति के मामले में आप बाएं झुकती हैं या दाएं। इस पर उन्होंने जवाब दिया की मैं बाएं या दाएं नहीं झुकती। मैं भारतीय हूं और सीधी खड़ी हूं। भाजपा और फर की फिलॉस्फी अलग है। जब उनसे पूछा जाता है तो वे कहते हैं नहीं, नहीं, हम हर विदेशी के सामने अपना सिर झुकाते हैं। यह उनके इतिहास में है, हम जानते हैं। सरकार को जवाब देना चाहिए कि वह अमेरिकी टैरिफ पर क्या कर रही है। बीते दिन अमेरिका ने भारत पर 26 प्रतिशत जैसे को तैसा टैक्स लगाने की घोषणा की है। अमेरिका ने कहा है कि भारत अमेरिकी सामानों पर बहुत ज्यादा इम्पोर्ट ड्यूटी (आयात शुल्क) लगाता है।

2020 की गलवान झड़प में 20 भारतीय जवान हुए थे शहीद : लद्दाख की गलवान घाटी में 15 जून 2020 को भारत और चीन के सैनिकों के बीच खूनी झड़प हुई थी। 15 जून 2020 को चीन ने ईस्टर्न लद्दाख के सीमावर्ती इलाकों में एक्सरसाइज के बहाने सैनिकों को जमा किया था। इसके बाद कई जगह पर घुसपैठ की घटनाएं हुई थीं। भारत सरकार ने भी इस इलाके में चीन के बराबर संख्या में सैनिक तैनात कर दिए थे। हालात इतने खराब हो गए कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर गोलियां चलीं। इसी दौरान 15 जून को गलवान घाटी में चीनी सेना के साथ हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे।

सुप्रीम कोर्ट बोला, सिलेक्शन प्रॉसेस गलत

पश्चिम बंगाल में 25,753 शिक्षकों की बर्खास्तगी का आदेश रहेगा बरकरार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 25,753 शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति रद्द कर नए सिरे से चयन प्रक्रिया 3 महीने में पूरा करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के स्कूल भर्ती घोटाले से जुड़े कोलकाता हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। पश्चिम बंगाल में एसएससी ने 2016 में 25 हजार शिक्षकों और गैर-शिक्षकों को नियुक्ति की थी। हाईकोर्ट ने इन नियुक्तियों को अवैध करार देते हुए कर्मचारियों को बर्खास्त किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की जांच को सही माना और कहा कि पूरी प्रक्रिया में धोखाधड़ी की गई। इसमें सुधार की कोई गुंजाइश नहीं है। मामले पर सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने सुनवाई की। शीर्ष कोर्ट में हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिकाएं दायर की गई थीं। इसके साथ ही सीबीआई जांच के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर 4 अप्रैल को सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पश्चिम बंगाल भाजपा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की है। पश्चिम बंगाल सरकार ने 2016 में स्टेट लेवल

सिलेक्शन टेस्ट-2016 के जरिए सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ की भर्ती की थी। तब 24,640 रिक्त पदों के लिए 23 लाख से अधिक लोगों ने भर्ती परीक्षा दी थी। इस भर्ती में 5 से 15 लाख रुपए तक की घूस लेने का आरोप है। मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट को कई शिकायतें मिली थीं।

ममता बोलीं- निजी तौर पर फैसला स्वीकार नहीं : सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कुछ देर बाद ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का बयान आया। ममता ने कहा- वह व्यक्तिगत रूप से सुप्रीम कोर्ट के फैसले को स्वीकार नहीं करती हैं, लेकिन उनकी सरकार इसे लागू करेगी और चयन प्रक्रिया को फिर से दोहराएगी। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या विपक्षी भाजपा और सीपीएम चाहते हैं कि बंगाल की शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो जाए। उन्होंने कहा, इस देश के नागरिक के रूप में मेरे पास हर अधिकार है और मैं जजों के प्रति सम्मान के साथ इस फैसले को स्वीकार नहीं कर सकती। मैं मानवीय दृष्टिकोण से अपनी राय व्यक्त कर रही हूं। गलत सूचना न दें या भ्रम पैदा न करें। सरकार फैसले को स्वीकार करती है। स्कूल सेवा आयोग से भर्ती प्रक्रिया को फिर से शुरू करने के लिए कहा है।

भाजपा बोली- भ्रष्टाचार की पूरी जिम्मेदारी सीएम की : राज्य भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने एक्स पर पोस्ट कर कहा - 'शिक्षक भर्ती में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की पूरी जिम्मेदारी राज्य की विफल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ममता बनर्जी के शासन में कैसे पश्चिम बंगाल में शिक्षित बेरोजगार युवाओं की योग्यता को पैसे के बदले बेचा गया।

ट्रांजेक्शन कंसल्टेंट के आगमन पर की पुरजोर खिलाफत

सभा कर यूपीपीसीएल प्रबंधन को कोसा, पूरे दिन चला प्रदर्शन, मुख्यालय पर लगे 'कंसल्टेंट गो बैक' के नारे

वाराणसी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति और आल इंडिया फेडरेशन ऑफ इम्प्लाइज एंड इंजीनियर के संयुक्त बैनर तले भिखारीपुर स्थित पूर्वांचल-डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक कार्यालय के मुख्य द्वार पर सैकड़ों कर्मचारियों और अभियंताओं ने शुक्रवार को सुबह से ही कंसल्टेंट गो बैक कंसल्टेंट गो बैक के नारे लगाकर निजीकरण के खिलाफ जबरदस्त विरोध दर्ज किया। एमडी कार्यालय पर पूरे दिन प्रदर्शन का सिलसिला जारी रहा। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लि. (पूर्वांचल-डिस्कॉम) का निजीकरण करने के लिए नियुक्त ट्रांजैक्शन कंसल्टेंट के विरोध में अलग-अलग जिलों से आये विद्युतकर्मियो का जुटान होना शुरू होते ही डिस्कॉम का मुख्य द्वार प्रबंधन ने बंद करा दिया था, जिसके बाद कर्मचारियों के भारी आक्रोश को देखते हुए सुरक्षा के लिहाज से पुलिस और पीएसी की टीम में लगा दी गयी। मेन गेट बंद होने पर सड़क किनारे ही विद्युतकर्मी जुटे रहे और यूपीपीसीएल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान हुई सभा को संबोधित करते हुए ओपी सिंह ने कहा कि पूर्वांचल-डिस्कॉम के निजीकरण के लिए यूपीपीसीएल प्रबंधन ने कंसल्टेंट नियुक्त किया है, जो नियम विरूद्ध है। बिजलीकर्मियों ने आरोप लगाया है कि जान-बूझकर बिजलिकर्मियो एवं आमजनमानस पर निजीकरण थोपा जा रहा है। सरकार की ओर से नियुक्त कंसलटेंट विद्युत वितरण निगम लिमिटेड से जुड़ी सारी जानकारी इकट्ठा कर यूपीपीसीएल प्रबंधन को सौपेंगे। जिसके आधार पर पूर्वांचल-डिस्कॉम के निजीकरण की बात आगे बढ़ाई जाएगी। इसी बात का विरोध कर्मचारियों की ओर से लगातार किया जाता रहा है। ट्रांसजैक्शन कंसल्टेंट के आगमन पर पूरे दिन एमडी कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन का सिलसिला चलता रहा। इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए वेदप्रकाश राय ने कहा कि यूपीपीसीएल प्रबंधन जबरन निजीकरण की प्रक्रिया थोपने पर अमादा है। यहीं वजह है कि पूर्वांचल-डिस्कॉम प्रबंधन ने मेन गेट बंद करा दिया। बावजूद इसके कर्मचारियों और अभियंताओं ने कंसल्टेंट के आगमन का पूरजोर विरोध किया। कर्मचारियों की माने तो यह उनकी आरपार की लड़ाई है। निजीकरण किसी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। निखिलेश सिंह ने कहा कि किसी भी हालत में कंसलटेंट को पूर्वांचल-डिस्कॉम के मुख्य द्वार से प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अध्यक्षता दलसिंगार यादव ने की। संचालन अंकुर पांडेय ने किया। सभा में मायाशंकर तिवारी, एसके सिंह, नीरज बिंद, रामाशीष, अरविंद मिश्र, सत्या उपाध्याय, जिउतलाल, राजेन्द्र सिंह, संदीप कुमार, उदयभान दुबे, विजय आदि रहे।

भुगतान नहीं करने वालों की संपत्तियां होंगी निरस्त

तीन दिन में बकाया चुकाने के निर्देश, नदेसर मीट मार्केट की रजिस्ट्री जल्द करने पर जोर

वाराणसी (मनोज यादव)। वीडीए बकायादारों पर सख्त रूख अपनाने के मूड में है। भुगतान नहीं करने वालों की संपत्तियां जहां निरस्त करने का निर्णय कर लिया है,वही तीन दिन में बकाया नही चुकाने पर सख्त कार्रवाई किए जाने के साथ ही नदेसर मीट मार्केट की रजिस्ट्री जल्द करने का निर्देश जारी किया है। वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई संपत्ति अनुभाग की समीक्षा बैठक में जहां बकायादारों से बकाया वसूली और किराये पर आवंटित संपत्तियों के भुगतान की समीक्षा की गई,वही लंबित प्रकरणों के निस्तारण सहित कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर चर्चा हुई। बैठक में कॉलोनियों के लंबित प्रकरणों पर समीक्षा हुई। जिसमें लालपुर आवासीय योजना, देवकी नंदन हवेली,अशोक बिहार, बड़ी गैबी, पिशाच मोचन, शास्त्री नगर योजना, गांधी नगर आवासीय योजना, विनायक आवासीय योजना, गंगा नगर आवासीय योजना, पांडेयपुर,रामनगर आवासीय योजना, संजय गांधी नगर और नदेसर से संबधित मामले शामिल है। इस दौरान उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग ने जिन बकायादारों द्वारा भुगतान नहीं किया जा रहा है, उनकी संपत्तियों को निरस्त करने की कार्रवाई की जाने को कहा। अधिकारियों को निर्देश दिया कि बड़े बकायादारों को तीन दिन के भीतर बकाया भुगतान करने के लिए अंतिम नोटिस दिया जाए। यदि वे निर्धारित समय में भुगतान नहीं करते हैं,तो उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसको लेकर वीडीए ने विकृत सम्पतियो में योजनावार 20 बकायेदारो की जहां सूची बनाई गई,वही विशेष रूप से आरएमएस पोर्टल पर किराये की सम्पतियों की समीक्षा की गयी।

दहेज के लिए ससुराली बने दानव, रपट दर्ज

वाराणसी। बड़ागांव थाना क्षेत्र के गढ़वा निवासी कमलेश कुमार की पुत्री अर्चना की शादी खुखुडीपुर जलालपुर जौनपुर निवासी स्वर्गीय संतोष चौधरी के पुत्र ओमप्रकाश चौधरी के साथ 24 अप्रैल 22 को हिन्दू रीती रिवाज के साथ विवाह संपन्न हुई। कुछ समय बाद पति ओमप्रकाश ने अर्चना को मायके लाकर छोड़ दिया और अपने साथ ले जाने से मना कर दिया । अर्चना अपने भाई के साथ खुखुडीपुर जलालपुर जौनपुर ससुराल गई तो अर्चना की सास यशोदा देवी एवं छोटी ननद किरन ने घर के अन्दर प्रवेश करने नही होने दिया। और दरवाजा बन्द कर कहने लगी जब तक दहेज का बकाया 1 लाख रुपये नही लाओगी तब तक रहने नहीं देगे। इसकी सूचना अर्चना ने पीआरबी 112 पुलिस को दी पुलिस मौके पर पहुँच कर सास, ननद को समझाया बुझाया लेकिन ससुराल वाले अर्चना को घर में प्रवेश करने नहीं दिये।

चौरा माता मंदिर का भव्य श्रृंगार, झूम उठे श्रद्धालु

वाराणसी। गिरधरपुर चौरा माता मंदिर में नवरात्रि के अष्टमी के दिन एक भव्य श्रृंगार किया गया, जिसने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंदिर के पुजारियों ने देवी की प्रतिमा को नए वस्त्रों और आभूषणों से सजाया, जिससे मंदिर की शोभा बढ़ गई। श्रद्धालुओं ने देवी की पूजा-अर्चना की और उनकी कृपा की कामना की। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। चौरा माता मंदिर वाराणसी का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, जहां श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं पूरी करने के लिए आते हैं। आज का भव्य श्रृंगार इस मंदिर की महत्ता को और भी बढ़ा दिया है। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य सुनील कुमार सिंह, पूर्व जिला पंचायत योगेश कुमार सिंह, भोतू पहलवान, शेरे यादव, गुलजार उपाध्याय, मंजू यादव, लक्ष्मण यादव, प्रधानपति मनोज कुमार यादव,(पप्पू यादव सिपाही) विनोद भगत जी, अंजनी यादव, कमलेश यादव, अनिल यादव, गुड्डू यादव, बच्चे लाल यादव समेत सभी ग्रामवासी शामिल रहे।

शिवा चाट भंडार एवं शुद्ध शाकाहारी भोजनालय का शुभारंभ

वाराणसी। छितौनी क्षेत्र में आज एक नया और खास शाकाहारी भोजनालय 'शिवा चाट भंडार एवं शुद्ध शाकाहारी भोजनालय' का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर कोटवां चौकी प्रभारी पवन कुमार जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने भोजनालय का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में चौकी स्टाफ और क्षेत्र की सम्मानित जनता भी शामिल हुई। पवन कुमार जी ने इस नए भोजनालय की सराहना करते हुए कहा कि यह स्थान क्षेत्रवासियों के लिए शुद्ध और स्वादिष्ट शाकाहारी भोजन का एक बेहतरीन विकल्प साबित होगा। यहां पर विभिन्न प्रकार की शाकाहारी चाट, स्नैक्स, और स्वादिष्ट भारतीय व्यंजन उपलब्ध हैं, जो शुद्ध शाकाहारी सामग्री से तैयार किए जाते हैं। भोजनालय की खास बात यह है कि यहां पर पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता के साथ ताजगी और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया है। शिवा चाट भंडार का उद्देश्य क्षेत्रवासियों को स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन प्रदान करना है, साथ ही साथ वे पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए शाकाहारी विकल्पों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं। इस शुभारंभ के साथ ही क्षेत्र में एक नया खाद्य स्थल खुलने से स्थानीय लोग खुश हैं, और सभी को यहाँ आने का आमंत्रण दिया गया है।

दक्षिणी विधानसभा में मातृशक्ति का सम्मान

वाराणसी। शहर दक्षिणी विधानसभा में मातृशक्ति का सम्मान हुआ। पिपलानी कटरा स्थित एक पैलेस सभागार में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल, पूर्व विधायक गुजरात जगदीश पटेल, विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि, निवर्तमान अध्यक्ष विद्यासागर राय ने महापुरुषों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित व पुष्प अर्पित किया। कार्यक्रम में उपस्थित क्षेत्र की एक हजार से अधिक मातृशक्तियों को अंगवस्त्रम (चुनरी) ओढ़ाकर सम्मानित किया गया और फलाहार कराया गया। स्वागत संबोधन में डॉ. नीलकंठ तिवारी ने कहा कि काशी के सांसद पीएम नरेंद्र मोदी का प्रत्येक कार्य देश का गौरव बढ़ाने के लिए होता है। प्रदेश के मुखिया योगी के नेतृत्व वाली सरकार में मातृशक्ति को सुरक्षा और आत्मबल मिला है। संचालन महामंत्री जगदीश त्रिपाठी व नेहा कक्कड़ ने किया।

कार्गो व बोइंग विमान भी उतरेंगे

वाराणसी (रिम्मी कौर)। करीब छह महीने बाद काशी आ रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सौगातों का पिटारा खोलेंगे। साल- 2025 में पहली बार पीएम मोदी अपनी काशी पहुंचकर लगभग 2500 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी रिंग रोड के किनारे मेहंदीगंज में सभा को संबोधित करेंगे। इसमें जिले की आठों विधानसभा क्षेत्रों के अलावा आसपास के जिलों के लोग भी शामिल होंगे। पीएम मोदी अपने दौरे में ऐसी परियोजना का शिलान्यास करेंगे जिसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय पटल पर काशी और चमकेगी। अक्टूबर- 2024 के बाद अप्रैल- 25 में काशी आ रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी काशी के लोगों की सुख- सुविधा बढ़ाने के लिए दो दर्जन से ज्यादा परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का विस्तारीकरण में टनल निर्माण का शिलान्यास मुख्य है। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर टनल के निर्माण का प्रधानमंत्री शिलान्यास करेंगे। इस टनल के ऊपर रनवे बनेगा जिससे विमान उड़ान भरेंगे। रनवे से गुजरने वाले टनल की लंबाई लगभग 450 मीटर होगी। जबकि टनल के बीच से गुजरने वाले हाईवे की लंबाई लगभग साढ़े चार किलो मीटर की होगी। इसके लिए लगभग 440 करोड़ रुपये खर्च होंगे। रनवे विस्तार की अनुमानित लागत 550 करोड़ है। टनल से गुजरने वाले रनवे की लंबाई 4700 मीटर होगी। परियोजना में एप्रन का विस्तार, समांतर टैक्सी ट्रैक और लिंक ट्रैक व स्टूमेंट लैंडिंग सिस्टम कैट श्री अप्रोच लाइटिंग सिस्टम का विस्तार भी शामिल है। इससे बड़े विमानों के आवागमन व विमानों की संख्या में भी वृद्धि होगी। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के विस्तारीकरण व नए रनवे के निर्माण से यहां कार्गो विमान, बोइंग- 777 सहित अमेरिकी राष्ट्रपति का विशेष विमान एयर फोर्स-वन भी आराम से लैंड कर सकेगा। पीएम मोदी काशी के लोगों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार योजनाओं की सौगात देते रहते हैं। इस बार उनका काशी दौरा एक लंबे अंतराल पर हो रहा है। लोकसभा चुनाव- 2024 में उम्मीद मुताबिक वोटों से जीत न मिलने के बाद भी पीएम मोदी अपनी काशी को योजनाओं का तोहफा देते आ रहे हैं। उन्होंने अक्टूबर- 2024 को अपने पिछले काशी दौरे में भी कई योजनाओं की सौगात दी थी।

रामनगर में चार माह बाद अब देवोम को जगी न्याय की आस

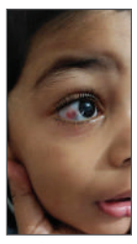

रामनगर (संतोष अग्रहरि)। चार माह बाद तीन वर्षीय देओम को अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट द्वारा परिवाद स्वीकृत करने के बाद न्याय की आस जगी है। पिछले पांच दिसंबर दो हजार चौबीस को स्थानीय पुराना रामनगर निवासी हर्षित साहू का तीन वर्षीय पुत्र देवोंम जो नगर के ही यूरो किड्स प्री स्कूल में प्ले ग्रुप में पढ़ने के लिए जाता था काफी महंगा शुल्क होने के बावजूद भी देवोंम के परिवार के लोग इस प्लेग्रुप स्कूल में बच्चों को इस उम्मीद के साथ भेजते थे कि वहां उसकी देखभाल व शिक्षा जिम्मेदारी के साथ निभाई जाएगी लेकिन पांच दिसंबर को विद्यालय जब वह अपने बच्चों को लेने गए तो देख की बच्चों की आंख में गंभीर चोट था जिसका कारण जब विद्यालय प्रशासन से वह जानना चाह तो विद्यालय के प्रबंधक द्वारा यह कहकर वापस भेज दिया गया कि बच्चे हैं खेल-खेल में चोट लग गया होगा। बहरहाल विद्यालय प्रशासन द्वारा हफ्तों बीत जाने के बाद ना तो कारण बताया गया और नहीं विद्यालय में लगे कैमरे की रिकॉर्डिंग दिखाई गई इसके बाद हर्षित साहू ने स्थानीय थाने में न्याय की गुहार लगाई और जांच में जब रामनगर थाने से लोग वहां गए तो विद्यालय प्रशासन ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि पिछले 26 नवंबर से विद्यालय का कैमरा खराब है बहरहाल इससे विद्यालय प्रशासन की लापरवाही उजागर हुई और जब स्थानीय स्तर पर हर्षित साहू संतुष्ट नहीं हुए तो उन्होंने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और उसमें चार महीने बाद उनका परिवार स्वीकृत किया गया और साक्ष्य के लिए उन्हें अगली तिथि पर बुलाया गया है बहर हाल अब नए सत्र में इस विद्यालय में लोग अपने बच्चों को दाखिला दिलाने में कतरा रहे हैं वही पिता हर्षित साहू न्यायालय के इस निर्णय से काफी खुश दिखे।

स्वयंसेविकाओं ने पुलिस की कार्यप्रणाली देखी

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा युवा कार्यक्रम एवं खेलकूद मंत्रालय तथा माई भारत द्वारा एक एक्सपीरियंशियल लर्निंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश पुलिस एवं माई भारत (मेरा युवा भारत) के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया। इसमें 20 दिन अलग-अलग थाना क्षेत्र एवं 10 दिन पुलिस लाइन में एनएसस की स्वयंसेविकाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण 15 सत्रो में विभाजित था।

इसमें महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ से स्वयंसेविकाओं ने पुलिस प्रशासन से संबंधित गतिविधियों को सीखा। साथ ही पुलिस की कार्यप्रणाली के बारे में हर तरह की बारीकियों की भी जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी ने स्वयंसेविकाओं मेहंदी, राजनंदिनी, श्वेता का उत्साहवर्धन किया।

आईआईटी के 20 प्रस्तावों पर बीओजी की मुहर

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के एबीएलटी हॉल में बोर्ड ऑफ गर्वनर (बीओजी) की 22वीं बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। लड़ाकू विमान तेजस एयरक्राफ्ट के हेड डिजाइनर डा. कोटा हरिनारायण की अध्यक्षता में सात सदस्यों के बीच 24 प्रस्ताव पेश किए गए। इनमें पिछली बीओजी बैठक के 20 प्रस्तावों पर अंतिम मुहर लगाई गई।

वहीं, इस बैठक में चार नए प्रस्तावों को प्रस्तुत किया गया। इस पर अब अगली बोर्ड ऑफ गर्वनर की बैठक में अंतिम मुहर लगेगी। आईआईटी बीएचयू में उच्चस्तरीय शोध की संख्या बढ़ाने से लेकर ज्यादा से ज्यादा पेटेंट फाइल करने पर भी विस्तृत चर्चा की गई। संस्थान के रिसर्च प्रोजेक्ट्स बढ़ाने पर भी वार्ता हुई। इसके साथ ही एकेडमिक डेवलपमेंट, कोर्स और एडमिशन सहित परीक्षाओं में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, कैंपस इंफ्रास्ट्रक्चर और हॉस्टलों की व्यवस्था को और बेहतर करने पर मंथन किया गया। संस्थान में हर एक छात्र को इंडस्ट्री का व्यावहारिक ज्ञान देकर अच्छा प्लेसमेंट कराने पर भी बात हुई। हालांकि, संस्थान के अधिकारियों ने बीओजी बैठक के प्रस्तावों को गोपनीय बताया है।

राज्य सरकार के नॉमिनी थे राजस्थान के कुलपति : इस बोर्ड ऑफ गर्वनर की बैठक के सदस्यों में तीन सदस्य बाहर से आए थे। वहीं, चेयरमैन डा. कोटा हरिनारायण सहित पांच सदस्य संस्थान के ही थे। आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. अमित पात्रा और सचिव के तौर पर रजिस्ट्रार राजन श्रीवास्तव मौजूद थे। इनके साथ ही शिक्षा मंत्रालय की ज्वाइंट सेक्रेटरी सौम्या गुप्ता, राज्य सरकार की ओर से नॉमिनेट राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी कोटा के कुलपति प्रो. एसके सिंह बाकी सदस्य के तौर पर रहे। आईआईटी काउंसिल नॉमिनी से आईआईटी रुड़की के सिविल इंजीनियरिंग के प्रो. प्रवीण कुमार, सीनेट नॉमिनी से आईआईटी बीएचयू के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के प्रो. राजीव कुमार सिंह और फिजिक्स इंजीनियरिंग के प्रो. संदीप चटर्जी बैठक में मौजूद रहे।

बोर्ड आफ गर्वनर की बैठक में आठ सदस्यों ने की आईआईटी के एकेडमिक्स की चर्चा

व्यवसाई ने लगाई सुरक्षा की गुहार

रामनगर (वाराणसी)। स्थानीय थाना क्षेत्र के साहित्य नाका निवासी व्यवसाई जयराम जायसवाल ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सहित पुलिस आयुक्त वाराणसी से पत्र लिखकर अपने तथा अपने परिवार के जान माल की सुरक्षा की गुहार की है जयराम जायसवाल का कहना है कि आबकारी विभाग द्वारा स्वीकृत देसी शराब की दुकान को उन्होंने अपने मकान में किराए पर दिया उसी के बाद से लगातार उनके तथा उनके परिवार को जानलेवा हमले की धमकी दी जा रही है।

सेवानिवृत्त होने पर शिक्षकों का सम्मान

वाराणसी। रामनगर स्थित प्रभु नारायण राजकीय इंटर कॉलेज में सोमवार की दोपहर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. प्रभास कुमार झा और शिक्षक सुधीर कुमार व ललित नारायण की सेवानिवृत्ति पर उन्हें सम्मानित किया गया। शिक्षकों ने कॉलेज में बिताए खट्ठे-मिठे पलों को साझा किया तो सभी की आंखें नम हो गईं। उन्होंने आने वाली पीढ़ी से शिक्षित और समृद्ध होने की अपील की।

करुणा आई केयर सेंटर
गोधना मोड़ चौराहा, बाईपास, डीडीयू नगर, चंदौली

डॉ. अनुराग
एमबीबीएस, एमएस (आई)
डॉ. हरिचरण सिंह
एबीबीएस, एमएस (ईएनटी)
आईएमएस, बीएचयू

विधायक सौरभ ने रामनगर में किया जनसंपक व साफ-सफाई

शौर्य न्यूज इंडिया

रामनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी आगमन के पूर्व कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने स्वच्छता अभियान चलाया और सफाई के प्रति लोगों को संदेश दिया। शुक्रवार सुबह विधायक सौरभ श्रीवास्तव रामनगर मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ शास्त्रीजी की प्रतिमा की सफाई की और माल्यार्पण किया। तत्पश्चात सब्जी मंडी में झाड़ू लगाकर सफाई अभियान को गति प्रदान की।

शास्त्रीजी प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात कार्यकर्ताओं ने लाल बहादुर शास्त्री अमर रहे, भारत माता की जय के नारे लगाए। तत्पश्चात विधायक पहुंचे सब्जी मंडी और कार्यकर्ताओं के साथ सब्जी मंडी में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया। नगर निगम के सफाईकर्मियों ने भी कार्यकर्ताओं का सहयोग किया। कुछ घंटों की कड़ी मेहनत के बाद सब्जी मंडी पूरी तरह से स्वच्छ हो गई। विधायक सौरभ ने गोलाघाट वार्ड-12 में घर-घर जनसंपर्क भी किया। उन्होंने पांच दर्जन से अधिक परिवारों से संपर्क किया। सबसे सीधी बात की। लोगों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली और समाधान के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। विधायक ने कहा कि हम सभी की प्राथमिकता जनता की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान की है। भाजपा कार्यकर्ता जनसेवी राजनीति करता है और यही कारण है कि वह प्रतिदिन जनता के बीच जाता है। इस दौरान विधायक के साथ भाजयुमो के पूर्व जिलाध्यक्ष अध्यक्ष संतोष द्विवेदी, महानगर मंत्री डॉ. अनुपम गुप्ता, शैलेंद्र किशोर पांडेय मधुकर, नगर अध्यक्ष प्रीति सिंह बघेल, जितेंद्र पांडेय, रितेश पाल गौतम, राजकुमार सिंह, लल्लन सोनकर, सृजन श्रीवास्तव, कुलदीप सेठ, जय सिंह चौहान, शिवांग सिन्हा, विनोद पटेल, बलवंत झा, बृजलाल पटेल, भैयालाल सोनकर, लक्ष्मी श्रीवास्तव, हेमंत बाल्मीकि, उदय बिहारी श्रीवास्तव, मुन्ना निषाद, मुकेश केसरा, अनिल सिंह, राघवेंद्र मिश्र आदि थे।

रामनगर साहित्य नाका श्रेत्र के कविटोला में देशी शराब ठेका का लगातार तीन दिनों से विरोध किया और विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने आश्वासन दिया कि यहां शराब की दुकान नहीं खुलेंगी। इसके बाद जब शुक्रवार सुबह विधायक सौरभ कवि टोला पहुंचे तो महिला भावुक हो गयी। महिलाओं ने विधायक का आभार जताया। रामनगर कवि टोला में रोड पर देसी शराब की दुकान खोली जा रही थी जिसका स्थानीय नागरिकों सहित महिलाओं ने जबरदस्त विरोध किया था। विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने हस्तक्षेप कर वहां पर शराब की दुकान खुलने से रुकवा दिया। महिलाएं विधायक से मिलने शास्त्री चौक पहुंची और फूल-मालाओं से विधायक को लाद दिया। एक भावुक महिल रोने लगी और कहा कि आपकी वजह से आज मोहल्ले की महिलाओं, बेटियों की सुरक्षा हो सकी, तो विधायक ने उस मां के आंसू पोंछे और कहा कि जब तक आपका यह बेटा जिंदा है।

विधायक ने महमूरगंज स्थित शिवाजी नगर जनसंपर्क कार्यालय में शुक्रवार को जनसुनवाई की। करीब पांच घंटे तक चली जनसुनवाई में काफी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। इस दौरान विधायक ने सभी नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। रामनगर, भीटी निवासी रानी देवी ने राजस्व अभिलेख में रास्ता दर्ज भूमि को कतिपय दबंग लोगों द्वारा कब्जा की शिकायत की। इस पर विधायक ने एसडीएम सदर को जांच कराकर उचित कार्यवाही के निर्देश दिए। रमना निवासी धनवंती देवी ने आदेश के उपरांत भी भूमि की मापी न होने के शिकायत की। इस पर एसडीएम सदर को उचित कार्यवाही कराने का निर्देश दिया। भेलुपुर निवासी श्याम श्रीवास्तव ने चेक के संदर्भ में हुए धोखाधड़ी की शिकायत की। विधायक ने डीसीपी काशी को न्यायोचित कार्यवाही का निर्देश दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं **प्रधान संपादक अजीत कुमार सिंह**, कुतुलुपुर रामनगर वाराणसी से प्रकाशित व मीडियाटेक्स्ट प्राइवेट लिमिटेड आराजी संख्या 68, मौजा गोविंदपुर, जीटी रोड रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित। **आरएनआई नम्बर** : UPBIL05106 । इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बंधित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।
सम्पर्क : 9473893322
7309842122 (विज्ञापन)

रुबी होंडा
किला रोड, रामनगर, वाराणसी
Ph.:0542-26680002 Mob.:966553588,8127893175